शुक्ल पक्ष, 23 वर्ष, अंक 150 पृष्ठ 08 मूल्य 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | सोमवार 24 जून 2024 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

बिहार में अब तीसरा पुल हादसा

पूर्वी चंपारण

एक सप्ताह के अंदर बिहार में अब तीसरा पुल हादसा हुआ है। इस बार पूर्वी चंपारण के घोड़ासहन प्रखंड में डेढ़ करोड़ की लागत से बन रहा निमार्णाधीन पुल भरभरा कर गिर गया। अब इसका वीडियो वायरल हो रहा है। लोग बिहार सरकार पर सवाल खड़ा कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि घोड़ासहन प्रखंड अमावा से चैनपुर स्टेशन की ओर जाने वाली सड़क पर बन रहे पुल की ढलाई का काम कई दिनों से चल रहा था। शनिवार को पूल के एक हिस्से की ढलाई भी हुई थी। अचानक रात में करीब 40 फीट लंबा हिस्सा गिर गया।

पुल निर्माण में गुणवत्ता का कोई ख्याल नहीं रखा गया

लोगों का कहना है कि पुल निर्माण में गुणवत्ता का कोई ख्याल नहीं रखा गया था। पुल में इस्तेमाल की गई सामग्रियों की गुणवत्ता काफी खराब है। इसलिए अररिया के बकरा नदी पर जैसे पुल हादसा हुआ था, वैसा ही हाल यहां भी हुआ।लोगों ने कहा कि अब सवाल उठता है कि ढलाई के वक्त ही पूल ध्वस्त हो जा रहा है। इसकी गुणवत्ता क्या होगी? इसके लिए कौन जिम्मेवार है? बिहार सरकार इस मामले की जांच करे और जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई करे। इधर, पुल हादसे के विरोध में लोगों ने जमकर नारेबाजी की। गिरे हुए पुल के सामने ग्रामीण खड़े हो गए इसके बाद नारेबाजी करने लगे।

राजकोट में दोबारा नीट कराने के खिलाफ छात्रों का विरोध प्रदर्शन

राजकोट

नीट यूजी परीक्षा में कथित गड़बड़ियों को लेकर जगह-जगह पर छात्रों का विरोध प्रदर्शन जारी है। कुछ छात्र परीक्षा दोबारा कराने की मांग कर रहे हैं तो कुछ री-एग्जाम का विरोध कर रहे हैं। रविवार को गुजरात के राजकोट में भी छात्रों ने दोबारा परीक्षा कराने को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। छात्रों का कहना है कि उन्होंने मेहनत से परीक्षा दी और अंक हासिल किए, ऐसे में दोबारा परीक्षा नहीं होनी चाहिए। नीट-यूजी की एक अभ्यर्थी पलक ने समाचार एजेंसी एएनआई से कहा, 'मैंने नीट-यूजी परीक्षा में 682 अंक हासिल किए हैं। दोबारा परीक्षा नहीं होनी चाहिए, क्योंकि हमने कड़ी मेहनत और समर्पण के साथ ये अंक हासिल किए हैं। जिन छात्रों ने 600 से कम अंक हासिल किए हैं, वे दोबारा नीट कराने की मांग कर रहे हैं।

नीट पेपर लीक को लेकर विपक्ष हमलावर

इस धांधली की जिम्मेदारी केंद्र सरकार के शीर्ष अधिकारियों पर है: मल्लिकार्जुन खरगे

नई दिल्ली

नीट पेपर लीक विवाद के बाद केंद्र सरकार ने कार्रवाई करते हुए एनटीए के डायरेक्टर जनरल पद से सुबोध कुमार सिंह को हटा दिया है। फिलहाल उनकी जगह प्रदीप सिंह खरोला को नया डायरेक्टर बनाया गया है। लेकिन इस सब के बीच कांग्रेस की तरफ से केंद्र सरकार पर जुबानी हमले लगातार जारी है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने नीट-यूजी में कथित अनियमितताओं के बाद राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी में नौकरशाही में फेरबदल को लेकर निशाना साधा और कहा कि इस धांधली की जिम्मेदारी केंद्र सरकार के शीर्ष अधिकारियों पर है। मल्लिकार्जुन खरगे ने सोशल मीडिया (पहले ट्विटर) पर एक पोस्ट में लिखा, राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी एक को एक स्वायत्त निकाय के रूप में पेश किया गया था, लेकिन वास्तव में इसे भाजपा और आरएसएस के कपट हितों की सेवा के लिए बनाया गया था। उन्होंने आगे लिखा नीट घोटाले की जिम्मेदारी केंद्र सरकार के शीर्ष अधिकारियों के दरवाजे पर रुकती है। लेकिन इस घोटले के बाद नौकरशाहों को हटाना भाजपा की बर्बाद की शिक्षा व्यवस्था की समस्या का समाधान नहीं हैं। उन्होंने कहा कि छात्रों को न्याय दिलाने के लिए मोदी सरकार को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए।

एनटीए के महानिदेशक सुबोध सिंह पद से हटाए गए

नीट विवाद में शनिवार को केंद्र सरकार ने हाल के दिनों में प्रभावित होने वाली चौथी प्रवेश परीक्षा, नीट-पीजी प्रवेश परीक्षा को भी स्थगित कर दिया और एनटीए के महानिदेशक सुबोध सिंह को हटाते हुए मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी में धांधली की जांच सीबीआई को सौंप दी। वहीं मामले में शिक्षा मंत्रालय ने एजेंसी के कामकाज की समीक्षा करने और परीक्षा सुधारों की सिफारिश करने के लिए पूर्व इसरो प्रमुख के। राधाकृष्णन की अध्यक्षता में सात सदस्यीय पैनल का गठन किया है।

शिक्षा माफिया ने शिक्षा व्यवस्था में घुसपैठ कर ली: खरगे

मल्लिकार्जुन खरगे ने आगे कहा कि नीट-पीजी की परीक्षा स्थगित कर दी और पिछले 10 दिनों में सभी चार परीक्षाओं को रद्द या स्थगित किया गया है। पेपर लीक, भ्रष्टाचार, धांधली और शिक्षा माफिया ने हमारे शिक्षा व्यवस्था में घुसपैठ कर ली है। जिसके बाद अब इस कार्रवाई का कोई मतलब और महत्व नहीं है क्योंकि अभी भी अनगिनत युवा पीड़ित हैं। वहीं इस पहले कांग्रेस नेता राहुल गांधी केंद्र सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को शिक्षा माफिया और पेपर लीक रैकेट के सामने असहाय बताया था।

परीक्षा रद्द करना एक बार की घटना नहीं: मुख्यमंत्री एम के स्टालिन

चेन्नई

23 जून को होने वाली नीट-पीजी परीक्षा स्थगित होने के बाद से विपक्ष लगातार केंद्र सरकार पर हमला बोल रही है। वहीं, शनिवार रात को सरकार ने एनटीए के महानिदेशक सुबोध कुमार सिंह को पद से हटा दिया गया है। इसी कड़ी में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी पोस्ट में केंद्र सरकार को जमकर लताड़ा है। स्टालिन ने रविवार को कहा कि नीट-पीजी परीक्षा और यूजीसी-नेट को रद्द करना एक बार की घटना नहीं है, बल्कि केंद्रीकृत चयन की अक्षम और टूटी हुई प्रणाली के ताबूत में आखिरी कीले हैं। बता दें कि स्टालिन की पार्टी डीएमके भी नीट का विरोध कर रही है। उन्होंने स्कूली शिक्षा को करियर का आधार बनाने के लिए संयुक्त प्रयास करने का आह्वान किया है।

स्टालिन ने कहा कि नीट-पीजी और यूजीसी-नेट के निरस्तीकरण ने हमारे हजारों डॉक्टरों को 'गहरी निराशा' में डाल दिया है।

उन्होंने कहा कि 'हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि ये घटनाएं एक बार की घटनाएं नहीं हैं, बल्कि केंद्रीकृत चयन की अक्षम और टूटी हुई प्रणाली के ताबूत में अंतिम कीलें हैं।'

न्यायसंगत चयन प्रक्रिया बनाने, स्कूली शिक्षा की प्राथमिकता सुनिश्चित करने और इसे करियर का आधार बनाने (और) व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के लिए चयन प्रक्रिया निर्धारित करने के राज्यों के अधिकारों को बहाल करने के लिए हाथ मिलाना चाहिए।'

साफ सुथरे ढंग से एक परीक्षा नहीं करा पा रही मोदी सरकार: प्रियंका

नई दिल्ली

एक के बाद एक परीक्षाओं में धांधली सामने आने पर विपक्ष ने केंद्र सरकार पर जमकर हमला किया। कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी ने नीट पेपर लीक मामले में मोदी सरकार पर गंभीर आरोप लगाया। कहा कि केंद्र सरकार ने पूरी शिक्षा व्यवस्था को माफिया और भ्रष्टों के हवाले कर दिया है। बता दें, सरकार ने 23 जून यानी आज होने वाली नीट-पीजी परीक्षा भी स्थगित कर दी है। इससे पहले शिक्षा मंत्रालय ने पेपर लीक के आरोपों के बाद यूजीसी-नेट परीक्षा को रद्द कर दिया था। यह परीक्षा 18 जून को हुई थी और अगले ही दिन इसे रद्द कर दिया गया था। वहीं, केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित परीक्षा प्रक्रिया को पारदर्शी, सुचारू और निष्पक्ष तरीके से संचालित करने के लिए विशेषज्ञों की भागीदारी के साथ एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया है। इसके अलावा, केंद्र ने शनिवार को एजेंसी के महानिदेशक सुबोध सिंह को हटा दिया था और मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी में हुई अनियमितताओं की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप दी थी।

इन्हीं सब पर प्रियंका गांधी वाड्रा ने निशाना साधा। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि नीट-यूजी पेपर लीक, नीट-पीजी परीक्षा, यूजीसी-नेट और सीएसआईआर-नेट परीक्षा रद्द। देश की कुछ सबसे बड़ी परीक्षाओं का आज ये हाल है। उन्होंने आगे कहा, 'भाजपा राज में समूची शिक्षा का ढांचा माफियाओं-भ्रष्टाचारियों के हवाले हो चुका है।

आकाश आनंद फिर मायावती के उत्तराधिकारी घोषित

बसपा सुप्रीमो मायावती का एलान, राष्ट्रीय संयोजक का पद भी किया बहाल

लखनऊ

आकाश आनंद एक बार फिर से बसपा के नेशनल कोऑर्डिनेटर बन गए हैं। सोमवार को लखनऊ में हुई बैठक में यह फैसला किया किया। मायावती ने आकाश आनंद को वापस से वही पद सौंप दिया है। इस मौके पर मायावती ने कहा कि बसपा आने वाले चुनावों में मजबूती के साथ लड़ती हुई दिखेगी। साथ ही वह किसी भी पार्टी के साथ गठबंधन करने नहीं जा रही है। वह अकेले ही चुनाव लड़ेगी।

दूर हुई मायावती की नाराजगी

बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती की भतीजे आकाश आनंद से नाराजगी दूर हो गई है। दरअसल, उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में बसपा प्रमुख मायावती ने लोकसभा चुनाव में हार के बाद राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक की। बैठक में भतीजे आकाश ने मायावती के पैर छुए। लोकसभा चुनाव के दौरान अपनी एक स्पीच के बाद मायावती ने उन्हें इस पद से हटा दिया था।

नीट परीक्षा में कथित गड़बड़ियों की जांच करने आई सीबीआई टीम पर हमला

नवादा

नवादा में कथित नीट यूजी पेपर लीक मामले की जांच करने दिल्ली से बिहार के नवादा पहुंची सीबीआई टीम की ग्रामीणों ने पिटाई कर दी है। रजौली पुलिस के पहुंचने के बाद सीबीआई टीम के अधिकारियों को बचाया जा सका। नवादा के पुलिस अधीक्षक अम्बरीष राहुल ने बताया कि नीट पेपर लीक मामले में सीबीआई की टीम नवादा जिले के रजौली थाना के कसियाडीह गांव पहुंची थी। लेकिन, ग्रामीणों ने सीबीआई टीम को नकली पुलिस बताकर उनके साथ मारपीट करने लगे। इसके बाद नवादा पुलिस पहुंची और अधिकारियों को बचाया। मामले को संज्ञान में लेकर कार्रवाई कर रही है। इस सिलसिले में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। सीबीआई टीम के अधिकारियों ने दो मोबाइल फोन को जब्त किया है।

टावर लोकेशन के आधार पर जांच करने पहुंची थी टीम

बताया जा रहा है कि कथित नीट पेपर लीक मामले की जांच के लिए दिल्ली से सीबीआई की टीम नवादा जिले के रजौली थाना के कसियाडीह गांव पहुंची थी। पेपर लीक में शामिल एक व्यक्ति के मोबाइल लोकेशन के आधार पर सीबीआई टीम कसियाडीह पहुंची थी, लेकिन सीबीआई टीम को नकली बताकर ग्रामीणों ने उनके साथ मारपीट कर दिया। सीबीआई के अधिकारियों के गाड़ियों में भी तोड़फोड़ कर दिया। सीबीआई टीम के ड्राइवर के साथ भी मारपीट किया गया। सीबीआई की जांच टीम में चार अधिकारियों के साथ स्थानीय पुलिस की एक महिला कांस्टेबल भी थी।

समुदाय विशेष ने भाजपा से लिया लाभ लेकिन कांग्रेस को दिया वोट: सरमा

असम/एजेंसी

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने कहा कि बांग्लादेश मूल के अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्यों ने लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को वोट दिया। जबकि केंद्र और राज्य में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकारों ने उनके लिए विकास कार्य किए हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि यह असम का एकमात्र समुदाय है जो कि सांप्रदायिकता में लिप्त है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा शनिवार को राज्य मुख्यालय में भाजपा और उसके सहयोगी दलों के विजयी उम्मीदवारों के अभिनंदन समारोह में पहुंचे। वहां उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि सत्तारूढ़ गठबंधन को लगभग 47 प्रतिशत वोट मिला। जबकि कांग्रेस और उसकी सहयोगी पार्टियों का वोट प्रतिशत 39 था। भाजपा एजीपी यूपीपीएल गठबंधन ने राज्य की 14 लोकसभा सीटों में से 11 सीट जीती थीं, शेष तीन सीट कांग्रेस ने हासिल की थी। हिमंत बिस्वा ने दावा किया कि अगर कांग्रेस की 39 प्रतिशत वोटों का विश्लेषण करें तो यह पता चलेगा की वोट पूरे राज्य से नहीं मिला है। इसका आधा हिस्सा 21 विधानसभा क्षेत्रों में केंद्रित है। वे हिस्से जो अल्पसंख्यक बाहुल्य हैं। इन अल्पसंख्यक बाहुल्य क्षेत्रों में भाजपा का वोट प्रतिशत सिर्फ 3 रहा। सीएम सरमा ने किसी संप्रदाय का नाम लिए बिना कहा कि इससे साबित होता है कि हिंदू सांप्रदायिकता में लिप्त नहीं है। अगर असम में कोई सांप्रदायिकता में लिप्त है तो वह केवल एक समुदाय, एक धर्म है। कोई अन्य धर्म ऐसा नहीं करता। उन्होंने यह भी कहा कि अल्पसंख्यक बाहुल्य क्षेत्रों में भले ही सड़कें न हों, बिजली न हो, लेकिन वे कांग्रेस के लिए मतदान करते रहे हैं। उन्होंने इस बार फिर ऐसा किया। उन्होंने कहा कि भाजपा असमिया लोगों और आदिवासियों के लिए काम कर रही है।

नीट यूजी पुनः परीक्षा में 813 उम्मीदवार हुए शामिल

1563 अभ्यर्थियों के लिए हुआ था आयोजन

नई दिल्ली

रविवार को 1,563 उम्मीदवारों के लिए नीट यूजी परीक्षा दोबारा आयोजित की गई। एनटीए द्वारा कहा गया कि इस परीक्षा में लगभग 800 उम्मीदवार शामिल हुए हैं। एनटीए ने कहा, "आज नीट यूजी की पुनः परीक्षा में 1563 में से कुल 813 अभ्यर्थी उपस्थित हुए।"

750 ने नहीं दी परीक्षा

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने यानी 23 जून को नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट - यूजी की पुनःपरीक्षा आयोजित की। कुल 1,563 उम्मीदवारों के लिए नीट रीटेस्ट आयोजित किया गया था। इन उम्मीदवारों को खोए हुए समय की भरपाई के लिए ग्रेस मार्क्स दिए गए थे, जिसके कारण इस निर्णय पर विवाद हुआ था। कुल 1,563 उम्मीदवारों में से 750 छात्रों ने नीट रीटेस्ट 2024 छोड़ दिया।

13 जून को एक याचिका की सुनवाई के दौरान केंद्र ने शीर्ष अदालत को जानकारी दी थी कि एनटीए द्वारा 1,563 उम्मीदवारों को ग्रेस मार्क्स दिए जाने का निर्णय वापस ले लिया गया है। केंद्र ने आगे बताया था कि इन उम्मीदवारों के लिए नीट यूजी परीक्षा 23 जून को पुनः आयोजित की जायेगा।

वायु सेना और सेना को मिलेंगे 10 तापस स्वदेशी ड्रोन

नई दिल्ली

भारतीय वायु सेना ने केंद्र सरकार को 10 तापस मेड-इन-इंडिया ड्रोन खरीदने का प्रस्ताव दिया है। इनमें से छह ड्रोन भारतीय वायु सेना के लिए जबकि शेष चार भारतीय नौसेना के लिए होंगे। रक्षा बलों में तापस ड्रोन को शामिल करने और अधिग्रहण करने के लिए भारतीय वायु सेना प्रमुख एजेंसी होगी। भारतीय वायु सेना के प्रस्ताव पर जल्द ही रक्षा मंत्रालय में जल्द ही चर्चा किए जाने की उम्मीद है। तापस ड्रोन को केवल सीमाओं पर निगरानी रखने ही नहीं बल्कि दुश्मनों पर हमला करने के लिए भी इस्तेमाल में लाया जा सकता है। रक्षा अधिकारियों ने बताया कि मध्यम ऊंचाई वाले तापस ड्रोन को रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) की प्रयोगशाला एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट एस्टेब्लिशमेंट (एडीए) ने विकसित किया है।

इसरो ने की आरएलवी 'पुष्पक' की सफल लैंडिंग

कर्नाटक के चित्रदुर्ग स्थित एयरोनॉटिकल टेस्ट रेंज (एटीआर) में इस रीयूजेबल लॉन्च व्हीकल ने खुद ही आधा घंटे बाद जमीन पर लैंड किया

नई दिल्ली

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने रविवार को सुबह लॉन्च व्हीकल पुष्पक का तीसरी बार पूरी तरह कामयाब परीक्षण किया। पुष्पक को भारतीय वायु सेना के चिनूक हेलीकॉप्टर से 4।5 किमी। की ऊंचाई से हवा में छोड़ा गया। कर्नाटक के चित्रदुर्ग स्थित एयरोनॉटिकल टेस्ट रेंज (एटीआर) में इस रीयूजेबल लॉन्च व्हीकल ने खुद ही आधा घंटे बाद जमीन पर लैंड किया। आखिरी परीक्षण में इसरो के 'पुष्पक' शटल ने साबित कर दिया कि यह बार-बार अंतरिक्ष में जाकर धरती पर सुरक्षित लौट सकता है। इसरो ने इससे पहले पिछले साल 02 अप्रैल को आरएलवी लेक्स-1 का सफलतापूर्वक संचालन किया था। इसके बाद इसी साल 22 मार्च को आरएलवी लेक्स-2 का सफल परीक्षण किया गया था। इसी श्रृंखला में तीसरा और अंतिम परीक्षण कर्नाटक के चित्रदुर्ग में वैमानिकी परीक्षण रेंज (एटीआर) में आज सुबह 07:10 बजे किया गया। आरएलवी लेक्स-01 और लेक्स-02 मिशनों की सफलता के बाद आरएलवी लेक्स-03 ने अधिक चुनौतीपूर्ण रिलीज स्थितियों में और अधिक गंभीर हवा की स्थिति में आरएलवी की स्वायत्त लैंडिंग क्षमता का फिर से प्रदर्शन किया। इसरो के मुताबिक पुष्पक नामक पंख वाले वाहन को भारतीय वायु सेना के चिनूक हेलीकॉप्टर से 4।5 किमी। की ऊंचाई पर छोड़ा गया। रीयूजेबल लॉन्च व्हीकल धीमी गति से उड़ान भरने के बाद रनवे से 4।5 किमी दूर स्वायत्त रूप से क्रॉस-रेंज सुधार युद्धाभ्यास करने के बाद रनवे के पास पहुंचा और सेंटर लाइन पर लैंडिंग गियर के साथ खुद ही एटीआर में 7।40 बजे लैंड किया। लैंडिंग करते वक्त इसका वेग 320 किमी प्रति घंटे से अधिक हो गया, जबकि एक वाणिज्यिक विमान के लिए यह 260 किमी प्रति घंटे और एक सामान्य लड़ाकू विमान के लिए 280 किमी प्रति घंटे होता है। टचडाउन के बाद वाहन के वेग को उसके ब्रेक पैराशूट का उपयोग करके लगभग 100 किमी प्रति घंटे तक कम कर दिया गया था। लगातार तीसरी बार यह परीक्षण सफल होने के बाद साबित हो गया कि रीयूजेबल लॉन्च व्हीकल के सहारे रॉकेट को दोबारा लॉन्च किया जा सकता है। इस परीक्षण में इसरो के साथ भारतीय वायु सेना, वैमानिकी विकास प्रतिष्ठान (एडीई), हवाई वितरण अनुसंधान और विकास प्रतिष्ठान (एडीआरडीई), सैन्य उड़ान योग्यता और प्रमाणन केंद्र (सीईएमआईएलएसी) के तहत क्षेत्रीय सैन्य उड़ान योग्यता केंद्र (आरसीएमए), राष्ट्रीय एयरोस्पेस प्रयोगशालाएं (एनएएल), भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर, भारतीय एयरोस्पेस औद्योगिक साझेदार, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया और भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण से महत्वपूर्ण समर्थन के साथ कई इसरो केंद्र शामिल थे।

यमुनापार में लाल सलाम संगठन के बाद अब भारतीय किसान यूनियन प्रशासन को छकाने को तैयार

अखंड भारत संदेश

आज घूरपुर के कंजासा गांव के यमुना नदी से जल सत्याग्रह आंदोलन की आगाज करेगी भारतीय किसान यूनियन टिकैत गुट

प्रयागराज। यमुनापार में ग्रामीणों के अधिकार दिलाने और अन्याय के खिलाफ अभी तक लाल सलाम संगठन के आंदोलनों से प्रशासन जहां हैरान थी ही वहीं अब भारतीय किसान यूनियन (टिकैत गुट) का भी सामना करना पड़ेगा। तीन माह पूर्व से इनके नेताओं ने इस क्षेत्र में डेरा डाल अब तक हजारों सदस्य बना चुके हैं। साथ ही क्षेत्र की प्रमुख समस्यायो सहित ग्रामीणों के अधिकार और हो रहे अन्याय की बखूबी जानकारी कर क्रमशः आन्दोलन की रूपरेखा तैयार कर लिया गया है। खासकर घूरपुर क्षेत्र के तराई इलाकों में अपना पांव विस्तृत रुप से पसार दिया है। जिसका शुभारंभ 24जून को कंजासा गांव के यमुना नदी से जल सत्याग्रह आंदोलन से आगाज करेगी। जिससे अब माना जा रहा है कि अखिल भारतीय किसान मजदुर सभा (लाल सलाम संगठन) के बाद भारतीय किसान यूनियन टिकैत गुट खासकर यमुनापार में अपना पैर मजबूती से पसार दिया है। इस क्षेत्र के ग्रामीणों मजदूरों और किसानों की प्रमुख समस्यायों को निदान के लिए शासन प्रशासन के सामने मांगे रखेगी। भारतीय किसान यूनियन टिकैत गुट के यमुनापार प्रभारी शुभम ठाकु ने बताया कि उक्त आन्दोलन में सैकड़ो किसान सदस्य भाग लेंगे। जिसमे शासन से प्रमुख मांगें यमुनापार के तराई इलाकों में बालू खनन के पट्टे स्थानीय निषादो को देते हुए बालू खनन शुरू कराए जाने, नहरों को साफ कर तत्काल पानी छोड़े जानें तहसील में किसानों की लंबित मामलों को त्वरित निदान करने और पूर्व की मांगों को पूर्ण करने सहित आदि प्रमुख मांगें की जाएगी।

प्रशासन से उपेक्षित किसान मजदूर ग्रामीण इन सगठनों में अधिकार न्याय के लिए होते हैं शामिलः

जब शासन प्रशासन भोले भाले ग्रामीण मजदूर किसानों की उपेक्षा कर न्याय नहीं दिला पाती तो ऐसे लोग अपने अधिकार न्याय पाने के लिए इन संगठनों के पास गुहार लगाते हैं। और इसी के चलते बड़े पैमाने पर सदस्यों की गुट तैयार हो आन्दोलन करती हैं। विभिन्न प्रकार के आन्दोलन के तरीकों से प्रशासन हैरान होती है। जबकि जानकारो की माना जाय तो यदि शासन प्रशासन इन ग्रामीण किसानों मजदूरों की समस्यायों को जमीनी स्तर पर निदान समय रहते निदान करें तो ऐसे संगठनों के पास हुजूम ही न खड़ी हो पाए। और जब बड़े पैमाने पर संगठने आन्दोलन करती है तो प्रशासन अपनी आंखो की किरकिरी मानती हैं। और तब हाय तौबा करती है।

डेढ़ दशक पूर्व तत्कालीन सीओ करछना आशुतोष मिश्र ने चलाई थी अभियान :

डेढ़ दशक पूर्व प्रशासन के लिए किरकिरी बनी लाल सलाम संगठन के आंदोलनों के चलते तत्कालीन करछना सीओ रहे आशुतोष मिश्र ने यमुनापार के विशेष तौर पर घूरपुर लालापुर क्षेत्र में कैंप लगाकर खास विभागों के कर्मियों द्वारा ग्रामीणों की समस्यायों का निदान सहित रोजगार संबंधी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करा त्वरित निदान करा सराहनीय कार्य कर पुलिस से मित्रवत व्यवहार स्थापित करने का सफल प्रयास किए थे। इसका परिणाम आगे यह आया कि काफी ग्रामीण अब संगठनों के पास न जाकर सीधे स्थानीय प्रशासन के पास जानें लगे थे। तत्कालीन सी ओ करछना आशुतोष मिश्र लाल सलाम संगठन के इलाकों में इस कदर लोकप्रिय हुए कि क्षेत्रवासी किसी भी समस्या को लेकर सीधे उनसे संवाद करते थे। पांच वर्ष पूर्व आशुतोष मिश्र एस पी यमुनापार के रूप कार्यरत रहे। तब भी आम जनमानस और पुलिस के बीच मित्र व्यवहार स्थापित करने के लिए इन क्षेत्रों में व्यापक पैमाने पर क्रिकेट टनार्मेंट का आयोजन करा पुलिस और पब्लिक के बीच मित्रवत व्यवहार स्थापित करने में सफलता प्राप्त किए थे। जिससे आंदोलन संगठनों आन्दोलन की रफ्तार भी धीमी पड़ गई थी। लेकिन समय जाते देर नहीं हुई कि अब पूर्व जैसे स्थानीय प्रशासन द्वारा उपेक्षित किए जानें लगा और किसान मजदूर ग्रामीण फिर से न्याय अधिकार के लिए प्रशासन के बजाए संगठनों के द्वार जाने लगे।

न्यूज झरोखा

औद्योगिक थाना क्षेत्र के मसिका के समीप रेलवे लाइन पर ट्रेन की टक्कर से युवक की मौत

प्रयागराज। करछना थाना क्षेत्र के ग्राम सभा तिलखवार मजरा टंगहा का पुरा निवासी रोहित पटेल उम्र 25 वर्ष पुत्र घनश्याम सिंह सुबह से घर से नाराज होकर बिना किसी को कुछ बताएं निकला था दोपहर बाद औद्योगिक थाना पुलिस को सुचना मिली की मसिका गांव के समीप ट्रेन की टक्कर लगने से एक युवक की मौत हो गई है मौके पर पहुंची औद्योगिक पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर तलाश की जिसकी पहचान तिलखवार मजरा टंगहा का पुरा रोहित पटेल के रूप में हूई सुचना परिजन को देते हुए शव को कब्जे मे लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है मृतक के भाई के द्वारा औद्योगिक थाना क्षेत्र में लिखित तहरीर दी गई है घटना से परिवारिक जनो में कोहराम मचा हुआ है मृतक रोहित दो भाई में बड़ा था उसकी शादी पांच वर्ष पहले हुई थी पत्नी अमिशा पटेल के साथ दो बच्चे हैं बड़ी बेटी अनुष्का व बेटा है

एसीपी के निर्देश पर मेजा पुलिस ने चलाया सघन चेकिंग अभियान

मेजा। मेजा थाना क्षेत्र के नगर पंचायत सिरसा में अमिलहवा चौराहे पर मेजा पुलिस ने एसीपी मेजा के निर्देश चेकिंग अभियान चलाया जिसमें टू व्हीलर फोर व्हीलर वह ट्रैफिक को लेकर गहन चेकिंग अभियान चलाया गया जिसमें लाइसेंस आरसी पेपर व अन्य दस्तावेजों जांच पड़ताल की गई और वहां स्वामियों को बिना लाईसेंस एवं अन्य जरूरी कागजातों के वहां न चलाने की सख्त हिदायत दी गई इसके लिए सड़क पर आने जाने वाले वाहन स्वामियों को जागरूक भी किया गया। चेकिंग अभियान में मुख्य रूप से सिरसा चौकी उपनिरीक्षक गौरव यादव मनोज कुमार यादव नितेश पाठक अनुरुव्द कुमार सिपाही अमित निषाद,दीपक यादव,राहुल कुमार,धीरज कुमार आदि लोग उपस्थित रहे।

बलिदान दिवस के रूप में मनाई गई श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि

सहसों। भारतीय जानता पार्टी कार्यकताओं द्वारा मंडल कार्यालय सहसों पर मंडल अध्यक्ष अनिल सरोज की अध्यक्षता में रविवार को डाक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी के पुण्यतिथि को बलिदान दिवस के रूप में मनाते हुए उन्हें शत-शत नमन किया गया। इस अवसर पर पार्टी कार्यकताओं द्वारा उनके छायाचित्र पर माल्यार्पण करते हुए श्रद्धा सुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित किया गया। इस मौके पर उपस्थित मुख्य अतिथि श्री बीरेन्द्र बहादुर सिंह अध्यछ भूमि विकास बैंक फूलपुर ने श्यामा प्रशाद मुखर्जी के जीवन पर प्रकाश डालते कार्यकताओं को संबोधित कर शत-शत नमन किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से पूर्व मंडल अध्यक्ष जय प्रकाश दुबे, जिला संयोजक नमामि गंगे भाजपा गंगापार राजधर द्विवेदी , कशीनाथ दुबे , बाल गोविंद तिवारी , मनोज तिवारी, राजेश सरोज , विमल मिश्रा , संतोस सिंह , राम शुक्ला , लवकुश बिंद, रंजन तिवारी, मुन्ना दुबे, राजवंत सिंह, प्रमोद शुक्ला, अमन सिंह राजपूत, लाल चंद सोनकर , सतीश कुमार, सुनील कुमार, सूरज कुमार , सुमित शाहू, रितेश केसरवानी, कन्हैया केसरवानी, सहित आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

शहीद नेब्बु लाल बिंद स्मृति प्रतियोगिता का किया गया आयोजन

नैनी। कानपुर बिकरू कांड में शहीद सब स्पेक्टर नेबूलाल बिंद के स्मृति दिवस के अवसर पर रविवार को भीटी हंडिया प्रयागराज में शहीद नेब्बु लाल बिंद स्मृति प्रतिभा खोज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमे छात्र छात्राओं ने बढ़ चढ़ के हिस्सा लेकर तिलचस्पी दिखाई इस प्रतियोगिता में कक्षा 6 से लेकर 12 तक के छात्र छात्राओं को निःशुल्क प्रतियोगिता आयोजित कराई गई। प्रतियोगिता में शामिल 1165 छात्र छात्राओं ने श्रीमति गोमती देवी छोटेलाल बिंद महाविद्यालय भीटी और श्री तुलसी शिक्षा संस्थान दरवासी में संपन्न कराई गई। निर्देशक अरविंद कुमार की पहल पर हर साल प्रतियोगी परीक्षा कर ग्रामीण बच्चो को प्रोत्साहन कराना होता है जिसमे उन्होंने ने बताया कि प्रतियोगिता ही छात्र छात्राओं की कुंजी है। जिसमे छात्र छात्राओं को अपने बनाए हुए मार्ग पर प्रसस्त करना होता है इस परीक्षा में डा.जे एस बिंद,सरिता बिंद,डा.मिथिलेश कुमार, विद्यालय प्रबंधन राजेंद्र बिंद, कार्यवाहक प्राचार्य अखिलेश बिंद,ओम प्रकाश,विजय प्रकाश,अनुप बिंद, नंदलाल बिंद,अधिवक्ता राकेश भारती,अमर साहनी,राहुल बिंद, धर्मेंद्र कुमार,विजय बिंद, संजीव राव,विकास बिंद,प्रशांत सक्सेना, मुकेश,नीरज,लक्ष्मण बिंद,सुरेश बिंद,बिष्णु भारती आदि लोग मौजुद रहे।

कुँवर बहादुर सिंह बने यूपी वालीबाल प्रयागराज के मंडल कोऑर्डिनेटर, मिल रही बधाई

अखंड भारत संदेश

मेजा। मेजा तहसील क्षेत्र के कोसड़ा खुर्द गांव निवासी कुंवर बहादुर सिंह को उत्तर प्रदेश ग्रामीण वॉलीबाल एसोसिएशन द्वारा प्रयागराज मंडल का मंडल कोऑर्डिनेटर मनोनीत किया गया है। उक्त आशय की जानकारी उत्तर प्रदेश ग्रामीण वॉलीबाल एसोसिएशन के प्रांतीय महासचिव उमाकांत तिवारी ने दी है। उन्होंने बताया कि कुंवर बहादुर सिंह वॉलीबाल के पूर्व खिलाड़ी तथा मान्यता प्राप्त रेफरी हैं। जिन्हें विगत 19 जून 2024 से आगामी कार्यकाल तक के लिए कार्यकारिणी समिति द्वारा प्रयागराज मंडल का मंडल कोऑर्डिनेटर मनोनीत किया गया है। कुंवर बहादुर सिंह को प्रयागराज मंडल का कोऑर्डिनेटर बनाए जाने पर प्रयागराज जनपद के साथ-साथ मेजा मांडा क्षेत्र के ग्रामीण खिलाड़ी काफी उत्साहित और खुश है। उनका कहना है कि अब मेजा मांडा क्षेत्र के खिलाड़ियों को भी वॉलीबाल खेल में आगे बढ़ने का मौका प्राप्त होगा। इस मौके पर प्रेमशंकर द्विवेदी ग्राम प्रधान, राकेश भास्कर, गुलाब भास्कर, जनक सिंह, विकास कुमार उर्फ विक्की तिवारी, मजीद खां, कमला शंकर सिंह एडवोकेट, योगेंद्र कुमार पटेल, कुशलकांत मिश्रा, मो.सैम, कमलेश तिवारी, असफाक अहमद, आकाश भारतीया, कमल कुमार, चंचल प्रजापति, पन्नालाल एडवोकेट, राकेश कुमार व हिमांशु विश्वकर्मा आदि ने शुभकामनाएं भेजकर उज्जवल भविष्य की कामना की है।

बिजली विभाग द्वारा 5 घंटे में बदला गया ट्रांसफार्मर, खुशी

सोरांव। इलाके के सराय भोगी के समीप स्थित 100 केवीए का ट्रांसफार्मर खराब हो जाने से उपभोक्ता परेशान है। ग्रामीण विभाग से जल्द से जल्द ट्रांसफार्मर लगवाने की मांग किया है। हालांकि ट्रांसफार्मर फुंक जाने की शिकायत उपभोक्ता टोल फ्री नंबर पर कर चुके हैं। सराय भोगी मोड़ के पास पिछले लगभग पांच सालों से 100 केवीए का ट्रांसफार्मर विभाग द्वारा लगाया गया है। इस ट्रांसफार्मर से करीब आधा दर्जन लोगों का कनेक्शन है। इस भीषण गर्मी में ट्रांसफार्मर खराब होने से लोगों की नींद हराम हो गई है। हालांकि विद्युत विभाग की टीम ने रविवार को खराब ट्रांसफार्मर को चेक करके नीचे उतार लिया और बिजली विभाग के लाइन मैन दिनेश कुमार पटेल,अमित सिंह, आशाराम,श्याम कुमार के अथक परिश्रम खराब ट्रांसफार्मर की केवल पांच घंटे में बदलकर नया ट्रांसफार्मर लगा दिया गया। उसके लिए उपभोक्ता शादाब खान, अमित श्रीवास्तव, अबरार अहमद, श्याम बाबू, राजेश कुमार एडवोकेट,शैलेंद्र कुमार संग दर्जनों लोगों ने बिजली विभाग को कोटि कोटि धन्यवाद दिए।

बिजली की अघोषित कटौती से उपभोक्ता परेशान

जसरा। गौहनिया पावर हाउस से संबंधित गांवो में अघोषित बिजली कटौती से लोग त्रस्त हो गये हैं। रोस्टिंग के नाम पर लगातार बिजली काटी जा रही है। गौहनिया उपकेंद्र से जसरा,घूरपुर,गौहनिया आदि बाजारों के साथ-साथ दो दर्जन से अधिक गांवों के बिजली की आपूर्ति की जाती है। वहीं बिजली कर्मचारियों की मनमानी से बिजली उपभोक्ता परेशान हो गए हैं। जसरा क्षेत्र में शनिवार को आधी रात को जब लाइट कटी तो सुबह तक नहीं आई। लगभग 9:00 बजे सुबह बिजली की आपूर्ति प्रारंभ हुई लेकिन 11.23 बजे एक बार फिर बिजली काट दी गई जो शाम तक नहीं आई। बिजली कर्मचारियों से जब संपर्क किया जाता है तो वह तरह-तरह के बहाने बताते हैं। कहीं 33 के वी आपूर्ति ब्रेकडाउन तो कहीं रोस्टिंग की बात कह पल्ला झाड़ लेते हैं। उमस भरी गर्मी में जहां एक ओर लोगों की रात की नींद खराब हो रही है, वहीं दिन में भी चैन नहीं मिल पा रहा है। बारिश होने के बाद गर्मी का दूसरा रूप देखने को मिल रहा है। वहीं उमस भरी गर्मी से लोग किसी तरह समय काट रहे हैं । लोग भीषण गर्मी में पक रहे हैं। आम जन जीवन पूरी तरह से प्रभावित हो गया है। लोगों का हाल बेहाल है। गर्मी से लगातार मरीजों की संख्या दिनों दिन बढ़ती जा रही है। जसरा बाजार के राजू केसरवानी ,सोनू केसरवानी,मुकेश केसरवानी संजीव केसरी, अनिल कुमार, अनिल मिश्रा, विनोद कुमार ,रतन केसरवानी, निशू केसरवानी , धर्मेंद्र कुशवाहा, बृजेश यादव आदि लोगों ने बिजली अधिकारियों से बिजली की आपूर्ति ठीक किए जाने की मांग की है। वहीं लोगों ने चेतावनी दी है कि बिजली की आपूर्ति नहीं सुधारी गई तो वह उपकेंद्र का घेराव करने के लिए बाध्य होंगे। जिसकी पूरी जिम्मेदारी बिजली विभाग की होगी।

जंघई-हंडिया रोड पर रोडवेज बस चलाने हेतु परिवहन मंत्री से मांग

जंघई। परिवहन मंत्री उत्तर प्रदेश दयाशंकर सिंह को पत्र लिखकर इंजीनियर घनश्याम पांडेय पूर्व विधानसभा प्रत्याशी प्रतापपुर ने जंघई से हंडिया तहसील तक नियमित रोडवेज बस चलाने की मांग किया है। घनश्याम पांडेय के अनुसार मैंने परिवहन मंत्री को पत्र लिखकर यह मांग किया है और सांसद भदोही डॉ विनोद बिंद से भी परिवहन मंत्री से वार्ता करवाई है। प्रतिदिन सैकड़ों लोगों का हंडिया आवागमन रहता है रोडवेज बस चलने से लोगों को सुविधा होगी।

दो पक्षों में लाठी डंडा से हुई मार पीट आधा दर्जन के खिलाफ मुकदमा दर्ज

मऊआइमा। कपडा धुलाई को लेकर दो पक्षों में जम कर हुई लाठी डंडा से मार पीट में कई घायल हुए।जिसमें एक पक्ष ने दो जबकि दूसरे पक्ष ने चार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। मऊआइमा थाना क्षेत्र के कहली गांव निवासी संजय गौड पुत्र सत्यनारायण और रामसजीवन पुत्र राम करन कपडा धुलाई की दुकान किए हुए हैं।जिसे लेकर दोनों एक दूसरे से ईर्ष्या रखते हैं। संजय गौड का आरोप है कि उसके विरोधी लाठी डंडा से मारे पीटे जिससे उन्हें और उनके पुत्र अर्जुन को गंभीर चोटें आयी है। संजय गौड ने मऊआइमा थाना में बजरंगी उर्फ संदीप और मंगरू के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया है जबकि दूसरे पक्ष के राम सजीवन का आरोप है कि उसे और उसकी पुत्री अनीता देवी को मारा पीटा गया। राम सजीवन ने संजय, बृजेश,करन ,अर्जुन के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है।

स्वल्प फाउंडेशन की ओर से वितरित किए गए 300 फलदार पौधे

मांडा। क्षेत्र के स्व राजकमल सिंह को श्रद्धांजलि देते हुए उनकी स्मृति में हुआ पौध वितरण कार्यक्रम का आयोजन कर लोगों ने सेवा करने का संकल्प लिया जिसमे कोरांव क्षेत्र के पचवंह गांव में दिवंगत हुए राजकमल सिंह की तरहवीं के अवसर पर स्वल्प फाउंडेशन की ओर से लोगों को 300 फलदार पौधे वितरित किए गए। बड़े भाई नील कमल सिंह ने लोगों को निशुल्क फलदार पौधे बांटे। फाउंडेशन के सदस्य अजीत भाई पटेल, डा0 दिनेश सिंह(जनरल सर्जन)विनय सिंह, प्रकाश सिंह, अंशुमान सिंह, प्रो० सत्येंद्र सिंह, अरविंद सिंह,राजेश सिंह, महेंद्र सिंह आदि लोगों की उपस्थिति में सभासद शैलेश सिंह शैलू ने बताया कि स्वल्प फाउंडेशन असहाय जरूरतमंदों की मदद के लिए बनाया गया है। जो शिक्षा स्वास्थ्य पर्यावरण एवं अन्य सामाजिक सरोकारों से जुड़े मुद्दे पर काम करेगा। साथ ही असहाय व निरीह लोगों की मदद कर उन्हें समाज की मुख्य धारा से जोड़ने का काम भी करेगा।

तीन अलग अलग गांवों में मारपीट नौ के विरुद्ध मुकदमा दर्ज

सगे भाई ने भाई भाभी भतीजों के विरुद्ध दर्ज कराया मुकदमा

मऊआइमा। मऊआइमा इलाके के तीन अलग अलग गांवों में मार पीट के दौरान कई को चोटें आयी है। पुलिस ने तीनों मामलों में नौ के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया है। मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम सत्ती महमदपुर निवासनीय सीता देवी पत्नी सियाराम का आरोप है कि मामूली बात को लेकर पडोसी मारे पीटे जान से मारने की धमकी दिए।सीता देवी ने मऊआइमा थाने में महेंद्र गौतम और सकते बहादुर पटेल के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करा दिया है।उधर ग्राम गोडवा बोमापुर चौराहा निवासनीय संजू देवी पत्नी सुनील कुमार का आरोप है कि उनके पति पत्नी के बीच हुए विवाद को लेकर सास गीता देवी,पति सुनील कुमार, देवर अनिल कुमार ने मारा पीटा जान से मारने की धमकी दिए। पुलिस ने उपरोक्तों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया है।उधर ग्राम खोजापुर निवासी सुभाष चन्द्र पुत्र दुजाई का आरोप है कि परिवारिक मामलों को लेकर भाई और भतीजों ने उसे मारा पीटा गालियां दी। सुभाष चन्द्र ने मऊआइमा थाने में अपने भाई ओमप्रकाश,भाभी सीमा देवी, भतीजे अनुज, अनुराग के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करा दिया है।

बिजली पोल के अर्थिंग में उतरे करंट की चपेट में आए दो गोवंशों की मौत

सहसों। क्षेत्र के कसेरूआ खुर्द गांव में विद्युत पोल में लगे अर्थिंग में उतरे करंट की चपेट में आने से दो गोवंशों की मौत हो गई जिससे ग्रामीण भयभीत हैं। जानकारी के अनुसार कसेरूआ खुर्द गांव निवासी धर्मराज के दरवाजे के सामने से विद्युत लाइन खींची गई है। समीप में ही वह अपनी गौशाला बनाकर मवेशियों को देखभाल करते हैं। शनिवार सायंकाल वर्षा होने के कारण विद्युत पोल में लगे अर्थिंग में करंट उतर गया। समीप में बंधी गाय चिल्लाने लगी जब तक लोग समझ व पहुंच पाते तब तक वह गिर गई और उसकी मौत हो गई। पास स्थित विद्युत विभाग के मलावां पावर हाउस के कर्मचारियों को सूचना दे दी गई। जिस पर विद्युत आपूर्ति बंद की गई। रात में विद्युत आपूर्ति शुरू हुई तो सुबह एक गोवंश फिर इसकी चपेट में आ गया तथा उसकी भी मौत हो गई। सूचना पर विद्युत आपूर्ति बंद की गई तथा सुबह कर्मचारी पहुंचकर खम्भे मे उतर रही करंट को ठीक कर आपूर्ति बहाल की। ग्रामीणों ने विद्युत विभाग के अधिकारियों से मांग की है कि अन्य खंभे में लगे अर्थिंग, लोहे के राउंड पोल, स्टे राड तथा खंभे के माध्यम से जमीन में लगाई गई अर्थिंग में पॉलिथीन लगाकर उसे सुरक्षित किया जाए ताकि कोई भी जनहानि न हो सके।

दामोदरपुर उर्फ तिवारी ग्राम निधि पर लगी रोक जांच के बाद हटाई गई

ग्राम प्रधान को बहाल कर खाता संचालन को सुचारू करने का डीएम ने दिया आदेश

सहसों। विकास खंड सहसों के दामोदरपुर उर्फ तिवारीपुर के ग्राम निधि के खाते से धनराशि आहरण एवं व्यय अनियमितता के आरोपी ग्राम प्रधान को जांच के बाद निर्दोष साबित होने पर जिलाधिकारी प्रयागराज द्वारा खाता पर लगी रोग को हटाते हुए ग्राम प्रधान को बहाल कर दिया गया है। सहसों विकास खंड के ग्राम पंचायत दामोदरपुर उर्फ तिवारीपुर में वर्ष 2021 में चुने गए ग्राम प्रधान बाल गोविंद तिवारी को लगभग डेढ़ वर्ष कार्य करने के बाद ग्राम निधि के खाते से आहरण एवं व्यय में अनियमितता पाए जाने के मामले में ग्रामीणों की शिकायत पर जिलाधिकारी प्रयागराज द्वारा खाता संचालन पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दिया गया। 8 अगस्त 2023 को मामले में संबंधित अधिकारी को तकनीकी मूल्यांकन हेतु जांच का आदेश देते हुए नवंबर 2023 में तीन सदस्यीय समिति का गठन कर विकास कार्यों को कराने का आदेश दिया गया। लगभग एक वर्ष बाद संबंधित जांच अधिकारी ने अपनी अंतिम जांच आख्या को प्रेषित करते हुए यह स्पष्ट किया कि ग्राम प्रधान द्वारा ग्राम निधि के खाते से निकाली गई धनराशि को जमा कर दिया गया है। जोकि शासकीय धनराशि के गबन व दुरुपयोग की श्रेणी में नहीं पाया गया। जांच अधिकारी द्वारा भेजी गई अंतिम जांच आख्या को संज्ञान में लेते हुए जिलाधिकारी प्रयागराज नवनीत सिंह चहल द्वारा 20 जून को आदेशित करते हुए दामोदरपुर उर्फ तिवारीपुर के ग्राम प्रधान बाल गोविंद तिवारी को बहाल कर ग्राम निधि खाते पर लगाई गई रोक को हटा दिया गया। ?साथ ही जांच के दौरान ग्राम पंचायत के सभी विकास कार्यों के संचालन हेतु गठित तीन सदस्यीय समिति को निरस्त कर दिया गया है।

सरकारी फरमान बेअसर, क्षेत्र की समस्या जस की तस

अखंड भारत संदेश

मांडा। भले ही जनता की हितैसी बनकर सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की फरमान जारी हो लेकिन निचले पायदान बैठे अधिकारियो के लिए बेअसर साबित हो रही है। वहीं ग्रामीणों व क्षेत्रों में पानी, सड़क, बिजली की मूल भूत सुविधाओ के अभाव में बढ़ती समस्याओं से जूझ रहे लोगों दिन प्रतिदिन आक्रोश बढ़ता जा रहा है। मौसम के अनुसार बरसात शुरू होते ही क्षेत्र में तरह- तरह की चचाएँ एवं समस्याएं देखने की नजारा सामने आ रही है। जहां कि भारत के पूर्व प्रधानमंत्री वीपी सिंह के नाम से विख्यात मांडा खास दिन ब दिन प्रशासनिक उपेक्षा का शिकार होता जा रहा है। यदि मांडा खास चौराहे के समीप राजमहल के रास्ते की पुलिया टूटी तो आधा मांडा खास से राजमहल अलग हो जाएगा। कर्णावती नदी का स्थल मांडा खास के मूर्तियां पहाड़ स्थित माण्डव्य तपोभूमि से हुआ है। इस नदी में मांडा खास कर्णावती नदी के दूसरे शाखा, जो राजमहल के चारों तरफ बांध और नाले के रुप में राजमहल की सुरक्षा के लिए बनी थी। इस विशाल बांध का पानी भी मांडा खास मे कर्णावती नदी में ही मिलता रहा है। मांडा खास चौराहे व इसके आस पास के तमाम दुकानदार व रिहायशी मकानों के कूड़ा करकट इस पुलिया मे फेंकते फेंकते अब राजमहल की ओर जाने वाली यह पुलिया पूरी तरह ढक गई है। यदि बरसात का पानी इस पुलिया से निकलने की व्यवस्था नहीं की गई तो पुलिया जाम होकर बरसात में तमाम मकान धराशायी कर सकती हैं। मांडा खास

अंग्रेजो के जमाने की बनी, पुलिया टूटी तो अलग हो जाएगा राजमहल

सड़क चौड़ीकरण के दौरान चौराहे के तमाम दुकानदारो ने इसे बांध और विशाल नाले के अन्दर पिलर पर अपने मकान दो मंजिला और तीन मंजिल बनाने के कूड़े फेंककर पूरा नाला दोनों तरफ से बन्द कर दिया है। इसी प्रकार हर घर जल मिशन योजना के अंतर्गत सड़क के दोनों किनारे क्षेत्र में पाइप लाइन की जाल बिछा दिया है। जो थोड़ी ही बरसात में राहगीरों के लिए सड़क के दोनों किनारे मौत का कुआ बनकर तैयार हो गया है। यह सड़क के दोनों किनारे नाला खोदकर पाइप लाइन बिछाई गई उस नाली में पानी जाने से मिट्टी बैठ जा रही है और सड़क के दोनों किनारे नाला बन जाने से राहगीरों के लिए मुश्किलें बढ़ा दी है। उक्त समस्याओं से आजिज होकर मांडा खास के समाज सेवी कमल नारायण पाण्डेय,अखिलेश कुमार कन्नौजिया, दिनेश कुमार मौर्य, राम प्रताप यादव, प्रेम शंकर, कन्हैया लाल मिश्र, रमेश कुमार, बेचन लाल बिंद,शिव शंकर बिंद, भारत सोनकर, ने मांडा ब्लॉक में ज्ञापन देकर स्थानीय प्रशासन और पुलिस से इस अंग्रेजो के जमाने में बना पुलिया में हुए अवैध कब्जे तुरन्त हटवाने और नाले को प्राचीन रूप देने व सड़क के दोनों किनारे खोदे गए पाइप लाइन के लिए नाले में मिट्टी डालने की मांग की हैं। उपरोक्त समस्याओं का समाधान न होने पर बड़ी घटना को चुनौती देगी।

मांडा विकास खण्ड के अधिकांश ग्राम पंचायतों में सफाई कर्मियों की लापरवाही से हर तरफ गंदगी का अंबार लगा है। सफाई के अभाव में नालियां चोक होकर सड़कों पर जलभराव की स्थिति बनी हुई है। इससे ग्रामीण संक्रामक बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि अधिकांश सफाई कर्मी विभागीय अधिकारियों के रहमोकरम पर घर बैठे तनख्वाह ले रहे हैं। वहीं मांडा क्षेत्र गन्दगी के अंबार में तब्दील हो गया है। मांडा खास काली मां के चौराहे के पूर्व प्रधान मंत्री वीपी सिंह मार्ग पर बने अंग्रेजो के जमाने से बना पुलिया कूड़े के ढेर से पट चुकी है। जिससे आने जाने वाले राहगीरों को बरसात में काफी मुसीबत झेलनी पड़ती है कूड़ो की दंश झेलने को मजबूर ग्रामीणों ने शनिवार को खण्ड विकास अधिकारी के गैर मौजूदगी में एडवोकेट कमल नारायण पाण्डेय व क्षेत्र पंचायत सदस्य अखिलेश कुमार कनौजिया ने एडीओ पंचायत रमा कांत पाण्डेय को ज्ञापन सौंपते हुए बताया कि पूर्व प्रधान मंत्री वीपी सिंह मार्ग पर अंग्रेजो के जमाने से बने पुलिया में कूड़े का अंबार लगा हुआ है जिससे आस पास बसे लोगों के घरों में पानी आने की संभावना काफी बढ गई है। उक्त मार्ग के अलावा पंजाब नैशनल बैंक रोड ,पर सफाई कर्मचारियों के लापरवाही से क्षेत्र की नालियां चोक बनी हुई है। तथा गिरधरपुर, भरथीपुर बघौराखवासान मुख्य मार्ग के दोनों किनारे खोदे गए पाइप लाइन के लिए नाला थोड़ी ही बरसात में राहगीरों को मौत की दावत दे रही है।

जल निकासी न होने ग्रामीणों में आक्रोश : काली मां के चौराहा सहीत कोरांव मार्ग जल निकासी को लेकर ग्रामीण आए दिन सम्बंधित अधिकारियो के प्रति नाराज रहते हैं समाजसेवी कन्हैया लाल मिश्रा ने बताया कि इस मार्ग पर जल निकासी न होने घरों का गंदा पानी सड़को पर बहता रहता है जिससे बरसात के दिनों में उक्त मार्ग से राहगीरों को कीचड़ से होके जाना पड़ता है।

चौराहे की नालियां जाम होने पर नही देता कोई ध्यान : मांडा में एक भी सफाई कर्मचारी तैनात न होने से सभी नालियां चोक बनी हुई है। जिससे मेजा तहसील वाली रोड पूरी तरह नाली पट जाने के कारण सड़को पर गंदा पानी बहता रहता है। वही सड़कों व गलियों में जल भराव एवं कूड़े करकट के अंबार लगने से संक्रामक बीमारियों की फैलने की पूरी संभावना है। इस सम्बन्ध मे ग्रामीणों ने कई बार खंड विकास अधिकारी को अवगत कराया लेकिन सफाई कर्मचारियों पर कोइ असर नही पड़ा।

400 करोड़ की ठगी करने वालों की तलाश में हुई छापेमारी

निहारिका वेंचर्स के एमडी की सास से अयोध्या में पूछताछ, पुलिस को मिले क्लू

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। प्रयागराज में 400 करोड़ की ठगी और धोखाधड़ी के मामले आरोपी एमडी और उसकी पत्नी की तलाश में अयोध्या में छापेमारी की। इस दौरान आरोपी मैनेजिंग डॉयरेक्टर अभिषेक द्विवेदी की सास निरुपमा से पूछताछ की। जिसमें पुलिस को कई क्लू मिले हैं।बताते हैं कि इस मामले में एफआईआर कराने वाले कई लोग खुद ठगी और जालसाजी में शामिल रहे हैं। मामला बिगड़ता देख वह खुद मुकदमा कराने पहुंच गए।

क्या है 400 करोड़ की ठगी का मामला :

रियल एस्टेट और शेयर बाजार में रुपए लगाने के नाम पर करोड़ों की ठगी का मामला 6 जून 2024 को पुलिस के पास पहुंचा। गोविंदपुर निवासी डॉ. ओम प्रकाश द्विवेदी के बेटे अभिषेक द्विवेदी ने वर्ष 2020 में पत्नी निहारिका के नाम से कंपनी बनाई।इसका नाम निहारिका वेंचर्स रखा। सिविल लाइंस के साईं धाम लैंडमार्क टावर में कार्यालय खोला गया। लोगों से कहा गया कि रियल स्टेट व शेयर बाजार में रुपए लगाने पर प्रतिमाह 6% तक मुनाफा मिलेगा। बड़ी संख्या में लोगों ने रुपए लगाए।बीच-बीच में अभिषेक द्विवेदी ने लोगों को रुपए भी दिए गए, लेकिन इधर करीब 6 महीने से रुपए देने बंद कर दिए। निवेश करने वाले लोग उसके पास फोन करते तो वह टालमटोल करता। छह जून को निवेशकों को पता चला कि डॉ. ओम प्रकाश ने पुत्र अभिषेक को अपनी संपत्ति से बेदखल कर दिया है।अधिवक्ता कौशल सिंह के साथ लोग शिवकुटी थाने पहुंचे। यहां कंपनी के एमडी अभिषेक द्विवेदी, निहारिका व डॉ. ओम प्रकाश द्विवेदी के खिलाफ धोखाधड़ी समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया।इलाहाबाद हाईकोर्ट पहुंचा है ठगी का यह मामला इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 400 करोड़ की ठगी मामले में निहारिका वेंचर्स की मालिक की गिरफ्तारी से रोक की मांग में दाखिल याचिका पर राज्य सरकार से विवेचना की प्रगति रिपोर्ट मांगी है। कोर्ट ने पूछा है कि इस मामले में अब तक क्या कार्रवाई की गई। याचिका की अगली सुनवाई 8 जुलाई को होगी। यह आदेश न्यायमूर्ति महेश चंद्र त्रिपाठी तथा न्यायमूर्ति सुरेंद्र सिंह की खंडपीठ ने कंपनी की मालिक निहारिका द्विवेदी की याचिका पर दिया है। याची की अधिवक्ता का कहना था कि निहारिका के पति ने उसके नाम से फर्म बनाई है। उसके क्रियाकलाप में उसका कोई रोल नहीं है। उसे झूठा फंसाया गया है। इसलिए गिरफ्तारी पर रोक लगाई जाए।

विपक्षी निवेशकों के अधिवक्ता ने दलील दी कि निहारिका वेंचर्स के एमडी अभिषेक द्विवेदी व उनकी पत्नी निहारिका द्विवेदी ने 400 करोड़ रुपए की ठगी की है। इसकी प्रयागराज के शिवकुटी थाने में ऋ्रक्ष दर्ज की गई है। निवेशकों के करोड़ों रुपए लेकर दोनों फरार हैं। कहा- इन्होंने आम आदमी सहित वकीलों के साथ भी ठगी की है। 20 से 30 लाख लेकर गायब हैं। इस ठगी के पैसे से निहारिका वेंचर्स के एमडी अभिषेक द्विवेदी ने पत्नी निहारिका द्विवेदी के नाम से कई प्लाट खरीदे हैं। इसलिए इन्हें राहत पाने का कोई अधिकार नहीं है। इस पर कोर्ट ने पुलिस से विवेचना की प्रगति रिपोर्ट मांगी है।

लेटे हनुमान मंदिर पर किया गया भव्य भंडारे का आयोजन

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। शनिवार को संगम तट पर लेटे हनुमान मंदिर पर किया गया भंडारे का आयोजन। जिला संरक्षक पत्रकार विकास परिषद प्रयागराज के विरेन्द्र सिंह ने किया भव्य भंडारा प्रसाद ग्रहण करने के लिए भक्तों का लगा रहा तांता करीब 4 हजार लोगों ने प्रसाद को ग्रहण किया भंडारे का भोग महाबलेश्वर हनुमान जी को लगाकर प्रसाद भंडारे का आयोजन किया गया विरेन्द्र सिंह जिला संरक्षक पी.वी.पी.भारत ने शुरू कराया और करीब 10 बजे रात्रि तक भंडार चलता रहा इस अवसर पर स्नेहा ममता धीरेंद्र सिंह प्रियांशु सिंह दिव्यांशु सिंह शिवानी जयसवाल कौसलेश विनोद संतोष वह काफी संख्या में सदस्य उपस्थित रहे।

रिटायर्ड महिला अफसर का कातिल पकड़ा गया

बेटे को भी मारने की थी साजिश

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। धूमनगंज थाना क्षेत्र के आनंदपुरम कॉलोनी में हुई बुजुर्ग महिला कुसुमलता की हत्या का राज करीब करीब पुलिस ने खोल दिया। माध्यमिक शिक्षा परिषद बोर्ड से सेवानिवृत्त महिला अफसर कुसुमलता की हत्या घर के सामने रहने वाले शख्स ने ही है। जो नकाबपोश घर में घुसा था पुलिस ने उसे पकड़ लिया है। सबसे अहम तो यह की कुसुमलता के साथ ही हमलावर उसके बेटे सौरभ श्रीवास्तव उर्फ पिंटू की हत्या की साजिश भी रचे थे। पिंटू उस वक्त घर में नहीं था इसलिए वह बच गया। महिला के सिर पर वार कर उसकी हत्या करने वाले युवक को पुलिस ने पकड़ लिया है। उससे पूछताछ हो रही है। आज रविवार को इस हत्याकांड से पुलिस पर्दा उठा देगी। असल में इस हत्याकांड के राज सीसीटीवी की फुटेज से खुल गए। घर से लेकर सड़क तक के सीसीटीवी फुटेज में चेहरा ढके नकाबपोश नजर आ गया। बदमाश कुसुमलता के घर के अंदर जाते और निकलते नजर आ गया। उसका एक साथी बाहर ही खड़ा था। कद, काठ के आधार पर पुलिस जांच में जुटी थी। पड़ोसियों से पूछताछ में एक बात यह निकल कर आई कि महिला के बेटे से सामने रहने वाले एक परिवार की खुन्नस थी। मामला किसी लड़की को लेकर था। इस आधार पर पुलिस ने नकाबपोश की पहचान कर ली। फुटेज से ही साफ हुआ कि सुबह करीब 11.30 बजे मुंह पर गमछा लपेटे एक युवक कुसुमलता के घर के अंदर जाता है। नकाबपोश सफेद रंग की शर्ट पहन रखा था व मुंह गमछे से बांध रखा था। काले रंग की पैंट पहनी थी। करीब पांच मिनट अंदर रहने के बाद वह वापस बाहर आता है। थोड़ी देर बाद वहीं युवक घर का दरवाजा खोल फिर से अंदर जाता है। इस बार वह करीब पचास मिनट तक रहता है। यह नकाबपोश शख्स वहीं का रहने वाला है जो अब पुलिस की पकड़ में है।

शिक्षक करेंगे प्रदर्शन, टीचर्स की समस्याओं को दूर करने का उठाएंगे मुद्दा

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। प्रदेश भर के शिक्षकों की समस्याओं को दूर करने की मांग को लेकर 24 जून शिक्षक प्रयागराज में गरजेंगे। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ (एकजुट) के आह्वान पर प्रदेश के सभी जनपदों से शिक्षक यहां आ रहे हैं। जिलाध्यक्ष मो. जावेद की अध्यक्षता में आज रविवार को बालसन चौराहे पर स्थित पार्क में बैठक हुई यहां धरने को लेकर तैयारी की गई। यह धरना माध्यमिक शिक्षा निदेशक उत्तर प्रदेश के प्रयागराज स्थित कार्यालय पर होगी।बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश संरक्षक डॉ. हरि प्रकाश यादव ने बताया कि 14 मार्च 2024 को पूरे प्रदेश के शिक्षकों ने शिक्षा निदेशक के कार्यालय पर ऐतिहासिक धरना दिया था।

शिक्षा निदेशक ने दिया था आश्वासन : डॉ. हरिप्रकाश ने कहा कि उस समय संगठन के साथ हुई बैठक में शिक्षा निदेशक ने विद्यालयों का राजकीयकरण करने, उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड के खत्म होने के पश्चात शिक्षकों की सेवा सुरक्षा से संबंधित निरसित हुई

धाराओं 12, 18 व 21 को पुन बहाल करने, ऑनलाइन स्थानांतरण शुरू करने, सिटिजन चार्टर 45 दिन में लागू करने, बोर्ड परीक्षा की कापियों के मूल्यांकन का पारिश्रमिक बढ़ाने सहित अन्य बिंदुओं पर लिखित आश्वासन दिया था लेकिन वह आश्वासन आज तक पूरा नहीं हुआ जिसके कारण पूरे प्रदेश के शिक्षकों मे भारी रोष व्याप्त है।

लंबित समस्याओं के शीघ्र निस्तारण कराने की होगी मांग :

डॉ. हरिप्रकाश यादव ने कहा कि कल सोमवार को 10 बजे से शिक्षा निदेशालय प्रयागराज पर विशाल धरना होगा जिसमें प्रदेश के सभी शिक्षक संगठनों के बड़ी संख्या में शिक्षक, शिक्षिकाएं शामिल होकर अपनी बात रखेंगे। प्रदेश सरकार से शिक्षकों की लंबित समस्याओं के शीघ्र निस्तारण की मांग करेंगे। प्रदेश महामंत्री राजीव यादव व प्रदेश उपाध्यक्ष उपेंद्र वर्मा ने शिक्षकों से अधिक से अधिक संख्या में धरने में पहुंचने की अपील की। संचालन जिला मंत्री देवराज सिंह ने किया।बैठक में सुरेंद्र प्रताप सिंह, तीर्थराज पटेल, प्रमोद पाल, सुरेश पासी, मिथिलेश मौर्य, लक्ष्मी नारायण सिंह, हरिशंकर, राकेश यादव, आशीष गुप्ता, विजय यादव, नरेंद्र प्रताप सिंह, अरुण सिंह, अशोक सिंह, डीपी यादव, दिनेश यादव, राकेश यादव, प्रकाश जायसवाल, डॉ राजेश सिन्हा, लालमणि यादव, रविंद्र यादव व अन्य रहे।

श्रमिक कॉलोनी के आवासों की बिक्री प्रक्रिया शुरू करने की मांग

मालिकाना अधिकार के लिए धरना विरोध प्रदर्शन जारी

अखंड भारत संदेश

नैनी। नैनी श्रमिक कालोनियों के आवासों का मालिकाना अधिकार दिए जाने की मांग को लेकर श्रमिक बस्ती, नैनी स्थित मानस पार्क में आज कॉलोनी के निवासियों ने धरना विरोध प्रदर्शन करते हुए जुलूस निकाला, नारेबाजी की और मालिकाना अधिकार दिए जाने हेतु सरकार से बिक्री प्रक्रिया शुरू करने की मांग की गई। श्रमिक बस्ती समिति द्वारा धरना स्थल पर आयोजित सभा को संबोधित करते हुए समिति के महासचिव विनय मिश्र ने कहा कि श्रमिक बस्ती के आवासों में पिछले 60 से 70 वर्षों से लोग रह रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव के कार्यकाल में श्रमिक बस्ती के आवासों की बिक्री प्रक्रिया शुरू की गई थी। लेकिन उत्तर प्रदेश श्रम विभाग के अधिकारियों ने रोक दिया। अन्य राज्यों के श्रम विभागों ने वहां की कालोनियों का मालिकाना अधिकार उसमें रहने वालों लोगों को दे दिया है। लेकिन उत्तर प्रदेश श्रम विभाग पिछले 43 वर्षों से इस मामले को लटकाए हुए हैं। जिसकी वजह से उत्तर प्रदेश के नैनी, प्रयागराज, लखनऊ, कानपुर, गाजियाबाद समेत कई जिलों में स्थित श्रमिक कॉलोनी के आवासों में रहने वाले लाखों लोग संशय की स्थिति में जी रहे हैं। महासचिव विनय मिश्र ने कहा कि प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री समेत संबंधित मंत्रियों और अधिकारियों को पिछले हफ्ते रिमाइंडर पत्र भेजा गया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष मोहम्मद शाहिद ने की। नंद किशोर मिश्र, उमानंद मिश्र, सभाजीत यादव, जगबरन सिंह, शिशु त्रिपाठी, लक्ष्मी नारायण गोपाल,ओमप्रकाश सिंह, सत्येंद्र यादव, अरुणा पांडे, अंजू गुप्ता, माया देवी, शारदा सिंह, कमला देवी, फूल कुमारी, आरती कुशवाहा, अल्का मिश्रा, पुष्पराज सरोज, पुष्पा राय आदि रहे।

अरैल के गंगा तट पर स्वच्छता अभियान चलाया गया

एक कदम स्वस्थ भारत की ओर , कुंवर जी तिवारी

अखंड भारत संदेश

नैनी। नैनी अरैल में रविवार को सरस्वती सामाजिक सेवा संस्थान ने अरैल के नये पक्के घाट के गंगा तट पर कार्यक्रम अधिकारी धीरज राजवानी के नेतृत्व में आषाढ़ महीने के पवित्र दिवस पर स्वच्छता अभियान चलाकर लोगों को जागरूक करते हुए पालीथीन मुक्त जनजागरण अभियान चलाया। संस्था के पदाधिकारी सुनील मिश्रा ने कहा कि हम सभी प्रत्येक महीने के दूसरे एवं चौथे रविवार को स्वच्छता का संदेश देकर आमजन मानस को जागरूक करते रहते हैं।जिसका प्रभाव लोगों पर कुछ न कुछ अवश्य पड़ रहा है। स्वच्छ भारत मिशन नगरीय और नगर निगम प्रयागराज द्वारा संस्था सरस्वती सामाजिक सेवा संस्थान पर एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म को फिल्मांकन के माध्यम से भारत पटल पर प्रसारित करने की योजना से शूटिंग की गयी। नगर निगम प्रयागराज के संयोजन नीलकंठ ग्रुप की ओर से कृष्ण कुमार मौर्य के निर्देशन में स्वच्छता पर नुक्कड़ नाटक का मंचन किया गया। जिसमें प्रतिभाग करने वाले कलाकार अजय कुमार, अरविंद यादव, नम्रता सिंह, मिथिलेश कुमार रहे कार्यक्रम में कुंवर जी तिवारी, धीरज यादव, सहदेव चौरसिया, सुनील कुशवाहा, आत्म प्रकाश यादव, बभ्रुवाहन सिंह, ओम प्रकाश श्रीवास्तव, विनोद गुरानी,शिव शंकर त्रिपाठी, सौरभ यादव, उज्जवल यादव, गौरव यादव, तुलसी तिवारी, अंशी मौर्य आदि उपस्थित रहे।

परीक्षाओं की शुचिता के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं : कुलपति

कुलपति ने चलाया चाबुक, नकल की शिकायत मिली तो निरस्त होंगे परीक्षा केन्द्र

राजकीय पीजी कॉलेज हमीरपुर के परीक्षार्थी अब कानपुर क्षेत्रीय केंद्र पर देंगे परीक्षा

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की प्रदेश भर में चल रही परीक्षाओं की शुचिता के साथ किसी भी स्थिति में खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हमीरपुर के एक परीक्षा केंद्र पर प्राचार्य और केन्द्र समन्वयक में आपसी समन्वय के अभाव में केंद्र पर कथित एवं भ्रामक नकल की सूचना का गंभीरता से संज्ञान लेते हुए कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय की परीक्षाओं को गंभीरता से न लेने वाले ऐसे परीक्षा केन्द्रों को तुरंत निरस्त किया जाएगा।

प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय पूरे प्रदेश में पारदर्शिता पूर्ण ढंग से परीक्षा कराये जाने के लिए संकल्पबद्ध है। मुक्त विश्वविद्यालयीय व्यवस्था में लंबा प्रशासनिक अनुभव रखने वाले प्रोफेसर सत्यकाम ने अभी कुछ दिनों पूर्व ही उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति का पद का दायित्व ग्रहण किया है । इसके पूर्व प्रोफेसर सत्यकाम इग्नू में प्रतिकुलपति के पद पर कार्यरत थे। मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति का पद भार ग्रहण करते ही सख्त प्रशासक के रूप में अपनी पहचान रखने वाले प्रोफेसर सत्यकाम ने अपना सारा ध्यान नकलविहीन पारदर्शितापूर्ण परीक्षा के संचालन पर फोकस किया है। उन्होंने स्वयं प्रयागराज के सुदूरवर्ती क्षेत्र में स्थित कई परीक्षा केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया और परीक्षा की कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश परीक्षा नियंत्रक को दिए हैं। प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि दूरस्थ शिक्षा की उपयोगिता पूरे देश में बहुत तेजी के साथ बढ़ रही है। परंपरागत शिक्षण संस्थानों की अपेक्षा मुक्त विश्वविद्यालय में लोग भारी संख्या में

नामांकित हो रहे हैं। इसका प्रमुख कारण दूरस्थ शिक्षा व्यवस्था में नियमित उपस्थिति की अनिवार्यता नहीं है। दूरस्थ शिक्षा का लक्ष्य लोगों को घर तक शिक्षा उपलब्ध करवाना है । इसी के मद्देनजर पूरे उत्तर प्रदेश में परीक्षा केन्द्रों का निर्धारण कर परीक्षाएं संपन्न कराई जा रही हैं। उत्तर प्रदेश में नकल विहीन एवं पारदर्शितापूर्ण परीक्षा आयोजित करवाने के लिए पर्यवेक्षकों एवं उड़ाका दल का गठन किया गया है। प्रोफेसर सत्यकाम ने सभी परीक्षा केंद्रों के केन्द्राध्यक्षों को स्पष्ट निर्देश दिया है कि परीक्षा की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। केन्द्राध्यक्ष परीक्षा के दौरान परीक्षा केंद्रों पर सभी कक्षों की निरन्तर निगरानी करते रहें तथा सीटिंग प्लान के अनुसार परीक्षार्थियों के बैठने की व्यवस्था करें। सभी कक्षों में पर्याप्त हवा, प्रकाश एवं शीतल जल की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। सभी परीक्षा केंद्रों पर परीक्षार्थियों के मोबाइल जमा कराने के लिए विशेष व्यवस्था की जाय। उन्होंने मुक्त विश्वविद्यालय के प्रदेश में स्थित 12 क्षेत्रीय केन्द्रों प्रयागराज, लखनऊ, वाराणसी, गोरखपुर, बरेली, अयोध्या, झांसी, कानपुर, आगरा,मेरठ, गाजियाबाद तथा आजमगढ़ के केंद्र समन्वयकों से भी परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण कर उसी दिन रिपोर्ट देने के निर्देश दिए। उन्होंने हमीरपुर के परीक्षा केंद्र की मीडिया में आई खबरों का संज्ञान लेते हुए कहा कि इस प्रकरण के उच्च स्तरीय जांच के आदेश दे दिए गए हैं। प्रोफेसर सत्यकाम ने इस बात पर चिंता वक्त की कि कतिपय समाचार पत्रों ने विश्वविद्यालय का पक्ष प्रकाशित किए बिना विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा को धूमिल करने का प्रयास किया। प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि दूरस्थ शिक्षा आज टेक्नोलॉजी पर आधारित है। तकनीकी आधारित शिक्षण व्यवस्था से विश्वविद्यालय छात्रों को नई-नई सुविधाएं प्रदान कर रहा है, ऑनलाइन स्मार्ट क्लास से यहां के छात्र काफी दक्ष होकर निकलेंगे। आने वाले वर्षों में उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय देश के अग्रणी मुक्त विश्वविद्यालयों में शुमार होगा। इधर विश्वविद्यालय ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक की सूचनानुसार कुलपति के आदेश पर राजकीय महाविद्यालय, हमीरपुर परीक्षा केंद्र में संचालित परीक्षायें अग्रिम आदेश तक स्थगित कर दी गई हैं। इस केन्द्र के सभी परीक्षार्थी 24 जून से क्षेत्रीय केंद्र कानपुर स्थित परीक्षा केंद्र पर परीक्षा देंगे।

न्यूज झरोखा

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का पुण्यतिथि मनाया गया

नैनी। नैनी अरैल क्षेत्र में बलिदान दिवस के रूप में डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी का पूर्ण तिथि के शुभ अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता भारतीय जनता पार्टी सांसद प्रत्याशी पंडित नीरज त्रिपाठी मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में मौजूद थे इस अवसर पर सर्वप्रथम पंडित नीरज त्रिपाठी ने श्रद्धे डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण अर्पित कर दीप प्रचलित कर कार्यक्रम का प्रारंभ किया इस अवसर पर नीरज त्रिपाठी ने कहा आज सच्ची श्रद्धांजलि हम लोग दे रहे हैं जिनका सपना डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी की कथ जिन्होंने धारा 370 समाप्त करने के लिए अपने मंत्री पद से इस्तीफा दिया एवं कश्मीर में इसका विरोध करते हुए उनको जेल जाना पड़ा और जेल में ही उनका बलिदान कर दिया गया आज हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में धारा 370 समाप्त करके उनको सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित किया है। इस अवसर पर जिला जमुना पार महामंत्री राजेश शुक्ला काशी क्षेत्र उपाध्यक्ष रमाकांत विश्वकर्मा सोमेश्वर नाथ मंडल अध्यक्ष नागेश निषाद पूर्व अध्यक्ष बृजेश पांडे राम लखन विश्वकर्मा राजू शुक्ला वरिष्ठ पार्षद मयंक यादव सेक्टर प्रभारी प्रदीप तिवारी ओमप्रकाश श्रीवास्तव आशीष कुमार पांडे गीता श्रीवास्तव विद्या सिंह अनुराधा सैकड़ो की संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे कार्यक्रम का संचालन संजय श्रीवास्तव पूर्व कनिष्ठ ब्लॉक प्रमुख ने किया।

भारद्वाज पार्क में आयोजित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर महापौर ने वृक्षारोपण का किया शुभारम्भ

प्रयागराज। भाजपा भारद्वाज मंडल के द्वारा भारद्वाज पार्क में आयोजित डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस के अवसर पर महापौर गणेश केसरवानी ने एक वृक्ष मां के नाम से वृक्षारोपण का शुभारंभ किया इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष अनिल भट्ट गणेश वर्मा राजेश केसरवानी डॉक्टर एलएस ओझा, पार्षद आशीष द्विवेदी एवं भारद्वाज मंडल के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

स्मार्ट सिटी की पोल खोल दी मंत्री जी के बगल में पानी के लिए तरस रहे हैं लोग ...

प्रयागराज। बहादुरगंज में 15 दिनों से पानी नहीं आ रहा है मोहल्ले के लोग परेशान दूसरे मोहल्ले से महिलाएं पानी भरने को मजबू एक तरफ मंत्री नंद गोपाल गुप्ता जी का मकान दूसरी तरफ मोहल्ले के लोग बिन पानी के रहने को मजबूर कांग्रेस नेता इरशाद उल्ला ने कहा उत्तर प्रदेश सरकार ने इलाहाबाद को स्मार्ट सिटी घोषित कर रखा है वही पुराना मोहल्ला बहादुरगंज में आज 15 दिनों से पानी नहीं आ रहा है यहां के लोगों पानी के लिए बहुत परेशान हो रहे हैं इस भीषण गर्मी में पानी का ना आना और लोगों को पानी के लिए परेशान होना नगर निगम जल संस्थान नगर आयुक्त मेयर सुनने को तैयार नहीं घरों की महिलाएं पीने का पानी दूसरे मोहल्ले से लेकर आ रही हैं मोहल्ले के लोगों ने कई बार जल संस्थान में शिकायत की और मेयर को भी लिखित में दिया अभी तक पानी की किल्लातों को दूर नहीं किया गया। इरशाद उल्ला , असद जिया, साइना,अरजुमन, नस्शो ,सकीना, तबस्सुम, चांद, चुनने, कलीम, अजीज, असलम, फुल, गनी, पीरु, बाबूलाल, अतिमा, आदि लोग मौजूद रहे

दुष्कर्म का आरोपी चाचा बरी, झूठी रिपोर्ट दर्ज कराने वाले चचेरे भाई पर चलेगा मुकदमा

प्रयागराज। जिला अदालत ने नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी चाचा को बरी कर दिया। साथ ही झूठी एफआईआर दर्ज कराने वाले पीड़िता के चचेरे भाई के खिलाफ मुकदमा चलाने का आदेश दिया है। यह फैसला पॉक्सो एक्ट की विशेष न्यायाधीश कुमारी अनीता की अदालत ने सुनाया। मामला वर्ष 2016 का है।प्रयागराज के सोरांव थाना क्षेत्र के पिडोरिया गांव में रहने वाली सात साल की पीड़िता के ताऊ के बेटे ने परिवार के ही चाचा के खिलाफ दुष्कर्म और जान से मारने की धमकी देने की एफआईआर दर्ज कराई थी। आरोप लगाया था कि चाचा ने उसकी चेचरी बहन को भूसे वाले कमरे में खींच लिया और दुष्कर्म किया। पीड़िता के शोर मचाने पर वह मौके से धमकी देते हुए भाग निकला। पुलिस ने मामले की विवेचना के बाद पॉक्सो अधिनियम के साथ ही दुष्कर्म का आरोप पत्र अदालत में दाखिल किया। आठ साल चले ट्रायल के दौरान पीड़िता और उसकी मां ने घटना से इन्कार कर दिया।मां ने बताया कि उसके जेठ और आरोपी के बीच रास्ते को लेकर विवाद था। इस कारण जेठ के बेटे ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। कोर्ट ने आरोपी चाचा को आरोप से दोषमुक्त कर दिया। साथ ही झूठी एफआईआर दर्ज कराने के वाले पीड़िता के चचेरे भाई के खिलाफ मुकदमा चलाने का आदेश दे दिया।

मकान कब्जे को लेकर दो पक्षों में जमकर मारपीट

झूंसी। स्थानीय थाना क्षेत्र के बंधवा ताहीरपुर में एक मकान के कब्जे को लेकर दो पक्षों में शनिवार की रात जमकर मारपीट हुई इस दौरान तोड़फोड़ व लूट का भी आरोप है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। बंधवा ताहीरपुर की मन्नी देवी ने पुलिस से लिखित शिकायत करते हुए बताया कि उसके पाटीदार उसके पुश्तैनी मकान को कब्जा करना चाहते हैं उसी नियत से पड़ोसी शनिवार की रात अपने परिजनों के साथ उसके घर पर चढ़ आये। विरोध करने पर मन्नी देवी के बेटे हनुमन्त को लाठी, डंडे से जम कर पीटा घर मे खड़ी दो बाइक व घरेलू सामान में भी तोड़फोड़ की गई आरोप है कि इस दौरान 50 हजार रुपये और सोने के जेवरात भी आरोपियों ने लूट लिया। थाना प्रभारी उपेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि दोनों ओर से तहरीर मिली है जांच की जा रही है।

विष्णु भगवान स्कूल और प्रयाग क्लब ने जीते मैच

प्रथम स्वर्गीय हाफिज गजनफर उल्ला स्मृति अंडर-12 क्रिकेट : शिवांश का प्रदर्शन व्यर्थ

प्रयागराज। विष्णु भगवान पब्लिक स्कूल और प्रयाग क्लब ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर प्रथम स्वर्गीय हाफिज गजनफर उल्ला स्मृति अंडर-12 क्रिकेट प्रतियोगिता में पूरे अंक प्राप्त किये। एमआईसी मैदान पर रविवार को खेले गए पहले मैच में 25 ओवर में 5 विकेट पर 155 रन (सूरज द्विवेदी 32, तन्मय यादव 30, तेजवंश चौधरी 23, सोम 2/34) बनाकर होटल रामा कॉन्टिनेंटल को 21.2 ओवर में 109 रन (ओम 22, कुशाग्र 11, तेजवंश चौधरी 2/05, रुद्र प्रकाश सिंह 2/21) पर समेट दिया। तेजवंश चौधरी को मैन ऑफ दि मैच चुना गया। दूसरे मैच में एमआईसी ने 25 ओवर में एमआईसी ने 25 ओवर में 5 विकेट पर 151 रन (शिवांश गुप्ता 50, मुबारक 26, आरुष पाल 14 नाबाद, उमर खान 12, नरहरि दीक्षित 3/32, शुभ निषाद 2/27) बनाये। जवाब में प्रयाग क्लब ने 21.5 ओवर में 7 विकेट पर 153 रन (निशांत चतुर्वेदी 28 नाबाद, मोहम्मद अली 28, नरहरि दीक्षित 22, शिवांश गुप्ता 2/30, अंश कुमार, आरुष पाल, उमर खान एक-एक विकेट) बना लिए। नरहरि दीक्षित को मैन ऑफ दि मैच चुना गया।

अभविप ने नीट परीक्षा में अनियमितता पर जिला कलेक्ट्रेट पर किया विरोध प्रदर्शन

कड़ी कार्यवाही किये जाने की मांग

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। नीट परीक्षा में अनियमितता को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया और उन्होंने कड़ी कार्यवाही किये जाने की मांग की। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद काशी प्रान्त सह मंत्री सुधांशु रंजन मिश्रा ने बताया कि पिछले कई दिनों से एनटीए द्वारा आयोजित परीक्षाओं में भारी अनियमितताएं देखने को मिल रही हैं। नीट की परीक्षा में अनियमितता के बाद अब यूजीसी नेट की परीक्षा का बीते दिन रद्द होना एनटीए

नीट परीक्षा में अनियमितता को लेकर विरोध प्रदर्शन करते अभविप पदाधिकारी

जैसी सरकारी संस्था के ऊपर बड़ा प्रश्न चिन्ह खड़ा करता है, जोकि अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण एवं छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाला विषय है।

बबाता दें कि इस वर्ष विश्वविद्यालयों में पीएचडी हेतु प्रवेश भी यूजीसी नेट स्कोर के माध्यम से होने थे। परीक्षा रद्द होने से पीएचडी प्रवेश के अभ्यर्थियों के मन में भी गहरी शंकाएं उत्पन्न हो गई हैं। अभाविप ने शिक्षा मंत्रालय से मांग करते हुए कहा है कि इस संबंध में संबंधित एजेंसियों को स्थिति शीघ्र स्पष्ट करनी चाहिए जिससे पीएचडी के अभ्यर्थियों का भी किसी प्रकार से नुकसान न होने पाए, तथा परीक्षा पूर्णतया निष्पक्ष एवं पारदर्शी हो यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए। जिला संयोजक शुभम ने कहा कि परीक्षाओं में लगातार अनियमितताओं की घटनाएं विचलित करने वाली एवं दुर्भाग्यपूर्ण हैं जो न केवल एनटीए जैसी परीक्षा एजेंसियों की क्रेडिबिलिटी पर प्रश्न चिन्ह खड़ा करती है बल्कि छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाली हैं। यह स्थिति किसी भी प्रकार से स्वीकार्य नहीं है। बीते दिन यूजीसी नेट की परीक्षा का रद्द होना, यूजीसी नेट के अभ्यर्थियों के साथ-साथ पीएचडी प्रवेश की तैयारी करने वाले अभ्यर्थियों का भविष्य भी अधर में डालने वाला है। अभाविप शिक्षा मंत्रालय एवं संबंधित एजेंसियों से इस संबंध में स्थिति को त्वरित रूप से स्पष्ट करने की मांग करती है, ताकि छात्रों के मन में अपने भविष्य को लेकर व्याप्त गहरी शंकाएं दूर हो सकें। अभाविप यह मांग करती है कि लगातार होने वाली इस प्रकार की अनियमितताओं की जांच सीबीआई से करवानी चाहिए एवं दोषियों को कठोर दंड सुनिश्चित करना चाहिए। विरोध प्रदर्शन के दौरान अभिनव श्रीवास्तव, नमन श्रीवास्तव, वैभव राजपूत, सुशांत राजपूत, सुमित पांडेय, अमन तिवारी, सुमित मिश्रा, सहवाग, देवांश सिंह, अहम शुक्ला, शुभ सिंह, रोहित पांडेय, राज पाल, आशीष शर्मा, हर्ष सिंह, आयुष द्विवेदी, सविता गौतम, शालू गौतम आदि मौजूद रहे।

राजा अनिल प्रताप सिंह मिले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से

मुख्यमंत्री ने राजा अनिल से चुनाव के बाद की स्थिति पर की चर्चा

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। भारतीय जनता पार्टी के नेताओं से प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लोकसभा चुनाव व उसके बाद की स्थिति की जानकारी ले रहे हैं। इसी क्रम में प्रतापगढ़ के भाजपा के वरिष्ठ नेता राजा अनिल प्रताप सिंह प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिले तो उनसे मुख्यमंत्री ने प्रतापगढ़ के चुनाव के बाद की स्थिति पर चर्चा की।

बता दें कि प्रतापगढ़ में अनुप्रिया पटेल और भाजपा प्रत्याशी संगम लाल ने प्रचार के दौरान कुछ वक्तव्यों से भाजपा को काफी नुकसान हुआ है जिसकी वास्तविक

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात करते भाजपा नेता राजा अनिल प्रताप सिंह।

जानकारी मुख्यमंत्री भाजपा के स्थानीय वरिष्ठ नेताओं से ले रहे हैं। इसके अलावा भाजपा को इस बार प्रत्याशियों की वजह से बड़ा नुकसान झेलना पड़ा है। मुख्यमंत्री आदित्यनाथ की प्रशासनिक व्यवस्था के सभी कायल हैं। उन्होंने उत्तर प्रदेश को आगे ले जाने में जहां कोई कोर कसर नहीं छोड़ी, वहीं कानून व्यवस्था से उन्होंने कभी कोई समझौता नहीं किया। चुनाव के बाद भी कानून व्यवस्था में जहां कोई गड़बड़ी हुई, प्रशासन ने सख्ती से अपना काम किया। इन बातों का भी अनिल प्रताप सिंह ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह को पूर्व मंत्री ने पुष्प गुच्छ देकर किया सम्मानित

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश शासन के पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेंद्र प्रताप सिंह उर्फ मोती सिंह ने देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की। भारतीय जनता पार्टी की तीसरी बार केंद्र में सरकार बनने पर इस बार भी फिर से राजनाथ सिंह को लखनऊ से तीसरी बार सांसद बनने पर और दूसरी बार रक्षा मंत्री बनने पर पूर्व कैबिनेट मंत्री मोती सिंह पुष्पगुच्छ भेंट कर बधाई दी। पूर्व कैबिनेट मंत्री मोती सिंह ने बताया कि राजनाथ सिंह से सर्वाधिक सरल और उदारवादी नेता हैं। हर समाज की समस्याओं को लेकर वे हमेशा संजीदा रहते हैं। जब भी कोई नेता उनके पास किसी समस्या को लेकर जाता है उसका तत्काल निराकरण कराते हैं। इस दौरान वर्तमान राजनीतिक मुद्दों पर भी बातचीत हुई।

रक्षामंत्री राजनाथ को पुष्प गुच्छ अर्पित करते पूर्व मंत्री राजेन्द्र प्रताप सिंह मोती

अफसरों से इंसाफ की गुहार, पुलिस पर लीपापोती का आरोप

लालगंज, प्रतापगढ़। किशोरी को अपहृत कर ले जाने की घटना में पुलिस द्वारा ग्यारह दिन बाद भी कार्रवाई न करने से पीड़ित परिवार परेशान है। पीडित ने मामले की शिकायत उच्चाधिकारियों से करने की बात कही है। लालगंज कोतवाली के एक गांव के पीड़ित ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि ग्यारह जून को उसकी सोलह वर्षीया पुत्री को शादी का झांसा देकर लीलापुर थाने के एक गांव का युवक कहीं भगा ले गया। मामले की जानकारी होने पर जब पीड़ित ने फोन पर आरोपी परिवार के लोगों से बात की तो लोगों ने गाली देते हुए मारपीट पर अमादा हो गये। घटना की तहरीर पीडित ने पुलिस को दी लेकिन जांच के नाम पर पुलिस कार्रवाई में हीलाहवाली कर रही है। दरोगा भुवाल सिंह का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

मोदी सरकार छात्रों एवं युवाओं के भविष्य के साथ जानबूझकर कर रही खिलवाडः प्रमोद तिवारी

यूपी में हिंसक घटनाओं की बढोत्तरी को बताया चिन्ताजनक

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी ने कहा है कि मौजूदा केंद्र की मोदी सरकार नीट, नेट एवं यूजीसी की परीक्षाएं अथवा अन्य परीक्षाओं में पेपरलीक के जरिए देश के छात्रों एवं युवाओं के भविष्य के साथ जानबूझकर खिलवाड़ कर रही है।

उन्होंने नीट पीजी, यूजीसी नेट, सीएसआरआई नेट जैसी परीक्षाओं के भी रदद होने पर केन्द्र एवं राज्य की भाजपा सरकार पर रविवार को यहां जमकर हमला बोला। राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी

पत्रकारवार्ता में बोलते राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी।

ने कहा कि इस समय केन्द्र एवं प्रदेश की सरकारों में कौन कितने पेपर लीक कराता है इसकी प्रतिस्पर्धा चल रही है। उन्होने सरकार पर पेपरलीक के मसले पर कड़ी विफलता का आरोप लगाते हुए कहा कि इस गोरखधंधे में ऊपर से नीचे तक सभी लोग शामिल हैं और उनकी मिलीभगत से ही पेपरलीक हो रहे हैं। रविवार को विधायक आराधना मिश्रा मोना के कैम्प कार्यालय पर पत्रकार वार्ता में राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी ने मजबूती के साथ ऐलान किया कि पेपरलीक के जरिए युवाओं के भविष्य को अंधकार में झोंके जाने को लेकर कांग्रेस संसद सत्र में यह मुददा जोरदार ढंग से उठायेगी। उत्तर प्रदेश में बरेली, फिरोजाबाद, अलीगढ़ सहित कुछ जिलों में इधर हिंसक घटनाओं की बढोत्तरी को भी राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी ने गंभीर चिन्ता का विषय ठहराया। उन्होने कहा कि सरकार को हिंसा की घटनाओं को रोकने के लिए तत्काल कड़े कदम उठाना चाहिए। इस मौके पर प्रतिनिधि भगवती प्रसाद तिवारी, प्रमुख अमित सिंह पंकज, सांगीपुर प्रमुख अशोक सिंह बबलू, मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल, आशीष उपाध्याय, केडी मिश्र मौजूद रहे।

बलिदान दिवस के रुप में याद किये गये श्यामा प्रसाद मुखर्जी

भाजपाईयों ने चिलबिला में किया गोष्ठी का आयोजन

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। भारतीय जनता पार्टी द्वारा श्यामा प्रसाद मुखर्जी को बलिदान दिवस के रूप में याद किया गया। कार्यक्रम सभी बूथों और मंडलो पर मनाया गया चिलबिला में एक गोष्ठी का आयोजन किया गया गोष्ठी में विधायक सदर राजेंद्र कुमार मौर्य एवं जिला अध्यक्ष आशीष श्रीवास्तव ने सर्वप्रथम चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक सदर ने कहा कि आज भारत में प्रधानमंत्री के अथक परिश्रम से कश्मीर के लिए शहीद होने वाले डॉ श्यामा प्रसाद

श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण करते जिलाध्यक्ष आशीष श्रीवास्तव

मुखर्जी जी को सच्ची श्रद्धांजलि दी जा चुकी है। यह केवल भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता मे ही साहस है आज हम सभी से आग्रह करेंगे कि सरकार इसी प्रकार अनवरत जारी रहे जिससे भारत को 2047 तक भारत विकसित राष्ट्र के रूप में मजबूत होगा। कार्यक्रम में जिला महामंत्री राजेश सिंह, राघवेंद्र शुक्ला, रवि गुप्ता, गजराज सिंह, महावीर पाल, राम आसरे पाल विकास सिंह पंकज सिंह सहित कई महत्वपूर्ण कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के बाद वृक्षारोपण किया गया।

भाजयुमो ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी को अर्पित किये श्रद्धा सुमन

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। भारतीय जनसंघ के संस्थापक, महान शिक्षाविद व प्रखर राष्ट्रवादी विचारक परम पूज्य डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर भारतीय जनता युवा मोर्चा प्रतापगढ़ द्वारा भाजयुमो कार्यालय पर श्रद्धासुमन कार्यक्रम किया गया। जिसमे भाजयुमो जिलाध्यक्ष अंशुमान सिंह ने मुखर्जी जी के बारे मे युवा साथियों को बताया डॉ॰ मुखर्जी इस धारणा के प्रबल समर्थक थे कि सांस्कृतिक दृष्टि से हम सब एक हैं। इसलिए धर्म के आधार पर वे विभाजन के कट्टर विरोधी थे। इस कार्यक्रम मे जिला महामंत्री सुजीत पाण्डेय, जिला मंत्री अविनाश सिंह चन्दन, कोषाध्यक्ष शैलेश मिश्र,ऋषि उपाध्याय, प्रदीप सिंह, चंद्र प्रताप सिंह, नगर महामंत्री राहुल मौर्य, मंडल अध्यक्ष मनीष पाण्डेय सूरज दुबे, अनिल तिवारी एवम आदि युवा साथी मौजूद रहे।

एसपी ने थानाध्यक्षों को किया लाइन हाजिर

प्रतापगढ़। जिले के पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल सख्त हो गये हैं। उन्होंने कार्य में लापरवाही और जनता से अभद्र व्यहार करने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई शुरु कर दी है। एसपी सतपाल अंतिल ने बाघराय में तैनात उपनिरीक्षक सचिन पटेल को लाइन हाजिर कर दिया। वहीं मान्धाता थाने में तैनात कांस्टेबल सत्यम सिंह और कुंडा पीआरबी 112 में तैनात आशीष साहू को कार्य में लापरवाही के चलते लाइन हाजिर किया गया। एक दिन पहले ही कोहड़ौर थानाध्यक्ष प्रीती देवी और मदाफरपुर चैकी इंचार्ज को लाइन हाजिर किया गया। बता दें कि एसपी द्वारा लगातार की जा रही कार्रवाई से पुलिस कर्मियों में हड़कम्प मचा हुआ है।

संदिग्ध दशा में ग्रामीणों ने युवक को दबोचा, जांच में जुटी पुलिस

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। संदिग्ध दशा में शनिवार की देर रात झाड़ी में बाइक देख ग्रामीण सकते में आ गये। इधर चोरी की बढ़ी वारदातों को लेकर ग्रामीण रतजगा कर रहे हैं। ऐसे मे सडक किनारे झाडी में बाइक को देख ग्रामीणों मे चोरी की घटना की आशंका उत्पन्न हो गयी। ग्रामीण भी छिपकर बाइक की नाकेबंदी करने लगे। सांगीपुर थाना क्षेत्र के देउम पूरब गांव के निकट सड़क किनारे एक बाइक झाड़ी में ग्रामीणों को खड़ी दिखी। बाइक को लेकर धीरे धीरे गांव तथा आसपास फुसफुसाहट बढ़ गयी। आशंकित ग्रामीणों ने बाइक को झाडी से हटाकर अन्यत्र ले जाकर छिपकर नाकेबंदी करने लगे। रात करीब दो बजे एक युवक झाडी में खड़ी बाइक को नदारद देख उसकी खोजबीन करने लगा। तभी ग्रामीणों ने हल्ला मचाते हुए उसे दौड़ा लिया। ग्रामीणों के मुताबिक बाइक की खोजबीन बदमाश परेशान भटक रहे थे। ग्रामीणों के चंगुल में बाइक की खोजबीन करने वाला युवक आ गया। चोरी की आशंका में भयभीत ग्रामीणों ने उसकी पिटाई कर दी। सूचना पर सांगीपुर पुलिस पहुंची तब ग्रामीणों ने उसे पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस पिटे युवक को बाइक सहित थाने लेकर चली गयी।

टप्पेबाजों ने एटीएम बदलकर युवक के खाते से 1.68 लाख निकाले

टीएम से पैसा गिनते समय टैप्पे बाजो ने बदल लिया एटीएम

कोहड़ौर थाना क्षेत्र के चदुआ पड़री गांव का मामला

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। एटीएम में पैसा निकालने गए युवक का पीछे खड़े युवकों ने बैंक का एटीएम रखकर उसका एटीएम लेकर चले गए। दूसरे दिन युवक एटीएम से पैसा निकालने के लिए आया तो उसके खाते से एक लाख 68000 रुपए खाते से गायब था। यह देख वह दंग रह गया। और मामले की शिकायत बैंक मैनेजर से की। जांच के बाद पता चला कि उसका एटीएम नहीं है यह दूसरा एटीएम है। प्रार्थी के खाते पर 455 रुपए बचे हुए हैं। कोहंडौर थाना क्षेत्र के चन्दुआ (पंडरी) गांव के रहने वाले विवेक सिंह ने पुलिस को शिकायती प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया है कि मदाफरपुर में स्थित इंडिया वन एटीएम से पैसा निकालने के लिए गया हुआ था। पैसा निकालने के बाद एटीएम के पास वह अपना एटीएम रख दिया था। और पैसा गिनने लगा। इसी बीच पीछे खड़े टप्पेबाज युवकों ने उसका एटीएम बदल दिया और चले गए। युवक पैसा लेकर घर गया दूसरे दिन पैसा निकालने के लिए आया तो उसके एटीएम से सारा पैसा गायब था। यह देख वह आवाक रह गया। और बैंक में जाकर इसकी शिकायत की। जांच के बाद पता चला कि जो वह एटीएम लिया था उसका नहीं था। उसके एटीएम से एक लाख 68000 टप्पेबाज ने एटीएम बदलकर युवक का पैसा निकाल लिए। पीड़ित युवक मामले की शिकायत पुलिस से करते हुए कार्रवाई की मांग की है। पुलिस प्रार्थना पत्र के आधार पर जांच-पड़ताल में जुटी हुई है। मामला क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।

दबंग युवक ने दलित के घर मे घुसकर दी जान से मारने की धमकी

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। नवाबगंज थाना क्षेत्र के कडरौ राजा का पुरवा निवासी नन्द लाल सरोज ने नवाबगंज पुलिस को घटना की दिये गये तहरीर मे आरोप लगाया है कि 20 जून 2024 की रात लगभग साढ़े आठ बजे गांव का आरोपित दबँग पड़ोसी युवक मेरे घर पर आया और गांव की फरार हुई लड़की के बारे में मुझसे दबँगई के बल पर अकारण पूछने लगे जब कि लड़की व परिवार से किसी कोई वास्ता नही है। मेरे इंकार करने पर मुझे भद्दी भद्दी गालियां जाति सूचक शब्द का प्रयोग करते हुए दिया और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दिया। इतना सब कुछ होने के बाद दबँग युवक रविवार की सुबह लगभग 6 बजे मुझे फिर रास्ते मे रोका और फिर मेरे साथ गाली गलौज अभद्रता करते हुए गंदी गंदी गाली देना शुरु कर दिया। दबंग युवक के कारनामें से पीड़ित युवक व परिवार डरा व सहमा हुआ है। पीड़ित परिवार ने पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल से जान माल की सुरक्षा की गुहार लगाते हुए मुकदमा दर्ज करने की मांग की है।

सरकारी तालाब की जमीन पर किए गए अतिक्रमण पर चला तहसील प्रशासन का बुलडोजर

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। सरकारी तालाब की जमीन पर अवैध रूप से किए गए निर्माण को तहसील प्रशासन ने बुलडोजर चलाकर गिरवा दिया।

साथ ही प्रशासन ने पक्के मकान बनाने वालों को खुद से अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए हैं। आपको बता दें पट्टी तहसील क्षेत्र के ओझला गांव में तालाब की जमीन पर अवैध रूप से 12 लोगों ने अतिक्रमण कर निर्माण कर लिया था। तहसील प्रशासन

सरकारी तालाब की जमीन पर हुए अतिक्रमण को हटाता बुल्डोजर।

की जांच में मामला सही पाया गया। जिसके बाद नायब तहसीलदार पवन सिंह पुलिस कर्मियों के साथ ओझला गांव स्थित तालाब पर पहुंचे। यहां मकान के साथ-साथ पशुशाला, टीन शेड व अन्य प्रकार के अतिक्रमण को बुलडोजर चलवा कर गिरवा दिया गया। अतिक्रमण करने वाले कमला प्रसाद, ननकू, चंद्रेश, सत्यनारायण, राम बहादुर, इंद्रेश, बृजेश द्वारा किए गए अतिक्रमण को हटाया गया। वहीं अन्य अतिक्रमणकारियों को स्वयं से अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए गए इस दौरान तहसील प्रशासन की बुलडोजर कार्रवाई से अतिक्रमणकारियों में हड़कंप मचा रहा।

जल निकासी की समस्या से परेशान आदर्श नगर वासी

अखंड भारत संदेश

घरों में प्रवेश कर जाता है बारिश का पानी, जिम्मेदार बेखबर

लालगंज, प्रतापगढ़। आदर्श नगर वासी जल निकासी की समस्या से परेशान है।बारिश का पानी उनके घरों व प्रतिष्ठानों में प्रवेश कर जाता है। जिम्मेदार इस समस्या को लेकर संजीदा नही दिखाई दे रहे है। स्थानीय नगरवासियों की मूल समस्या को देखा जाए तो जल निकासी की है। कई दशक से झेल रहे जल निकासी की समस्या से लोगो को अभी भी छुटकारा पाने की कोई उम्मीद नही दिखाई दे रही है।

मानसून के दस्तक देते ही लोगो के माथे पर चिंता की लकीरें साफ नजर आने लगती है। यहां देखा जाए तो एनएच पर बसे लोगो के लिए जल निकासी की कोई भी समुचित व्यवस्था नहीं है। थोड़ी सी भी बारिश होने पर लोगो के आंगन तक पानी प्रवेश कर जाता है। आम लोगो से लेकर सरकारी संस्थानों के लोग किसी न किसी तरह पानी को बाहर निकालने की व्यवस्था करते है।यह समस्या पूरी बारिश भर चलता रहता है। वहीं घर से लेकर अस्पताल जाना हो या फिर स्कूल हर जगह लोगो को परेशानियों का ही सामना करना पड़ता है। नगर के जिम्मेदार लोग तमाशबीन बने रहते है। बता दें कि उक्त क्षेत्र नगर पंचायत गठन के पूर्व सांगीपुर व शीतलमऊ की ग्राम पंचायतों के हिस्से हुआ करते थे। लोगो के लाख प्रयास के बावजूद ग्राम प्रधान जल निकासी की समस्या को दूर नही कर सके। लगभग सात वर्ष पूर्व जब नगर पंचायत का गठन हुआ तो लोगो की आस को नई दिशा दिखाई देने लगी, लेकिन लगभग सात वर्ष बीतने के बाद भी जल निकासी की समस्या जस की तस बनी हुई है। लोगों की मानें तो उनका कहना है की आखिर शिकायत भी करे तो कहां? कोई भी सुनने को तैयार नहीं है। जल निकासी जैसी समस्या वह भी आदर्श नगर में यह भी एक सोचने की ही बात है।

यदि समय के पहले कोई उपाय न हुआ तो हर वर्ष की भांति इस बार भी नगर वासियों को जल निकासी की समस्या से जूझना पड़ सकता है। इस बाबत ईओ से बात की गई लेकिन कोई जवाब नही मिला।

छेडछाड़ व गालीगलौज को लेकर आरोपी के खिलाफ केस

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। महिला के साथ छेडछाड व गालीगलौज तथा धमकी की घटना को लेकर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। लालगंज कोतवाली के एक गांव की पीडिता ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि सत्ताईस मई की शाम पांच बजे उसका देवर उसके कमरे में घुस आया और बदनीयती से छेडछाड करने लगा। पीड़िता के विरोध करने पर आरोपी द्वारा गाली देते हुए उसे जान से मारने की धमकी भी दी गयी। जांच के बाद पुलिस ने शनिवार की देर शाम आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

चार आरोपियों के खिलाफ मारपीट व धमकी का केस

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। मारपीट गालीगलौज व धमकी को लेकर पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। लालगंज कोतवाली के नेवाज खां खानापटटी गांव निवासी मो. शाहीद पुत्र मो. गुलसेर ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि रंजिश में बीस जून को दोपहर दो बजे गांव के कासिम व निजाम पुत्रगण लाल मोहम्मद व कैसरी बानो पत्नी हासिम तथा शब्बो पत्नी निजाम ने उसके दरवाजे पर पहुंचकर गालीगलौज शुरू कर दिया। पीड़ित के विरोध करने पर आरोपियों ने उसे व उसके परिवार के लोगों को मारापीटा व जान से मारने की धमकी दी। जांच के बाद पुलिस ने रविवार को चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

अज्ञात आरोपी के खिलाफ गालीगलौज का मुकदमा

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। मोबाइल फोन पर गालीगलौज करने को लेकर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। लालगंज कोतवाली के अगई खारा का पुरवा गांव निवासी रवि तिवारी पुत्र अवधेश तिवारी ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि ग्यारह जून की शाम करीब साढ़े सात बजे उसकी पत्नी के मोबाइल पर अज्ञात व्यक्ति ने फोन करके गाली व जान से मारने की धमकी दी। जांच के बाद पुलिस ने शनिवार की देर शाम अज्ञात आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

कौशाम्बी संदेश

सिर चढ़कर बोल रहा भ्रष्टाचार....

निर्माणाधीन पानी टंकी का स्लैब गिरा कई मजदूर घायल

● घटिया निर्माण की लगातार ग्रामीण करते रहे शिकायत लेकिन नहीं जागे अफसर

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। कड़ा धाम थाना क्षेत्र के नगर पंचायत दारानगर कड़ा द्वारा इस्माइलपुर गांव में 9 लाख रुपए की कीमत से पानी टंकी का निर्माण कराया जा रहा था पानी टंकी के निर्माण में लगातार ग्रामीणों द्वारा घटिया निर्माण की शिकायत एसडीएम सिराथू से लेकर जिला अधिकारी तक की जा रही थी लेकिन मामले में जांच के नाम पर केवल लीपापोती होती रही रविवार को निमार्णाधीन पानी टंकी में स्लैब डाला गया स्लैब डालते ही पूरा स्लैब भरभरा कर जमीन पर गिर पड़ा है जिससे निर्माण में लगे कई मजदूर मालवा के नीचे दब गए हैं और गंभीर रूप से घायल हो गए हैं मौके पर चीख पुकार मच गई अफरा तफरी मच गई हादसे में दबे घायल मजदूरों को बाहर निकला गया 2 मजदूरों की हालत गंभीर बताई जाती है जानकारी मिलते ही मजदूर के परिवार के लोग भी मौके में पहुंच गए हैं और जमकर बवाल कर रहे हैं सूचना पाकर घटना स्थलपर एंबुलेंस और पुलिस पहुंची है मौके पर सैकड़ो ग्रामीणों का मजमा लग गया है ग्रामीण लगातार प्रशासनिक व्यवस्था में भ्रष्टाचार का आरोप लगा रहे हैं घायलों को इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल पहुंचाया गया जहां हालत में सुधार न होने पर दिलीप पुत्र जयकरन और मनदीप पुत्र मुन्ना निवासी कुशरयना कड़ा दो घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है एक बार फिर जिले में बढ़ते भ्रष्टाचार पर सवाल खड़े हो गए हैं कि आखिर जांच के नाम पर कब तक अफसर लीपापोती करते रहेंगे जानकारी मिलने के बाद अफसर जिला अस्पताल पहुंचे हैं और घायल मजदूरों का हाल-चाल ले रहे हैं।

प्रताड़ित विवाहिता ने आरोपियों के विरुद्ध दर्ज कराया मुकदमा

कौशांबी। पिपरी थाना क्षेत्र के सेवथा गांव निवासिनी माला देवी पत्नी सुनील यादव शुक्रवार के दिन सुबह लगभग 7:00 बजे अचानक तबीयत खराब हो गई जिस कारण से विवाहिता घर का काम करने में असमर्थ रही लेकिन विवाहिता की सास गंदी-गंदी गालियां देने लगी और इतने में विवाहिता का पति सुनील यादव आकर विवाहिता को मारने लगा जिससे विवाहिता के कई जगहों पर अंदरूनी चोटे आई हैं विवाहिता का पति दहेज के लिए अक्सर विवाहिता के साथ मारपीट किया करता रहा मां और बेटे एक राय होकर कहा की अपने मां-बाप से दहेज और लेकर यहां रहो बार-बार जान से मारने की धमकियां देते हैं विवाहिता के पास डेढ़ साल का एक बच्चा है और 4 महीने का लगभग एक गर्भ में बच्चा पल रहा है मां और बेटे विवाहिता को घर से भगा रहे हैं विवाहिता ने पिपरी थाना में आरोपियों के विरुद्ध तहरीर दी आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर पुलिस जांच पड़ताल में जुट गई है।

पूरे देश में खोजने के बाद थाना क्षेत्र में मिला बालिका का अपहरणकर्ता

दूसरे धर्म की बालिका को साढे तीन महीने से अधिक पूर्व लेकर फरार हुए थे 8 लोग बालिका भी हुई बरामद

कौशाम्बी पिपरी थाना क्षेत्र के मनौरी से एक बालिका को अपहरण करने के मुख्य आरोपी को साढ़े तीन महीने बाद थाना पुलिस ने थाना क्षेत्र के मनौरी से रविवार को गिरफ्तार कर लिया है बालिका के अपहरण के सात अभियुक्तों को थाना पुलिस ने पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है इस अभियुक्त को ढूंढने के लिए थाना पुलिस ने पूरे हिंदुस्तान के विभिन्न प्रांतो मुंबई राजस्थान दिल्ली जयपुर मध्य प्रदेश भिंड आदि का चक्कर काटा लेकिन अपहरण करने वाला युवक पुलिस को नहीं मिल सका था पीड़ित परिवार मुख्यमंत्री से मिला मुख्यमंत्री ने बालिका को बरामद करने आरोपी की गिरफ्तारी करने का निर्देश पुलिस अधिकारियों को दिया मुख्यमंत्री के निर्देश पर पुलिस अधिकारी बालिका के बरामद करने और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए तेजी से सक्रिय हुए पुलिस की सक्रियता के बाद मालूम हुआ कि बालिका का अपहरण कर्ता थाना क्षेत्र में ही मौजूद है अपहरण की गई बालिका को थाना पुलिस ने अजमेर से बरामद कर लिया है और बालिका को मेडिकल चेक अप बयान आदि की कार्यवाही के लिए महिला पुलिस के अभिरक्षा में दिया गया है और आरोपी युवक के विरुद्ध गंभीर कार्यवाही करते हुए उसे अदालत में पेश किया गया है जहां से आरोपी को जेल भेज दिया गया है

अफसर से बदसलूकी के बाद अस्पताल संचालक गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

मौत के बाद दो बार सीज किए गए अस्पताल का ताला तोड़कर संचालकों ने फिर शुरू किया इलाज

कौशांबी अवैध तरीके से संचालित अपंजीकृत प्राइवेट अस्पतालों में इलाज के दौरान लगातार मौत हो रही है होहल्ला मचाए जाने के बाद मौत होने वाले कथित अस्पताल को स्वास्थ्य विभाग सीज कर देता है अस्पताल का पंजीकरण नहीं है कथित चिकित्सको के पास डिग्री नहीं है योग्य चिकित्सक नर्स कंपाउंडर नहीं है लेकिन फिर भी स्वास्थ्य विभाग के रहमोकरम पर दर्जनों बेड लगाकर बिना स्वास्थ्य डिग्री के बने चिकित्सकों द्वारा अस्पताल संचालित किया जा रहा है जहां लगातार मरीजों की मौत हो रही है शिकायत के बाद सुबह अस्पताल सीज किया जाता है और शाम को अस्पताल का ताला तोड़कर या फिर दूसरे गेट से अस्पताल का संचालन फिर शुरू कर दिया जाता है इस मामले में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की भूमिका सवालों के घेरे में जिले में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साठगांठ से यह खेल बेखौफ तरीके से चल रहा है और देखते-देखते अब तक दर्जनों सीज अस्पताल का ताला तोड़कर संचालको द्वारा अस्पताल संचालन किया जा रहा है इसी तरह के एक प्राइवेट हॉस्पिटल संचालक की दबंगई सामने आई है अस्पताल सीलिंग के बाद भी संचालित थी जानकारी मिलने के बाद हॉस्पिटल चेक करने चायल एसडीएम पहुँचे तो संचालकों ने उनसे भी बदसलूकी कर दी फिर क्या था अफसरों का मामला था मामला तूल पकड़ लिया और बदसलूकी करने वाले अस्पताल संचालकों के विरुद्ध आनन फानन में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया पुलिस ने पांच लोगों को हिरासत में लिया। जानकारी के मुताबिक अरमान हॉस्पिटल एवं ट्रामा सेंटर तिल्हापुर में महिला की पथरी के ऑपरेशन के बाद कथित चिकित्सकों की लापरवाही से महिला की मौत हुई थी महिला की मौत के मामले में डीएम के आदेश पर हॉस्पिटल सीज हुआ था लेकिन सीज अस्पताल फिर ताला तोड़कर संचालित कर दिया गया और मनबढ़ अस्पताल संचालकों ने अफसरो से भी बदसलूकी कर डाली जिले में दर्जनों अस्पताल को सीज किए जाने के बाद ताला तोड़ दिए गए हैं लेकिन उसके बाद मुख्य चिकित्सा अधिकारी इस मामले में गंभीर नहीं है उन्हें अपने विभाग की भी मयार्दा का ख्याल नहीं है

प्रयागराज से लौट रहा अप्पे खड़े डीसीएम से टकराया दो घायल

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी फतेहपुर जनपद से सवारी लेकर प्रयागराज गए अप्पे चालक सवारी उतारने के बाद वह प्रयागराज से वापस फतेहपुर जा रहा था जैसे ही अप्पे चालक सैनी थाना के नजदीक साहू पेट्रोल पंप के पास पहुँचा और सड़क पर खड़ी डीसीएम को ओवरटेक करने की अप्पे चालक ने कोशिश की लेकिन सामने से दूसरा वाहन आ जाने के चलते वह डीसीएम को ओवरटेक नहीं कर सका और हड़बड़ाहट में सड़क पर खड़े डीसीएम के पीछे से अप्पे जा भिड़ा इस हादसे में अप्पे में सवार दो लोगों को चोट आई हैं मामले की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे मामले की सूचना पुलिस और एंबुलेंस को दी गई मौके पर पहुंची एंबुलेंस ने घायलों का इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया लेकिन हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने दोनों घायलों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया है मामले की जानकारी घायलों को परिजनों को दे दी गई सूचना मिलने के बाद परिवार के लोग भी अस्पताल पहुंच गए हैं जानकारी के मुताबिक धनराज सिंह उम्र 40 वर्ष पुत्र हीरालाल निवासी रहीमापुर, दौलतपुर जनपद फतेहपुर एवं अमित साहू उम्र 26 वर्ष पुत्र राजकुमार साहू निवासी पक्का तालाब जनपद फतेहपुर अप्पे में सवारी लेकर प्रयागराज शहर छोड़ने गए थे रविवार की सुबह अप्पे चालक अपने साथी के साथ वापस फतेहपुर जा रहा था लेकिन जैसे ही सैनी कोतवाली क्षेत्र के साहू पेट्रोल पंप के पास अप्पे चालक पहुंचा तेज गति अप्पे अनियंत्रित हो गया और ओवरटेक के चक्कर में खड़े डीसीएम से पीछे से भिड़ गया जिससे अप्पे सवार दोनों लोग गंभीर घायल हो गए हैं घायल अवस्था में दोनों को 108 एम्बुलेंस द्वारा सीएचसी सिराथू ले जाया गया जहाँ से प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देखते हुए चिकित्सकों ने जिला अस्पताल मंझनपुर के लिए रेफर कर दिया है

उधारी सामान न मिलने पर दुकानदार को दबंग ने दी जान से मारने की धमकी

नेवादा कौशाम्बी पिपरी थाना के औधन गांव मे एक दुकानदार से उधारी सामान न मिलने पर दबंगो ने मारपीट कर जान से मारने की धमकी दिया है उधारी लेने के बहाने दबंग का लूट का यह खेल लंबे समय से चल रहा है जिससे व्यापारी समुदाय के लोग परेशान है और दबंग पर कार्यवाही नहीं होती है बताया जाता है कि आज की घटना में दबंग का भाई होमगार्ड है जिससे उस पर कार्रवाई होती नहीं दिख रही है घटनाक्रम के मुताबिक पिपरी थाना के औधन गांव मे रामबाबू केशरवानी अपने घर पर एक छोटी से किराना की दुकान खोल रखा है आज दिनांक 23 जून को शाम लगभग 5:30 बजे रामबाबू केशरवानी घर पर नही थे दुकान पर छोटा लड़का सौरभ मौजूद था गांव का ही हीरालाल सरोज पुत्र रामफल दुकान पर आया और उधारी सामान मांगने लगा सौरभ ने उधार नही दिया कहा कि मम्मी पापा घर पर नही हैं आयेंगे तो लेना इतने मे आरोपी हीरालाल आग बबूला हो गया और मम्मी पापा को भद्दी-भद्दी गाली गलौज करने लगा सौरभ ने मना किया तो आरोपी हीरालाल ने सौरभ को गाली गलौज करते हुये लपट गया और मारने का प्रयास किया किसी तरह हो हल्ला सुन मोहल्ले के लोग इकट्ठा हो गये और छुड़ाने का प्रयास किया तब आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुये चला गया रामबाबू केशरवानी के घर आने पर सौरभ ने आप बीती बताया तो उसी समय डायल 112 फोन किया मौके पर पुलिस पहुंची और पुलिस के सामने भी आरोपी ब्यापारी को मारने को आगे बढ़ा पुलिस ने अस्वाशन दिय कि आप तहरीर थाना चौकी मे दे दें इससे पहले भी समान उधार लेने के बहाने लूटपाट का प्रयास आरोपियों द्वारा किया जा चुका है आरोपी का भाई होमगार्ड पद पर है जो दुकानदार के बड़े लड़के को वर्दी का व डंडे का रुतबा दिखा चुका है और आज रविवार को भी मौके पर आकर होमगार्ड ने खरी खोटी सुनाते हुये देख लेने की धमकी दिया क्यों कि यह लोग बीस से पच्चीस के तादात मे हमला करने पहुंच जाते हैं उधारी के बहाने दुकानदारों से लूट करने वाले इन दबंगों पर आखिर कब करवाई होगी जिससे व्यापारी समुदाय आराम से व्यापार कर सके

विशेष संचारी रोग नियन्त्रण अभियान दस्तक अभियान एवं बचाव व नियन्त्रण के सम्बन्ध में हुई बैठक

अखंड भारत संदेश

सभी विभागीय अधिकारियों को कार्ययोजना बनाकर प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करने के डीएम ने दिये निर्देश

कौशाम्बी जिलाधिकारी राजेश कुमार राय द्वारा सीएमओ सभागार में विशेष संचारी रोग नियन्त्रण अभियान एवं दस्तक अभियान तथा संचारी रोगों से बचाव व नियन्त्रण के सम्बन्ध में सम्बन्धित अधिकारियों के साथ बैठक की गई। बैठक में मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 सुष्पेन्द्र कुमार ने बताया कि शासन के निदेर्शानुसार विशेष संचारी रोग नियन्त्रण अभियान दिनांक 01 जुलाई से 31 जुलाई 2024 तक व दस्तक अभियान दिनांक 11 जुलाई से 31 जुलाई 2024 तक संचालित किया जायेंगा। उन्होंने कहा कि संचारी रोंगो तथा दिमागी बुखार पर प्रभावी नियन्त्रण तथा त्वरित एवं सही उपचार सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से है। दस्तक अभियान के तहत आशा एवं ऑगनबाड़ी कार्यकत्री घर-घर जाकर क्षय रोग, कुष्ठ रोग, फाइलेरिया एवं कालाजार आदि रोगों से प्रभावित लोगों की सूचना प्राप्त होने पर उस व्यक्ति का नाम, पता एवं मोबाइल नम्बर सहित सम्पूर्ण विवरण ई-कवच पोर्टल पर डिजिटल अपलोड करेंगी। इसके साथ ही आशा एवं ऑगनबाड़ी कार्यकत्री द्वारा बुखार एवं इन्फ्लुएंजा लाइक इलनेस, कुपोषित बच्चों तथा ऐसे मकानों की सूची जहॉ घरों के भीतर मच्छरों का प्रजनन पाया गया हो, तैयार कर उपलब्ध करायी जायेंगी, जिला मलेरिया अधिकारी डॉ0 अनुपमा मिश्रा ने बताया कि संचारी रोग नियन्त्रण अभियान के तहत विभिन्न विभागों द्वारा कार्य किया जाना है। चिकित्सा एंव स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचारी रोगों तथा दिमागी बुखार केसेज की निगरानी (सर्विलान्स)। फ्रन्ट लाइन वर्कर्स द्वारा उपलब्ध करायी गयी क्षय रोग लक्षणयुक्त व्यक्तियों की सूची में रोगियों के लक्षण के अनुसार क्षय रोग के लिए जॉच की व्यवस्था। दिमागी बुखार एवं अन्य वेक्टरजनित रोगों तथा जल जनित रोगों के विषय में प्रचार-प्रसार एवं व्यवहार परिवर्तन गतिविधियॉ की जायेंगी। इसी प्रकार नगर विकास विभाग द्वारा-नगरीय क्षेत्रों में वातावरणीय तथा व्यक्तिगत स्वच्छता के उपायों, खुले में शौच न करने, शुद्ध पेयजल के प्रयोग तथा मच्छरों की रोकथाम के लिए जागरूकता अभियान संचालित करना। खुली नालियों को ढकने की व्यवस्था, नालियों/कचरों की सफाई करवाना। शहरी क्षेत्रों में फॉगिंग करवाना एवं सड़कों के किनारे उगी वनस्पतियों को नियमित रूप से हटाया जाना आदि कार्यवाही की जायेंगी। पंचायतीराज विभाग/ग्राम विकास विभाग द्वारा-ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राम निगरानी समितियों के माध्यम से दिमागी बुखार एवं अन्य वेक्टर जनित रोगों तथा जल जनित रोगों के विषय में निरन्तर जागरूकता स्थापित करना। ग्राम स्तर पर साफ-सफाई, हॉथ धोना, शौचालय की सफाई तथा घर से जल निकासी के लिए जन-जागरण के लिए प्रचार-प्रसार वीएचएसएनसी के माध्यम से दिमागी बुखार एवं अन्य वेक्टर जनित रोगों तथा जल जनित रोगों के रोकथाम के लिए क्या करें, क्या न करें का सघन प्रचार-प्रसार किया जायेंगा। पेयजल श्रोतों/संसाधनों से शौचालयों की दूरी के उपाय, शौचालयों/सीवर से पेयजल प्रदूषित न होने देने के लिए आवश्यक उपाय, जलाशयों एवं नालियों की नियमित सफाई, ग्रामीण क्षेत्रों में मनरेगा फण्ड से एण्टीलार्वा छिड़काव की व्यवस्था, जल निकासी एवं साफ-सफाई, वाटर सील्ड शौचालयों की आवश्यकता, ग्राम स्तर पर कचरा निस्तारण एवं प्रबन्धन व्यवस्था का विकास एवं सभी संवेदनशील ग्रामों में स्वच्छ भारत अभियान के अन्तर्गत ग्रामों में प्रत्येक मकान में शौचालय का निर्माण कर ग्रामों को खुले में शौच से मुक्त बनाना आदि। पशु पालन विभाग द्वारा-सूकर पालकों को अन्य व्यवसाय जैसे-पोल्ट्री उद्योग, को अपनाने के लिए जागरूक एवं प्रेरित करना, यथासंभव सूकरबाड़े को मानव आबादी से दूर स्थापित करवाना एवं सूकर पालकों को सूकर बाड़े की साफ-सफाई, कीटनाशक छिड़काव एवं मच्छररोधी जाली से ढकने हेतु प्रशिक्षित किया जाना आदि किया जायेगा। बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग-ऑगनबाड़ी कार्यत्रियों के द्वारा अपने क्षेत्र के समस्त कुपोषित तथा अति कुपोषित बच्चों की सूची बनाकर उनको उचित पोषाहार उपलब्ध कराना तथा आवश्यकता होने पर पोषण पुनर्वास केन्द्रों पर उपचार तथा पोषण पुनर्वास के लिए भेजना एवं आशा कार्यकर्त्री द्वारा संचारी रोग नियन्त्रण एवं दस्तक अभियान के लिए क्षेत्र में सम्पादित की जा रही समस्त गतिविधियों एवं गृह भ्रमण में ऑगनबाड़ी कार्यकत्री आशा कार्यकर्त्री के साथ रहते हुए पूर्ण सहयोग प्रदान करना आदि की जायेंगी। शिक्षा विभाग द्वारा-शिक्षकों द्वारा अभिभावकों का दिमागी बुखार एवं अन्य वेक्टर जनित रोगों तथा जल जनित रोगों से बचाव, रोकथाम एवं उपचार के लिए संवेदीकरण किया जायेंगा,छात्रों को दिये गये असाइनमेंट्स, यथा-पोस्टर, निबंध इत्यादि पर अभिभावकों से भी दो पंक्तियों की टिप्पणी लिखने का आग्रह किया जाये दिब्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा-जनपद स्तर पर स्थापित डिस्ट्रिक्ट डिसेबिलिटी रिहैबिलिटेशन सेन्टर का सुदृढ़ीकरण किया जायेंगा, कृषि एवं सिंचाई विभाग द्वारा-जमे हुए पानी में मच्छरों के प्रजनन को रोकने तथा सिंचाई के वैकल्पिक उपायों पर अपनी तकनीकी सलाह देना आदि।

जिलाधिकारी ने सभी सम्बन्धित विभागीय अधिकारियों को शासनादेशानुसार कार्ययोजना बनाकर अपने विभाग से सम्बन्धित कार्यों को नियमित निगरानी करते हुए सम्पादित कराने के निर्देश दियें। कहा कि विशेष संचारी रोग नियन्त्रण अभियन को सफलतापूर्वक क्रियान्वित करने के लिए 25 जून तक सभी आवश्यक कार्यवाही पूर्ण कर लिया जाय। संचारी रोंगो से बचाव के सम्बन्ध में ब्लॉक स्तर पर भी जन-जागरूकता रैली निकालकर व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाय। सभी विभागों से 27 जून तक कार्ययोजना प्राप्त कर लिया जाय। जिला पंचातयराज अधिकारी एवं सभी ई0ओ0 को अपने-अपने क्षेत्र में बेहतर साफ-सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित कराने तथा कहीं पर भी जल भराव न होने देंने आदि कार्यवाही कराने के निर्देश दिये इस अवसर पर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 सुष्पेन्द्र कुमार एवं सीएमएस सुनील कुमार शुक्ला सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

डॉक्टर नर्स करें आराम आशा आंगनबाड़ी पर अतिरिक्त बोझ

कौशाम्बी स्वास्थ्य योजनाओं के प्रचार प्रसार और उनको जमीनी स्तर पर उतारने के लिए चिकित्सक नर्स फार्मासिस्ट स्वास्थ्य कर्मियों की लंबी फौज स्वास्थ्य विभाग में मौजूद है लेकिन चिकित्सक नर्स डियूटी छोड़ आराम करते हैं 80 प्रतिशत स्वास्थ्य कर्मी प्रतिदिन अपनी ड्यूटी स्थल पर उपस्थित नहीं होते फर्जी उपस्थिति पर वेतन मिल रहा है उन पर कार्यवाही नहीं हो रही है शासन की संपूर्ण योजनाओं की जिम्मेदारी आशा और आंगनबाड़ी को सौप दी जाती है जबकि आशा आंगनबाड़ी को इतना मानदेय भी नहीं मिलता कि वह अतिरिक्त कार्य कर सके आखिर कब तक डॉक्टर नर्स आराम करते रहेंगे और आशा आंगनबाड़ी को अतिरिक्त जिम्मेदारी सौपी जाती रहेगी

न्यूज झरोखा

पिता और दो पुत्र पर प्राण घातक हमला

कौशांबी चरवा थाना क्षेत्र के रामनगर गांव में भैरव प्रसाद का लड़का पिंटू ट्रैक्टर लेकर रविवार की सुबह 8:00 बजे गांव से निकल रहा था इसी बीच गांव के कंचन सिंह के परिवार के आधा दर्जन से अधिक लोग लाठी डंडा लोहे का रॉड लेकर पिंटू को घेर लिया और उस पर लाठी डंडे से हमला कर दिया हो हल्ला सुनकर पिंटू का पिता भैरव प्रसाद और भाई पुरुषोत्तम मौके पर पहुंचे जिस पर भैरव और पुरुषोत्तम को भी लाठी डंडे से पीटा गया है इस हमले में भैरव प्रसाद को गंभीर चोटे आई हैं हो हल्ला की आवाज सुनकर गांव के लोगों की मौके पर भीड़ लग गई लोगों ने हमलावरो को ललकार तो जान से मारने की धमकी देते हुए हमलावर फरार हो गए हैं मामले की सूचना थाना पुलिस को दी गई है बताया जाता है कि दोनों परिवार के बीच पूर्व से विवाद चल रहा है और मुकदमे बाजी भी हुई है जिससे दोनों परिवार के बीच रंजिश की स्थिति बनी हुई है इस मामले को यदि गंभीरता से नहीं लिया तो कभी भी बड़ा खून खराबा हो सकता है

दो बाइकों की आमने सामने भिड़ंत, दो गंभीर घायल

अझुवा कौशाम्बी। कड़ा थाना क्षेत्र के अजीजपुर चौराहे के पास तेज रफ्तार दो बाइकों की आमने सामने जोरदार भिड़ंत हो गयी जिससे दोनों बाइक सवार सड़क पर गिर गए और गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर पहुंचे लोगों ने थाना पुलिस को जानकारी दी सूचना मिलने के बाद मौके पर थाना पुलिस और एंबुलेंस पहुंची है घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है मामले की सूचना परिवार के लोगों को दे दी गई है जानकारी के मुताबिक घसीटेलाल उम्र 45 वर्ष पुत्र मैकूलाल निवासी लोहन्दा वा बीरन उम्र 40 वर्ष पुत्र मदन गोपाल निवासी फतेहपुर की बाइक से आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई है हादसे में घायल अवस्था में दोनों कों 108 एम्बुलेंस द्वारा सीएचसी कड़ा ले जाया गया जहाँ से प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने दोनों घायलों घसीटे लाल वा बीरन को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला अस्पताल में घसीटे लाल की गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने मेडिकल कॉलेज प्रयागराज के लिए रेफर कर दिया है

कौशांबी थाना का एएसपी ने किया वार्षिक निरीक्षण

कौशाम्बी अपर पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी अशोक कुमार वर्मा द्वारा थाना कौशाम्बी का वार्षिक निरीक्षण किया गया। गार्द द्वारा अपर पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी को सलामी दी गयी। थाना कार्यालय सीसीटीएनएस कक्ष, अपराध रजिस्टर, मालखाना, अन्य रजिस्टरों व अभिलेखों को चेक किया गया एवं उनको अध्यावधिक रखने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए तथा विवेचकों को लंबित विवेचनाओं के निस्तारण हेतु आदेश दिए गए। महिला हेल्प डेस्क का निरीक्षण किया गया। मेस में भोजन की गुणवत्ता को चेक किया गया । बैरकों और थाना परिसर के अन्य भवनों का निरीक्षण किया गया तथा साफ सफाई हेतु संबंधित को निर्देशित किया गया। कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था को प्रभावी व सुदृढ़ बनाए रखने हेतु सर्व सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

विद्युत बिल संशोधन के लिए लगाया गया कैम्प

हर्रायपुर कौशाम्बी नगर पालिका परिषद भरवारी के अंतर्गत वार्ड नंबर 21सैता रघुनाथ पुर कालोनी उर्फ दुर्गा भाभी नगर में रविवार को विद्युत पवार हाउस सैता में विद्युत कैंप लगाया गया है जहां विद्युत बिल का संशोधन किया गया है विभाग द्वारा लगाए गए इस कैंप में तमाम उपभोक्ता पहुंचे हैं अजीत जायसवाल जेई ने कैम्प में पहुँचे उपभोक्ताओं की समस्याओं को सुनकर उसका निस्तारण किया है पार्षद प्रतिनिधि मोहम्मद हसनैन मंसूरी ने अधिकारियों से बिजली बिल का कैंप लगवाने के लिए प्रयास किया था बकाया बिधुत बिल जमा करने की उपभोक्ताओं से अपील की गई है

02 वांछित अभियुक्तों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

कौशांबी। जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना सन्दीपन घाट पुलिस उ0नि0 बलबीर सिंह मय हमराह पुलिस बल द्वारा मु0अ0सं0 263/2023 धारा 147/ 148/ 149/ 307/ 436/452/ 323/ 506/ 427/34 भादवि व 7 सीएलए एक्ट से संबन्धित 02 वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। सुभाष पासी पुत्र स्व0 होरीलाल पासी निवासी ग्राम छबिलवा थाना संदीपनघाट व सूरजकली पत्नी कल्लू उर्फ जय सिंह पुत्री स्व0 होरीलाल निवासी ग्राम मोहिउद्दीनपुर गौस थाना संदीपनघाट को ग्राम छबिलवा से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों के विरुद्ध विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्तों का चालान न्यायालय किया गया।

वाहन चेकिंग के दौरान की गई कार्यवाही

कौशांबी। जनपद में चलाये जा रहे यातायात से सम्बन्धित अभियान के क्रम में जनपद स्तर पर विभिन्न थानों व यातायात पुलिस द्वारा यातायात नियमों का पालन न करने वालों के विरुद्ध सघन चेकिंग की गई। चेकिंग के दौरान दो पहिया/चार पहिया वाहनों को चेक किया गया। यातायात नियमों का उल्लघन करने वाले 113 वाहनों का ई-चालान किया गया तथा 02 वाहनों से 1500 /- रुपये सम्मन शुल्क वसूला गया।

सास ससुर जेठानी से पीड़ित विवाहिता पहुंची थाने

कौशांबी। चरवा थाना क्षेत्र के शेखपुर रसूलपुर गांव की विवाहिता रेखा देवी पत्नी बुधराम अपने सास बेला देवी ससुर शिवमूरत और जेठानी सविता देवी से पीड़ित है विवाहिता ने थाना पुलिस को शिकायती पत्र देकर आरोप लगाया है कि उसके सास ससुर और जेठानी ने एक राय होकर के उसे हिस्सा बंटवारा संपत्ति में नहीं दिया है और घर से उसे बाहर कर दिया है इसके बाद भी आए दिन सास ससुर जेठानी उसे गाली गलौज देते है बार बार मारपीट और प्रताड़ित करते रहते हैं महिला का कहना है कि उसके जेठ और देवर भी उसके साथ सुबह शाम गाली गलौज करते रहते हैं उसका जीना मुहाल कर दिया है ससुराल वालों के प्रताड़ना से वह अपनी जिंदगी से ऊब गई है मामले की सूचना पुलिस को देकर न्याय की मांग की गई है

संपादक की कलम से

महिला नेताओं के प्रति निंदनीय मर्दवादी नजरिया

हाल ही में इटली में जी-7 समूह का शिखर सम्मेलन आयोजित हुआ था. सम्मेलन की मेजबान वहां की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी थीं. इस बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी आमंत्रित थे. सोशल मीडिया में दोनों नेताओं को लेकर तमाम किस्म के आपत्तिजनक मीम और चुटकुले गढ़े गये. मेलोनी के औरत होने का मजाक भी उड़ाया गया तथा बहुत से लोगों को राजनीति या बैठक के महत्व की जगह उनकी सेक्स अपील ही दिखी. बड़े अफसोस की बात है कि दुनियाभर में चाहे जितना स्त्री विमर्श का राग गाया जाता हो, ग्लास सीलिंग को तोड़ने की बातें की जाती हों, पर बड़े पदों पर बैठने वाली स्त्रियों को देखने का मर्दवादी नजरिया जरा भी नहीं बदला है.

आपको याद होगा कि अमेरिका में वोट देने के अधिकार के लिए स्त्रियों को सत्तर साल तक कठिन संघर्ष करना पड़ा था. तब उनका मजाक तरह-तरह के कार्टून, चुटकुले, लेखों आदि में इसी तरह से बनाया जाता था कि ये औरतें आखिर वोट देकर क्या करेंगी, करना तो इन्हें चौका-चूल्हा ही है. औरतों ने लंबी लड़ाई के बाद इस छवि को तोड़ा है कि उनकी प्रतिभा मात्र चौके-चूल्हे तक ही सीमित रह सकती है. लेकिन स्त्री की आजादी का दम भरने वाले लोग जैसे ही किसी स्त्री को शासक की हैसियत में देखते हैं, तो उनका अहंकार हिलोरें मारने लगता है. वे इस तरह की स्त्रियों को नीचा दिखाने का कोई भी मौका नहीं छोड़ते हैं.

स्त्री के बड़े पद पर पहुंचने का मतलब पुरुषवादी सोच में मात्र उसका शरीर ही है. इसीलिए दुनियाभर में स्त्रियों को इस तरह के अपमान झेलने पड़ते हैं. उनके अच्छे विचार और योग्यता की जगह उन्हें उनकी सुंदरता, उनके शरीर, उनकी सेक्स अपील से ही मापा जाता है. ऐसी सोच के निशाने पर हाल के वर्षों में ब्रिटेन की भूतपूर्व प्रधानमंत्री टेरेसा मे, स्कॉटलैंड की पूर्व प्रथम मंत्री निकोला स्टर्जन (जिन्होंने पांच प्रधानमंत्रियों के साथ काम किया था), जर्मनी की एंजेला मर्केल, फिनलैंड की साना मरीन, न्यूजीलैंड की जेसिंडा जैसी कई नेता रही हैं.

इन महिलाओं ने किस तरह से शासन किया, उनकी योजनाओं से लोगों को कितना लाभ मिला, वे अपने देश को किस ऊंचाई तक ले गयीं, अंतरराष्ट्रीय संबंधों में उन्होंने कितनी सफलता पायी, बातचीत और गॉसिप के विषय अक्सर ये नहीं होते. लोगों और मीडिया के एक बड़े वर्ग को बस उनका महिला होना और उनका शरीर ही दिखता है. मान लिया जाता है कि कोई स्त्री यदि किसी बड़े पद पर पहुंचती है, तो अपनी योग्यता, प्रतिभा, निर्णय लेने की शक्ति के कारण नहीं, बल्कि अपने शरीर और रूप के कारण वे ऐसा कर पाती है. स्त्री की सफलता माने अपने शरीर का इस्तेमाल.

बाहर क्या देखना, अपने देश में भी यह कोई कम नहीं रहा है. हाल में जब प्रधानमंत्री मोदी और प्रधानमंत्री मेलोनी की तस्वीरें वायरल हुईं, तो सोशल मीडिया ने अश्लीलता और अभद्रता की सारी हदें तोड़ दीं. कई पोस्ट तो ऐसी थीं कि उनके बारे में यहां लिखा भी नहीं जा सकता. वैसे यह देश नारी को पूजने का दम भरता है. वर्षों से प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू और माउंटबेटन की पत्नी एडविना को लेकर ऐसी ही खराब बातें होती रही हैं. इंदिरा गांधी, जिन्हें देश की प्रथम महिला प्रधानमंत्री होने का गौरव प्राप्त है, के ऊपर इतने घटिया किस्म के लांछन आज भी लगाये जाते हैं कि अफसोस होता है. उनकी बुआ विजयलक्ष्मी पंडित भी इसका शिकार रही थीं.

देश की अन्य महिला नेताओं, जिनमें जयललिता, मायावती जैसी बड़ी शख्सियतें भी शामिल हैं, की प्रतिभा और योग्यता को दरकिनार कर उन्हें भी सिर्फ पुरुषवादी नजरिये से देखा जाता है. किसी महिला की सफलता का मतलब यह क्यों है कि वह महिला है और सारे पुरुष उसके शिकार भर हैं. ऐसा भी महसूस होता है कि स्त्रियों को देखने के इस नजरिये का जितना विरोध हुआ है, यह उतना ही बढ़ रहा है. औरतों को पीटने के तरह-तरह के नये अस्त्र-शस्त्र रोज खोजे जा रहे हैं.

दिलचस्प यह भी है कि बहुत से स्त्री विरोधी अपने राजनीतिक दस्तावेजों, लेखों या भाषणों में तमाम तरह के स्त्रीवादी नारों का उपयोग करते हैं और अपने को भारी स्त्री समर्थक बताते हैं, लेकिन ऐसा है नहीं. मौका मिलते ही औरतों का शिकार करने वाले सारे नख-दंत बाहर आ जाते हैं. लाख आरक्षण दे दीजिए, जब तक दिमाग में कूड़ा भरा है, कुछ नहीं किया जा सकता. अमेरिका को ही देख लीजिए. दुनिया को औरतों के अधिकारों पर ज्ञान देता फिरता है, लेकिन आज तक किसी स्त्री को वहां राष्ट्रपति नहीं बनाया जा सका है.

और तो और, वहां समाज में आज भी ये बहसें चलती हैं कि क्या कोई स्त्री देश को चला सकती है. लेकिन खुशी की बात यह है कि दुनिया के सार्वजनिक परिदृश्य में औरतों की संख्या लगातार बढ़ रही है. वे उन मंजिलों को छू रही हैं, जिनके बारे में पचास साल पहले कोई स्त्री सोच भी नहीं सकती थी. यह भी सच है कि जितना किसी का मजाक उड़ाया जाता है, वह उतनी ही तीव्र गति से आगे बढ़ता है. यह उत्साहजनक है कि स्त्रियों ने यह गति पकड़ ली है, जो उनके सुखद भविष्य का ठोस संकेत है।

परिवर्तन को अपनाना जरूरी

काट-छांट केवल पेड़-पौधों के सही विकास के लिए ही जरूरी नहीं है, जीवन को सही आकार देने के लिए भी जरूरी है. जीवन का नाम केवल जोड़ना नहीं है. नये के लिए पुराने को हटाना भी आवश्यक है. घर में लगे पौधों को ही देख लीजिए, बेजान पत्ते, सूखी डालियां और खर-पतवार को नहीं छांटेंगे, तो पौधों की उर्वरता क्षीण हो जायेगी और वे मर जायेंगे. उसी तरह ईर्ष्या, वैमनस्य या दुख-तकलीफ से जुड़े अनुभव आदि अधिक बढ़ जायेंगे, तो एक दिन व्यक्ति मानसिक व शारीरिक रोगों से पीड़ित हो असमय ही अपनी जीवनलीला समाप्त कर बैठेगा। स्वामी विवेकानंद की जीवन यात्रा में एक प्रसंग आया है जब वे कहते हैं, किसी काम से हमें हानि हो रही है, फिर भी उससे हम चिपके हुए हैं तो यह ठीक वैसा ही है जैसे मधुमक्खी आयी तो शहद पीने थी, परंतु उसके पैर ही शहद में धंस गये और फिर वह वहां से निकल नहीं सकी. यही हमारे अस्तित्व का संपूर्ण रहस्य है। जीवन से उन अवांछित पलों को बिसार दें जो तकलीफ देते हैं. कोई किसी के लिए जीता नहीं है. अपनी जगह दुनिया में खुद बनानी होती है और आपके बाद वह जगह खाली भी नहीं रहेगी. इस जीवन को संवारने का काम हमें ही करना है. इसमें से अनुपयोगी और निरर्थक चीजों को हटाना हमारा दायित्व है. यह काम आसान नहीं है. जानकार होने के लिए ज्ञान बढ़ाना जरूरी है, परंतु बुद्धिमान होने के लिए अनुपयोगी तत्वों को घटाना जरूरी है. व्यवहार में भी परिवर्तन लाने की कोशिश करें. तभी चित्त प्रसन्न रहेगा और आनंद की अनुभूति होगी. किसी व्यक्ति या वस्तु से आसक्ति पालना सब दुखों का मूल है, इसलिए उनके नहीं रहने या खो जाने पर हम रोते हैं या अवसाद में डूब जीवन के आनंद से वंचित रह जाते हैं. गीता में कहा गया है कि प्रत्येक वस्तु से अपने को स्वतंत्र बना लेने की शक्ति स्वयं में संचित रखो. कोई वस्तु कितनी भी प्यारी क्यों न हो, उसे पाने के लिए मन जितना लालायित रहता है, उसे छोड़ने में भी उतनी ही तत्परता रखनी चाहिए. दुर्बलता से मनुष्य दास बनता है और दुख का भागी होता है. हालांकि आसक्ति हमारे सुखों की जननी भी है। यदि अपने बौद्धिक, सामाजिक और आध्यात्मिक कार्यों में आसक्त रहते हैं, तो केवल इसलिए कि उनसे सुख मिले. परंतु जिस पल इन कार्यों में लगी ऊर्जा के अनुरूप फल नहीं मिले और ये साधन हमारी असंतुष्टि का कारण बनने लगे, हमें उन्हें छोड़ने के लिए भी उद्यत हो जाना चाहिए. स्वामी विवेकानंद की जीवन यात्रा में एक प्रसंग आया है जब वे कहते हैं, किसी काम से हमें हानि हो रही है, फिर भी उससे हम चिपके हुए हैं तो यह ठीक वैसा ही है जैसे मधुमक्खी आयी तो शहद पीने थी, परंतु उसके पैर ही शहद में धंस गये और फिर वह वहां से निकल नहीं सकी. यही हमारे अस्तित्व का संपूर्ण रहस्य है. स्वभाव और व्यवहार में लचीलापन जड़ता से बाहर निकाल परिवर्तन की गुंजाइश पैदा करता है. इसलिए परिवर्तन को अपनाने से पीछे न हटें।

शिक्षा को ध्यान की दरकार है

गिरीश्वर मिश्र

देश के सामर्थ्य के लिए शिक्षा का महत्व सभी जानते हैं, मानते हैं और बखानते हैं। समकालीन चचाओं में ह्ययुवा भारतह्न की भूमिका सभी लोग दुहराते हैं और ह्लडेमोग्रेफिक डिविडेंडह्न की बातें करते नहीं थकते। चुनावी घमासान में सबने एक स्वर से देश को आगे ले जाने की कसमें खाईं थीं किंतु शिक्षा की प्रासंगिकता तथा रोजगार के लिए शिक्षा के महत्व को लेकर लगभग सभी मौन ही धारण किए रहे। वे इसकी स्थिति से से संतुष्ट थे या फिर थक हार कर यह मान चुके हैं कि इस सिलसिले में कुछ भी मुमकिन नहीं है। मंहगाई, बेरोजगारी, आरक्षण की सख़्त जरूरत, पड़ोसी देशों के साथ रिश्ते और भारतीय संविधान की सुरक्षा जैसे भारी भरकम मुद्दों के बीच शिक्षा और संस्कृति से जुड़े सवाल लगभग नदारद थे। घोषणा-पत्र, संकल्प-सूची और गारंटियों की काकली के बीच शिक्षा द्वारा मनुष्य के निर्माण और उसके संवर्धन और संरक्षण से जुड़े प्रश्न की कोई जगह नहीं थी। सभी नेता मौखिक रूप से देश को बचाने, बनाने, समता लाने तथा सबको सुखी बनाने के लिए तैयार थे। सभी नेता बढ़-चढ़ कर गरीबों को अनाज देने, मुफ़्त रुपये बाँटने और सभी तरह की भौतिक सुविधाएँ जुटाने की घोषणा करने और खटाखट खैरात बाँटने को तैयार थे, यह जान कर भी कि सरकार के पास कोई जादुई तिजोरी नहीं है कि फटाफट सब कुछ सब को मुहैया कर दिया जाये । वे यह भी नहीं सोच रहे थे कि सार्वजनिक मुफ़्तखोरी की लत का नुकसान सबको भुगतना पड़ेगा। आखिर अकर्मण्य बनाने में किसका भला होगा ? मनुष्य बनने लिए संस्कार की आवश्यकता पड़ती है। यही समझ कर शिक्षा की संस्थाएँ बनी। भारत इस तरह के प्रयास में अग्रगण्य था। यहाँ के नालंदा और तक्षशिला के बहु अनुशासनात्मक और समावेशी विश्वस्तरीय विश्वविद्यालय संसार में कहीं न थे। औपनिवेशिक दौर में शिक्षा की जो व्यवस्था रोपी गई उसके फलस्वरूप हम जिस तरह पिछड़े उससे अभी तक उबर न सके। यह बिडम्बना ही कही जाएगी कि विकसित भारत का नारा देते हुए आज देश में शिक्षा आज कई तरह की दुर्दशाओं के दौर से गुजर रही है।

यह एक दुखद सत्य है कि स्वतंत्र भारत में चचाएँ होती रहीं, आयोग बनते रहे, शोध रपटें आती रहीं, योजनाओं का खाका भी बनता रहा, कुछ आधे-अधूरे कदम भी उठाए गए परंतु कभी भी शिक्षा की ओर समग्रता से तथा व्यावहारिक स्तर पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया जा सका था।

इसके लिए ढुलमिल और टालू नजरिया ही अपनाया जाता रहा। मोदी सरकार के पहले दौर से ही वर्ष 2015 में शिक्षा में सुधार का वादा ही नहीं किया गया बल्कि बल्कि नई शिक्षा नीति का बनाने की कवायद भी शुरू की। सांकेतिक पहल के रूप में ह्यमानव संसाधन मंत्रालयह्न का नाम ह्यशिक्षा मंत्रालयह्न कर दिया गया था। दूसरे कार्यकाल में अपनी प्रतिबद्धता दिखाते हुए सरकार ने 2020 में अंतरिक्ष विज्ञानी डा कस्तूरीरंगन की अगुआई में लम्बे सलाह-मशविरे के बाद नई शिक्षा नीति आई। सबको आशा बंधी कि शिक्षा में एक नया सबेरा आने वाला है । उसकी कुछ झलक भी मिली थी पर अभी भी लम्बी दूरी तय करना शेष है। अब 2024 में मोदी सरकार की 71 मंत्रियों की फौज के साथ तीसरी पारी सौदिनी एजेंडे के साथ शुरू हो चुकी है। शिक्षा के लिए उसमें क्या जगह है यह तो स्पष्ट रूप से पता नहीं पर पुराने शिक्षा मंत्री ही फिर से दायित्व सँभाल रहे हैं और विभाग का काम-धाम रूटीन में पहले जैसा ही चलता रहेगा ।

याद रहे कि शिक्षा नीति-2020 कक्षा तीन से लेकर स्नातकोत्तर स्तर तक की शिक्षा में ह्यआमूल-चूल परिवर्तनह्न लाने की विशाल महत्वाकांक्षा के साथ आगे बढ़ी थी। इस नीति को लागू करने की योजना पर खंड-खंड में कुछ काम भी शुरू हुआ। कुछ समितियाँ बनीं, कुछ गोष्ठियाँ भी हुईं और साथ में अनेक स्तरों पर और विभिन्न समूहों के साथ विचार-विमर्श भी चलता रहा। नीति की आत्मा को समझ कर नियमों और व्यवस्थाओं में फेर-बदल भी हुए थे। कई परिवर्तन कुछ जगहों पर लागू हो चुके हैं। पर प्रगति देखते हुए यही लगता है कि रस्म अदायगी ही हो रही है। आधे-अधूरे ढंग से धीमी गति से इस पर काम चल रहा है। शिक्षा के संचालन में विकल्पों की व्यवस्था, रुख में लचीलापन, व्यवस्था की सहजता, स्थानीयता पर बल, पारिस्थितिकी की चिंता, संस्कृति के साथ जुड़ाव, कुशलता-निर्माण को महत्व, रोजगार की उन्मुखता और शिक्षा देने में मातृभाषा के अधिकाधिक उपयोग की बात लिखित और मौखिक रूप में बार-बार सरकारी तंत्र द्वारा दुहराई जाती रही है। ये संकल्प जितने आकर्षक हैं उनको लागू करना उतना ही कठिन है। परिणाम है कि पहले की तुलना में परिसरों में दुर्व्यवस्था बढ़ती जा रही है और अध्ययन, अध्यापन तथा शोध की गुणवत्ता में गीयवत दर्ज हो रही है। आज शिक्षा के ज्यादातर परिसर सिर्फ.प्रवेश लेकर परीक्षा करा रहे हैं और डिग्री देने में व्यस्त हैं। साल में दो बार प्रवेश की ताजी योजना शिक्षा संस्थाओं को और व्यस्त करने वाला होगा। शिक्षा का सम्पादन दिनों-दिन कमजोर होता जा रहा है। खास तौर पर स्कूली शिक्षा की स्थिति पूरे देश में खस्ता हाल हो रही है। नीति-हीनता की विपत्ति यह है कि शिक्षक-प्रशिक्षण की व्यवस्था क्या हो? उसका पाठ्यक्रम कैसा हो ? और कितने समय में उसे कैसे किया जाये? आदि प्रश्नों को लेकर कोई स्पष्ट और दृढ़ व्यवस्था नहीं हो पाई है और कि स्म-कि स्म के संशय बरकरार हैं।

शिक्षा के जमीनी हालात चिंताजनक हो रहे हैं और कोई उसका पुरसाहाल लेने वाला नहीं है। कागज-पत्र की कार्रवाई बेशक खास हो रही है। नैक है, एनआईआरएफ है, यूजीसी है और और भी बहुत कुछ है पर शिक्षा जगत में संसाधनों का घोर अकाल पड़ा है। उस स्थिति में ह्यआनलाइनह्न एक बड़ा सहारा बन कर अवतरित हुआ है। अब प्रवेश, पढ़ाई, परीक्षा और अनुसंधान सब काम इसकी बदौलत चल पड़ा है। गुरु-शिष्य संबंध और शिक्षा के साक्षात सजीव अनुभव अब इतिहास की बात होती जा रही है। नीट आदि हर तरह की परीक्षा में पेपर लीक होना, परीक्षा परिणाम में धांधली और मानकों को धता बताना आम बात हो रही है। प्राइमरी से लेकर विश्वविद्यालय स्तर तक लगभग सभी संस्थाओं में अध्यापकों की कमी बनी हुई है। जहां नियुक्ति हो रही है वहाँ किस तरह की धांधली होती है यह बंगाल के उदाहरण से बखूबी से समझी जा सकती है जो पकड़ में आकर सार्वजनिक हो चुका है। प्राचार्य और कुलपति आदि उच्च पदों को लेकर भी नाना प्रकार के संशय की गहरी छाया बनी हुई है। आर्थिक अपराध, चारित्रिक विचलन, नियमों की अवहेलना और साहित्यिक चोरी जैसी दुर्घटनाएँ शैक्षिक परिसरों में तेजी बढ़ रही हैं। बहुत से कुलगुरुओं को पद से हटाना पड़ा और बहुत से आरोपित हैं। शिक्षा की पवित्र संस्कृति लुप्त होती जा रही है। यहाँ भी बाजार के तर्ज.पर ही फायदे का सौदा और खरीद फरोख़्त चलता है। शिक्षा और परीक्षा की गुणवत्ता के साथ समझौता किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। दुर्भाग्य से माँग के अनुसार स्तरीय शिक्षा देने में हम लोग पिछड़ते गये और शैक्षिक संस्थाओं की व्यवस्था में निजीकरण छाता गया। सरकारी संस्थाओं की बदहाली के बीच निजी संस्थाओं की बाढ़ आ गई है। वे फल फूल रहे हैं और मनमानी फीस वसूल रहे हैं। कोचिंग, ट्यूशन भी बड़े विशाल पैमाने पर शुरू हुई। अब साल्वर गैंग शिक्षण और परीक्षा को प्रदूषित कर रहा है । परीक्षाओं में बहु विकल्पों वाले सवाल चल रहे हैं जिनके लिए रटने पर जोर है। नेट की परीक्षा जो अध्यापक के चुनाव की है उसमें अभिव्यक्ति, विवेचन और समीक्षा की क्षमता जाँचने की जगह बहु विकल्प के प्रश्न दिए जा रहे हैं। इन सबसे जरूरी क्षमता का ठीक ठीक आकलन नहीं हो पाता। एन टी ए सरकार के निर्देशन में सिर्फ. कामचलाऊ तर्ज पर ठेके पर कार्य कर रही थी। फलतः नाजायज तरीकों से कमाई करने वाले जगह-जगह से उसमें सेंध लगा रहे थे जिसका खामियाजा छात्र छात्राओं और उनके अभिभावकों को भुगतना पड़ रहा है। उनके परिश्रम, समय और आर्थिक नुकसान की चिंता किसी को नहीं है। एनटीए के डीजी को बदल देना और व्यवस्था में चौकसी के लिए कानून पास करना नाकाफी है।

व्यापक विकास हो सरकार की प्राथमिकता

जीएन बाजपेयी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नयी सरकार, जो अब गठबंधन की सरकार है, ने कार्यभार संभाल लिया है. अब सबकी नजरें उसके एजेंडे पर है. मुझे अंडमान एवं निकोबार द्वीप पर स्थित राष्ट्रीय स्मारक सेलुलर जेल की तीर्थयात्रा की याद आती है. यहां ब्रिटिश शासन ने भारत के स्वतंत्रता सेनानियों पर अमानवीय अत्याचार किया था. यहां एक जगह मृत्युदंड की सजा का इंतजार कर रहे एक सेनानी द्वारा अपने ग्रामवासियों को लिखा संदेश है- ह्यमैंने अपना फर्ज अदा कर दिया है, अब तुम्हारी बारी है.ह्न हमारा कर्तव्य है कि हम मिलकर भारत को आर्थिक अभाव एवं कठिनाई से मुक्त करायें तथा समृद्धि के युग की ओर अग्रसर हों.

मोदी सरकार को भारत को एक विकसित समाज बनाने और सभी स्तरों पर भ्रष्टाचार से लड़ने के महत्वपूर्ण संदेश को अनदेखा नहीं करना चाहिए. स्वतंत्रता सेनानियों का संदेश तभी सही साबित होगा, जब भारत का विकास एकदम नीचे, सबसे कमजोर और गरीब तक पहुंचेगा. यह तभी संभव हो पायेगा, जब अगले दो दशकों तक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की औसत सालाना वृद्धि दर सात फीसदी से अधिक रहे. ऐसा कर पाना एक कठिन कार्य है. पारंपरिक साहित्य में जीडीपी वृद्धि मुख्य रूप से उत्पादन के तीन कारकों- भूमि, श्रम एवं पूंजी- की उपलब्धता एवं उत्पादकता से प्रभावित होती है. वर्तमान भू-राजनीतिक और वैश्विक परिदृश्य में हमें इन कारकों को सोच-समझकर और मेहनत से उपयोग में लाना होगा. इसके लिए इन क्षेत्रों में व्यापक सुधारों की आवश्यकता है.

पूंजी क्षमता में तो भारत की सकारात्मक तुलना अधिकतर देशों से हो सकती है, पर श्रम उत्पादकता में हम बहुत पीछे हैं. वर्ष 2022 में अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन ने 2017 की क्रय शक्ति समता के आधार पर श्रम क्षमता के मामले में भारत को 126 स्थान पर रखा था. भूमि अधिग्रहण कानून, 2013 के प्रावधानों के अनुसार, निजी कंपनियों तथा सरकारी-निजी भागीदारी के लिए जमीन अधिग्रहण की मंजूरी के लिए समुदाय के 80 प्रतिशत लोगों की सहमति जरूरी है. समुचित मुआवजे के अधिकार के साथ-साथ जमीन की खरीद बहुत कठिन और खचीर्ली हो गयी है. ऐसे में इंफ्रास्ट्रक्चर और उद्योग के विकास के लिए जमीन की उपलब्धता एक गंभीर बाधा बन गयी है. भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया अक्सर नकारात्मक होती है. हमें अधिग्रहण के अधिक मानवीय तरीकों को अपनाना चाहिए, जिसमें लोगों के हित सुरक्षित रहें.

जीडीपी वृद्धि मुख्य रूप से उत्पादन के तीन कारकों- भूमि, श्रम एवं पूंजी- की उपलब्धता एवं उत्पादकता से प्रभावित होती है. वर्तमान भू-राजनीतिक और वैश्विक परिदृश्य में हमें इन कारकों को सोच-समझकर और मेहनत से उपयोग में लाना होगा. इसके लिए इन क्षेत्रों में व्यापक सुधारों की आवश्यकता है. पूंजी क्षमता में तो भारत की सकारात्मक तुलना अधिकतर देशों से हो सकती है, पर श्रम उत्पादकता में हम बहुत पीछे हैं.

वृद्धि दर बढ़ाने में कमतर कृषि क्षमता भी एक अवरोध है. यदि मैन्युफैक्चरिंग और कंस्ट्रक्शन जैसे क्षेत्रों की तरह कृषि क्षेत्र ने भी योगदान दिया होता, तो वित्त वर्ष 2023-24 की वृद्धि दर 10 प्रतिशत से अधिक होती. ग्रामीण आबादी कृषि आय पर निर्भर है, जिसके कारण अधिक वृद्धि दर के आर्थिक लाभों से वह वंचित रह जाती है. भूमि, श्रम एवं खेती भावनात्मक मुद्दे हैं. ऐसे मुद्दों पर भारतीय लोकतंत्र में राजनीतिक सहमति बनाना एक लंबा संघर्ष है, जिसके लिए गंभीर धैर्य तथा विभिन्न हितों एवं विचारों को समायोजित करने की आवश्यकता होती है। नागालैंड में जब मुख्यमंत्री के पूर्ण समर्थन से तत्कालीन मुख्य सचिव आरएस पांडे ने स्वास्थ्य, शिक्षा एवं ऊर्जा के ह्यसामुदायिककरणह्न को लागू किया था, तब उन्होंने समुदायों के नेताओं, राजनीतिक दलों, मीडिया और अधिकारियों को साथ लाने के लिए सात चरणों की कठिन प्रक्रिया अपनायी थी. संयुक्त राष्ट्र ने भी उस पहल की प्रशंसा की थी. वर्ष 2017 में केंद्र सरकार ने वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) को लागू करने के लिए कठिन प्रक्रिया से राष्ट्रीय सहमति बनाने का प्रयास किया था, जो पहले की कुछ सरकारें नहीं कर सकी थीं. फिर भी इस मुद्दे पर टकराव था और अभी भी है।

परीक्षाओं में गड़बड़ी अस्वीकार्य है

प्रो जेएस राजपूत

लंबे संघर्ष के बाद वैश्विक समुदाय में हमने अपना स्थान बनाया है. पर कुछ ऐसे मामले भी हैं, जो देश के लिए चिंता का विषय बने हुए हैं. आज देश की शिक्षा व्यवस्था में असामाजिक तत्व और भ्रष्ट प्रवृत्तियां लगातार बढ़ रही हैं, जो व्यवस्था को खोखला कर रही हैं. इन मुद्दों पर चर्चा और तत्काल निर्णय लेने की जरूरत है. पहली चिंता है परीक्षा में लगातार बढ़ती नकल और पेपर लीक की समस्या. ऐसे मामले देश के अनेक राज्यों से सामने आते रहते हैं. बीते पांच वर्षों में देश के 15 राज्यों में पेपर लीक के कारण एक करोड़ चालीस लाख युवाओं की मेहनत पर पानी फिर गया है. इन सबके बावजूद इस बात की कोई जानकारी नहीं है कि ऐसे आपराधिक मामलों में शामिल कितने लोगों पर अब तक कानूनी शिकंजा कसा है.परीक्षा प्रणाली में सुधार के लिए कुछ चीजें तो तुरंत करने की जरूरत है, साथ ही साथ दीर्घकालिक योजना बनाने की भी जरूरत है. दो-तीन बातें जो महत्वपूर्ण हैं, वो हैं कि जो माफिया आज की परीक्षा के पेपर लीक में शामिल है, वह तीन वर्ष पहले भी ऐसी गतिविधियों में शामिल था. इसका सीधा अर्थ यह निकलता है कि देश में कानून इतना शिथिल है अथवा माफियाओं की पहुंच इतनी ज्यादा है कि उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं होती. ऐसी कोई खबर मीडिया नहीं छाप रहा है कि जो पेपर आज से चार-पांच साल पहले लीक हुए उसमें शामिल अपराधियों में से किसी को सजा हुई है या नहीं. और कितनी कठोर सजा हुई. यदि यह सजा तीन या चार महीने में हो जाती तो निश्चित रूप से थोड़ा उसका प्रभाव पड़ता.

जो माफिया आज की परीक्षा के पेपर लीक में शामिल है, वह तीन वर्ष पहले भी ऐसी गतिविधियों में शामिल था. इसका सीधा अर्थ यह निकलता है कि देश में कानून इतना शिथिल है अथवा माफियाओं की पहुंच इतनी ज्यादा है कि उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं होती. ऐसी कोई खबर मीडिया नहीं छाप रहा है कि जो पेपर आज से चार-पांच साल पहले लीक हुए उसमें शामिल अपराधियों में से किसी को सजा हुई है या नहीं. और कितनी कठोर सजा हुई.

हमारे यहां लोगों को मालूम है कि हमारी न्याय व्यवस्था इतनी शिथिल है कि मामला लटकता जायेगा और कुछ होगा नहीं. प्रश्न है कि एक व्यक्ति या चार व्यक्ति मिलकर एक परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक करते हैं, और 48 लाख या 13 लाख लोगों पर प्रभाव पड़ता है, इसमें यदि उनके परिवारवालों को जोड़ लिया जाए, तो करोड़ों लोग इससे प्रभावित होते हैं. कितने परिवारों पर आर्थिक दबाव पड़ता है. इस बात की कोई संभावना नहीं है कि पेपर लीक मामले में शामिल लोगों को कोई सजा हो भी पायेगी. हमारे देश के नियम इतने शिथिल हैं कि इतनी सारी घटनाएं होने के बाद भी आज तक किसी नेता या मंत्री को उत्तरदायी क्यों नहीं माना गया? यह स्थिति चिंताजनक और दुर्भाग्यपूर्ण है.

जहां तक प्रश्न है कि किस तरह ये अपराधी इस मामले को अंजाम देते आ रहे हैं, तो इसका उत्तर है कि या तो प्रतिष्ठान इनके साथ मिला हुआ है या यह उस एजेंसी की अक्षमता है और उसके भी भ्रष्टाचार में लिप्त होने की संभावना भी है, जिसके ऊपर इस परीक्षा की जिम्मेदारी है. हालांकि, परीक्षाओं में कदाचार को रोकने के लिए हाल में केंद्र सरकार ने एक मॉडल एक्ट बनाया है. कुछ राज्य सरकारों ने भी नकल और पेपर लीक को लेकर कड़े कदम उठाने का वादा किया है. पर हमारा पिछला रिकॉर्ड इतना खराब है कि इन बातों पर भरोसा करना मुश्किल है. इन सभी समस्याओं का समाधान एनइपी-2020 के जरिये किया जा सकता है. इस नीति में देश की शिक्षा व्यवस्था की खामियों को दूर करने की संभावना है. यह नीति देश की शिक्षा व्यवस्था में मूल्यों को स्थापित कर उसमें नैतिकता लाने के साथ ही युवाओं में नयी आशा का संचार कर सकती है.

हमें यह देखना पड़ेगा कि बार-बार ऐसा क्यों हो रहा है. दूसरी बात है कि सभी शिक्षाविदों को देशभर से बुलाकर बैठाना होगा और उनसे पूछना होगा कि इस समस्या से निपटने के लिए किस तरह का प्रबंधन किया जाए. एक होता है ब्यूरोक्रेटिक एडमिनिस्ट्रेशन और दूसरा होता है एकेडमिक एडमिनिस्ट्रेशन. आज सभी बोर्ड ऑफ स्कूल एजुकेशन, टेक्स्टबुक कॉरपोरेशन आदि के हेड ब्यूरोक्रेट होते हैं, जबकि पहले सब एकेडमिक के लोग होते थे. वर्ष 1970-75 तक जितने भी देश के राज्यों के लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष होते थे, उनकी साख, उनके साथ काम करने वालों की साख इतनी ऊंची होती थी कि हर युवा को विश्वास होता था कि मेरे साथ कोई अन्याय नहीं होगा. नतीजा कोई पेपर लीक नहीं होता था. देखिए, जब देश में बार-बार परीक्षाओं के पेपर लीक होंगे तो संबंधित एजेंसी पर प्रश्न तो उठेंगे ही, क्योंकि देश में अभी इतनी अक्षमता नहीं है कि सक्षम लोग ढूंढ़े नहीं जा सकें. सक्षम लोगों को ढूंढ़ा जाना चाहिए. जो नियुक्तियां होती हैं वे पूरी तरह से पारदर्शी होनी चाहिए और व्यक्तियों की साख और उनकी ईमानदारी पर ध्यान दिया जाना चाहिए.

सबसे बड़ी बात है कि लोग इस बात को देखते हैं कि हमारा नेतृत्व कैसा है, हमारे मंत्री कैसे हैं, बोर्ड के अध्यक्ष कैसे हैं आदि. उनका आचरण कैसा है, उनके बारे में लोग क्या कहते हैं, इन सब चीजों का प्रभाव पड़ता है. इस समय देश के सांसदों को भी इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि उसका आचरण अनुकरणीय हो कि उसे देश का युवा वर्ग देख रहा है. नैतिकता ऊपर से छनकर नीचे तक आती है. जब ऊपर के लोगों में नैतिकता होगी, तो प्रश्न ही नहीं उठता है कि निचले स्तर पर लोग अनैतिक हो जाएं. तीसरी बात यह है कि अब नयी-नयी पद्धतियां आ गयी हैं. जैसे नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ओपन लर्निंग ने आज से बीस-पच्चीस वर्ष पहले ऑन डिमांड एग्जामिनेशन का प्रस्ताव दिया था. यानी जिसे जब सहूलियत हो कंप्यूटर के जरिये परीक्षा दे दे।

डॉ मुखर्जी के बलिदान दिवस पर भाजपा विस्तार का लिया संकल्प

11 मंडलों, 124 शक्तिकेन्द्रों, 851 बूथों में हुआ कार्यक्रम

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। भाजपा ने जिले की दोनों विधानसभाओं के 11 मंडलों के 124 शक्तिकेंद्रों के 851 बूथों पर जनसंघ संस्थापक डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस 23 जून को उनके चित्र पर पुष्प अर्पित किया। रविवार को विभिन्न बूथों पर हुए कार्यक्रम में जिला प्रभारी/कानपुर बुन्देलखण्ड क्षेत्रीय उपाध्यक्ष डॉ अनिल यादव, जिलाध्यक्ष लवकुश चतुर्वेदी, पूर्व सांसद आरके सिंह पटेल, पूर्व मंत्री चन्द्रिका प्रसाद उपाध्याय, जिला महामंत्री आलोक पाण्डेय समेत जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी आदि की मौजूदगी में भाजपा के पितृ पुरुष डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से

वृक्ष लगाते भाजपा जिला महामंत्री आदि।

एक वृक्ष मां के नाम अभियान शुरू किया। जिला प्रभारी डॉ अनिल यादव ने कहा कि भाजपा की उनके प्रति ये सच्ची श्रद्धांजलि है। जिला प्रभारी/क्षेत्रीय उपाध्यक्ष डॉ अनिल यादव ने डॉ मुखर्जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर कार्यकर्ताओं से कहा कि मुखर्जी की नीतियां, निर्णय, संकल्प, स्वतंत्र भारत को दिशा देने में अहम रहे हैं। मुखर्जी ने स्वतंत्र भारत को भारतीय दृष्टिकोण से आत्मनिर्भर सक्षम समर्थ राष्ट्र बनाने को निरंतर चिंतन किया। एक भारत श्रेष्ठ भारत के संकल्प को साकार करने को स्वतंत्र भारत के पहले बलिदानी डॉ मुखर्जी हैं। पूर्व सांसद आरके सिंह पटेल ने बूथ पर पुष्प अर्पित कर कहा कि डॉ मुखर्जी का जीवन सदैव प्रेरणा देता रहेगा। जिलाध्यक्ष लवकुश चतुर्वेदी ने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता डॉ मुखर्जी के बलिदान से प्रेरणा लेकर राष्ट्र-समाज को कार्य करे।

जिला महामंत्री आलोक पाण्डेय ने डॉ मुखर्जी के चित्र पर दीप जलाकर व पुष्प अर्पित करते हुए कहा कि डॉ मुखर्जी ने जिन मूल्यों-सिद्धान्तों को लेकर पूरे जीवन संघर्ष किया। भाजपा की मोदी सरकार ने ऐतिहासिक निर्णय लेकर सच्ची श्रद्धांजलि दी है। भाजपा कार्यकर्ता गांव-गांव, बूथ-बूथ पर भाजपा विस्तार कर डॉ मुखर्जी को श्रद्धांजलि दे रहे हैं। बूथों पर कार्यक्रम में पूर्व जिलाध्यक्ष चन्द्र प्रकाश खरे, राघवेन्द्र सिंह, अश्विनी अवस्थी, रामबाबू गुप्ता, अखिलेश रैकवार, प्रेमलाल बाल्मीकी, अनूप त्रिपाठी, निर्मलेन्द्र पाण्डेय, राघव अग्रवाल, श्रद्धांशु, महेन्द्र कोटार्य, श्रवण पटेल, रमाकांत पाण्डेय समेत सभी मंडल अध्यक्ष, मंडल प्रभारी, मोर्चा अध्यक्ष, महामंत्री आदि सहभागी रहे।

मुहबोले मामा ने 18 माह की बच्ची के साथ दिखाई दरिंदगी

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। कामान्ध दरिन्दे ने परिचित परिवार की 18 माह की बालिका के साथ हैवानियत दिखाते हुए नाले में ले जाकर दुराचार किया। पीड़िता के पिता ने मऊ थाने में मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई है।

रिश्तों को शर्मशार करने वाले यह घटना रविवार की दोपहर मऊ थाना क्षेत्र के एक गांव में हुई शिकायकर्ता ने बताया कि उसके नौ बच्चे हैं। लगभग एक साल पहले उसकी पत्नी की मृत्यु हो चुकी है। वह अपने बच्चों का पालन पोषण अकेले ही करता है। रविवार को वह अपने बेटे मिथिलेश की शादी के कार्ड बांटने घर से बाहर गया था और उसके बच्चे घर पर थे। इस दौरान उसकी ससुराल का मुहबोला साला इतराज घर आया। वह शराब के नशे में था। घर आकर उसने उसकी 18 माह की नाबालिक बेटी को घर के बाहर से खेलते हुए बहला फुसलाकर उठा लिया और गांव के शिव मन्दिर के आगे सड़क किनारे सुखे हुए नाले की ओर ले गया।

जहां उसकी नाबालिक बेटी के साथ दोपहर लगभग 1:30 बजे जबरन बलात्कार किया। पुत्री के चीखने चिल्लाने पर गांव के अन्य लोग वहां पहुंच गए और वह बेटी को नग्न अवस्था में ही छोड़कर भाग गया। इसके बाद मौके पर पहुंचे बेटे मिथिलेश ने उसे फोन से सूचना दी और वह दुराचार का शिकार अपनी बेटी को लेकर थाने पहुंचा। इस सम्बन्ध में मऊ थाना प्रभारी अजीत पाण्डेय ने बताया कि शिकायकर्ता की तहरीर के आधार पर आरोपी इतराज प्रसाद के विरूद्ध धारा 363, 376 ए, बी, लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012, 5एम, 6 के तहत अभियोग पंजीकृत कर लिया गया है। पीड़िता का चिकित्सीय परीक्षण कराया जा रहा है।

मोटरबाइक समेत चोर दबोचा

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। रामनगर ब्लाक क्षेत्र में घर के बाहर खड़ी मोटरबाइक चुराकर भाग रहे चोर को ग्रामीणों ने पकड़ लिया है। ये घटना रैपुरा थाना क्षेत्र के रामनगर में मेवालाल के घर के सामने रविवार को हुई। बताया गया कि मेवालाल के घर के सामने मोटरबाइक खड़ी थी। अज्ञात चोर ने घर के सामने से मोटरबाइक चोरी कर भागने का प्रयास किया। ग्रामीणों ने पीछा कर उसे रामनगर नहर के पास पकड़ लिया। चोर को पकड़ने के बाद रैपुरा थाने में सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने चोर को दबोच लिया।

दरोगा पर आरोप लगाते पीडित।

दरोगा ने नामजद को जेल न भेज निर्दोष को भेजा जेल

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। बहिलपुरवा थाने के शीतलपुर तरौंहा के रामकिशोर पुत्र स्व लालजी ने 30 जनवरी की रात पिता की हत्या की रिपोर्ट थाने में लिखाई थी। अज्ञात के नाम रिपोर्ट दर्ज हुई थी। 27 फरवरी को नामजद आरोपी मिठाईलाल व चुनकौना पुत्र दुलारे, जयकिशोर पुत्र चुनकौना, चंगी देवी पत्नी मिठाईलाल शीतलपुर तरौंहा व धर्मपाल पुत्र रामआसरे ने खेत सींचने के बहाने पिता को रात दस बजे खेत में ले जाकर हत्या कर दी। रविवार को पीडित रामकिशोर ने पुलिस अधीक्षक समेत सूबे के मुख्यमंत्री आदि को 19 मार्च को लिखे पत्र में कहा कि दरोगा ने नामजद आरोपियों पर कोई कार्यवाही नहीं की, बल्कि जीतन प्रसाद उर्फ प्रिंस पुत्र राजाराम शीतलपुर तरौंहा के खिलाफ न्यायालय सीजेएम के यहां से 27 मई को 82 जारी कराकर 13 जून को उसे न्यायालय में हाजिर करा दिया। न्यायालय के आदेश पर वह जेल चला गया। पीडित ने दरोगा से कई बार मिलकर कहा कि जीतन प्रसाद निर्दोष है। उसने पिता की हत्या नहीं की। हत्या करने वाले खुलेआम घूम रहे हैं। इस मामले से जीतन प्रसाद से कोई लेना-देना नहीं है। दरोगा ने कहा कि वे नामजद लोगों के खिलाफ कार्यवाही नहीं करेंगे। आरोप लगाया कि नामजद लोगों से दरोगा ने भारी रिश्वत ले रखी है। परिवार के लोग हो, आपस में समझौता कर लो।

ट्रेलर लूट का एक और आरोपी दबोचा

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के निर्देश पर अपराधियों पर जारी कार्यवाही में एएसपी चक्रपाणि त्रिपाठी व सीओ सिटी राजकमल की देखरेख में कर्वी कोतवाल उपेन्द्र प्रताप सिंह की अगुवाई में अपराध निरीक्षक लाखन सिंह ने ट्रेलर लूट की घटना के एक और आरोपी को दबोचा है।ज्ञात है कि 17 जून को हरिओम गुप्ता पुत्र स्व मंगल शरण गुप्ता निवासी संग्राम कॉलोनी सतना मप्र ने सीमेन्ट लदे ट्रेलर की चोरी बाबत कोतवाली कर्वी में मामला दर्ज कराया था। विवेचना से राधे उर्फ फुल्लू, जाकिर, अंकेश, राधेश्याम, प्रसादे, अली व नीलू के नाम आये थे। शनिवार को राधे उर्फ फुल्लू, राधेश्याम, अंकेश, जाकिर को गिरफ्तार कर

पुलिस गिरफ्त में ट्रेलर लूट का आरोपी।

जेल भेजा जा चुका है। रविवार को कोतवाली कर्वी पुलिस ने एक और आरोपी मो अली पुत्र मुन्ना निवासी पुलिस चैकी के पीछे भरवारी पुरानी बाजार कोखराज जिला कौशाम्बी को गिरफ्तार किया। टीम में अपराध निरीक्षक लाखन सिंह, सिपाही राहुल प्रशान्त कुमार शामिल रहे।

संयुक्त टीम ने दस लीटर शराब समेत महिला दबोचा

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के निर्देश पर अवैध शराब निर्माण व बिक्री की रोकथाम को जारी अभियान में थाना मऊ व आबकारी टीम ने संयुक्त रूप से छापेमारी कर मवईकला गांव से संगीता पत्नी रामबहोरी के कब्जे से दस लीटर महुआ शराब समेत गिरफ्तार किया। उसके खिलाफ थाने में आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया। टीम में प्रभारी निरीक्षक अजीत कुमार पाण्डेय, आबकारी निरीक्षक केके मिश्रा, दरोगा विनय विक्रम सिंह, सिपाही राहुल पाण्डेय, प्रवीण पाण्डेय व आबकारी सिपाही लालाराम वर्मा शामिल रहे।

ई-रिक्शा लूट की घटना का एक और आरोपी दबोचा

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के निर्देश पर अपराधियों की धरपकड़ को जारी अभियान में एएसपी चक्रपाणि त्रिपाठी व सीओ सिटी राजकमल की देखरेख में कर्वी कोतवाल उपेन्द्र प्रताप सिंह की अगुवाई में दरोगा श्यामदेव सिंह की टीम ने लूट की घटना के एक और आरोपी के कब्जे से लूट की दो बैटरी व ई-रिक्शा समेत गिरफ्तार किया। ज्ञात है कि 13 फरवरी को कोतवाली कर्वी के डिलौरा गाव के दीपक निषाद पुत्र छोटू निषाद ने कोतवाली में सूचना

पुलिस गिरफ्त में लूट का आरोपी।

दी थी कि तीन अज्ञात लोग बान तालाब से मारपीट कर ई-रिक्शा, मोबाइल फोन व ढाई हजार रुपये लूट ले गये हैं। पुलिस ने मामला दर्जकर घटना का खुलासा किया।

खुलासा में कोतवाली कर्वी ने गुड्डा उर्फ आंनद चतुर्वेदी पुत्र स्व गोवर्धन कौबरा थाना रैपुरा के कब्जे से चोरी के ई-रिक्शा समेत गिरफ्तार किया। उस पर माल बरामदगी पर धारायें बढाई थी। शेष आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास हो रहे थे। रविवार को लूट के एक और आरोपी मनोज सिंह उर्फ बूटे सिंह पुत्र गुलाब सिंह ऐंचवारा थाना बहिलपुरवा को दो बैटरी ई-रिक्शा समेत गिरफ्तार किया। टीम में दरोगा श्यामदेव सिंह, सिपाही आकाश पटेल व मंगल सिंह शामिल रहे।

विकास पथ सेवा संस्थान-बिन्दी इंटरनेशनल से महिलायें बनेंगी आत्मनिर्भर

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। विकास पथ सेवा संस्थान ने सात प्रतिभाशाली महिलाओं को बिन्दी इण्टरनेशनल एसो के सहयोग से टूल व डेमो किट बांटे। कसहाई रोड स्थित कार्यालय सभागार में डा प्रभाकर सिंह की अध्यक्षता में वितरण हुआ।

रविवार को बतौर मुख्य अतिथि/समाजसेवी वार्ड मेम्बर शंकर प्रसाद यादव ने संस्थान के कार्यों की सराहना कर कहा कि संस्थान पर्यावरण संरक्षण को गांव व स्कूलों में जागरूकता कर रहा है। सोलर से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के कार्य पर्यावरण संरक्षण में अहम हैं। भारत सरकार इसमें जोर दे रही है। सभी महिलाओं को शुभकामनायें देते हुए कहा कि संस्थान के निर्देश

सोलर सखियों को टूल-डमो किट बांटते अतिथि।

पर गांव में सोलर की दुकान खोलकर एलईडी बल्ब, टार्च, लैम्प, एलईडी लाइटे बनाकर सोलर उत्पादों की बिक्री कर घर की आमदनी बढ़ायें। सोलर से गांव में उजाला फैलायें। संस्थान अध्यक्ष डा प्रभाकर सिंह ने कहा कि बीते माह सात महिलायें कुशीनगर प्रशिक्षण केन्द्र से प्रशिक्षित होकर लौटी है। ट्रेनिंग दौरान इन्हें दिवा लालटेन, सोलर लैम्प, चार्ज कंट्रोलर बनाने समेत बैटरी पैनल की रिपेयरिंग व मेंटिनेंस का प्रशिक्षण दिया। ये महिलायें गरीब घरों से थीं। कम पढ़ी-लिखी थीं। सोलर सखी के प्रशिक्षण से कढ चुकी है। दूसरे बैच की तैयारी हो रही है। 15-20 महिलायें प्रशिक्षण को जायेगी। संस्थान की मुख्य कार्यकारी अधिकारी विनीता सिंह ने कहा कि ये वे महिलाये हैं, जो खुद कुछ करना चाहती हैं। इसीलिए सभी प्रशिक्षण में डिजिटल पेमेंट करना, भीम एप का उपयोग, ईमेल लिखना, इंटरनेट का बेहतर इस्तेमाल, साइबर सिक्योरिटी सीखी है। एनरिच व सेल्स का प्रशिक्षण लिया है। आत्मविश्वास से सोलर प्रोडक्ट ग्राहकों को अच्छे से बेंच सके। ये टूल व डेमो किट में जितनी सामग्री दी गयी है, निःशुल्क है। डा विकास सिंह व गोपाल कृष्ण गुप्ता ने विचार रखे। संचालन लवलेश सिंह ने किया। इस मौके पर धर्मेन्द्र सिंह, सोलर सखी रेखा गुप्ता, केता देवी, सुनीता, संगीता, राजाबेटी, ज्ञानगीता व शिवप्यारी आदि मौजूद रही।

जालसाजी का वांछित दबोचा

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के निर्देश पर वांछित/वारंटी की गिरफ्तारी को जारी अभियान में प्रभारी निरीक्षक पहाड़ी श्रीमती रीता सिंह की अगुवाई में दरोगा विपिन कुमार मिश्रा ने सिपाही जयप्रकाश विश्वकर्मा के साथ जालसाजी में वांछित रामकरन कोरी पुत्र स्व रामआसरे कोरी हनुमान मंदिर चितरा गोकुलपुर चैकी सीतापुर को गिरफ्तार किया।

तमंचा समेत एक दबोचा

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के निर्देश पर अपराधियों के खिलाफ जारी कार्यवाही में प्रभारी निरीक्षक राजापुर की अगुवाई में दरोगा अनिल कुमार ने अभिलाष साहू पुत्र नत्थू साहू देवारी को एक तमंचा 315 बोर व कारतूस समेत गिरफ्तार किया। उसके खिलाफ थाने में आर्म्स एक्ट का मामला दर्ज किया। टीम में दरोगा अनिल कुमार, दरोगा कन्हैया बक्स सिंह, सिपाही शुभम मिश्रा व प्रकाश मिश्रा शामिल रहे।

पंचायत सहायक को सात माह से नहीं मिला भुगतान

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। कर्वी ब्लाक के मानपुर घुरेटनपुर के पंचायत सहायक अजय कुमार विश्वकर्मा पुत्र बनवारीलाल विश्वकर्मा ने सीडीओ को लिखे पत्र में मानदेय भुगतान दिसम्बर 2023 से जून 2024 तक न होने की बात कही है। रविवार को पंचायत सहायक अजय विश्वकर्मा ने सीडीओ को लिखे पत्र में कहा कि सहायक विकास अधिकारी से दो माह से मांग कर रहा है। जिला पंचायत राज अधिकारी को भी इस बाबत पत्र दिया है। भुगतान नहीं हो रहा। ग्राम पंचायत अधिकारी सचिव ने 25 अप्रैल व प्रधान शिवप्रकाश ने डॉगल नहीं लगा रहा। पीडित ने कहा कि उसकी आर्थिक दशा बेहद खराब है। पिता बीमार हैं। शासन के उच्चाधिकारियों को अवगत कराने के बाद भी भुगतान नहीं हो रहा। शासन से पंचायत भवन में स्टेशनरी नहीं दी जाती। पंचायत भवन में पिछले आठ माह से पंखे खराब हैं। गर्मी में पंचायत सहायक को पंचायत भवन में बैठने में दिक्कत हो रही है। पंचायत के कार्य करने में दिक्कतें आ रही हैं। पीडित ने पंचायत भवन को सुचारू ढंग से चलाने की मांग की है।

स्वच्छता पर दें विशेष ध्यानः ईओ

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। कामदगिरि स्वच्छता समिति ने स्वच्छ भारत मिशन के तहत साक्षी गोपाल के पास 119वां स्वच्छता अभियान चलाया। ईओ लालजी यादव ने कहा कि गांधी के सपनों को साकार करने को सभी लोग स्वच्छता के महत्व को समझें। आसपास स्वच्छता पर ध्यान देकर पर्यावरण स्वच्छ रखें। रविवार को नगर पालिका ब्रांड एम्बेसडर/कामदगिरि स्वच्छता समिति अध्यक्ष राकेश केसरवानी ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सपनों का भारत बनाने को विकसित भारत हर नागरिक का सुनहरा सपना है, जो अब पूरा होता नजर आ रहा है। विकसित भारत प्रदूषण मुक्त हो, हर जगह स्वच्छता हो। दूर-दूर तक गंदगी न हो। सफाई निरीक्षक कमलाकांत शुक्ला ने कहा कि चित्रकूट स्वच्छ और साफ रखकर चित्रकूट का विकास कर सकते हैं। जगह-जगह गंदगी न फैलायें। स्वच्छ भारत मिशन के जिला प्रबंधक शिवा कुमार ने कहा कि स्वच्छ भारत अभियान महात्मा गांधी की याद से शुरू हुआ था। स्वच्छ भारत अभियान शुरू करने का उद्देश्य है कि जगह-जगह कचरा न फैलायें। अभियान में जितेंद्र केसरवानी, अंकुर केसरवानी, वन विभाग से रसूल बख्श, विनोद कुमार, जानकी कुशवाहा, वीरेंद्र, सनी, रामसिया, दीपक, मालिक, राजेश कुमार, मुकेश कुमार, विजय आदि शामिल रहे।

दम्पति में सुलह कराती पुलिस।

महिला थाना ने दम्पति में कराई सुलह

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के निर्देश पर सामाजिक रिश्तों को बचाने को जारी प्रयास में महिला थाना पुलिस ने पारिवारिक विवाद को समाप्त कराकर परिवार को टूटने से बचाया।

रविवार को पहाडी थाने के चैरा गांव की श्रीमती सुलेखा देवी पत्नी हरिराम पुत्री हरिप्रसाद हाल पता लौढिया बुजुर्ग कोतवाली कर्वी ने पुलिस अधीक्षक को सौंपे पत्र में पति पर मारपीट, गाली-गलौज व दहेज की मांग का आरोप लगाया। थानाध्यक्ष महिला टीम ने शिकायत को सुन-समझकर दूसरे पक्ष को महिला थाना बुलाया। दोनों पक्षों को भविष्य में आपस में विवाद न करने व पारिवारिक कर्तव्यों का पालन करने की बात कही। आपसी सुलह होने पर दम्पत्ति ने एक-दूसरे से तालमेल से रहने का भरोसा दिया। टीम में थानाध्यक्ष महिला श्रीमती सविता सरोज व महिला सिपाही दीपिका सिंह शामिल रहे।

प्राचीन हनुमान मंदिर तक नाली निर्माण न होने से ग्रामीणों में आक्रोश, ग्रामीणों ने दी आन्दोलन की धमकी

प्राचीन मन्दिर के सामने भरे पानी पर ग्रामीणों की प्रतिक्रिया।

अखंड भारत संदेश

मऊ/चित्रकूट। मऊ ब्लाक के छिवलहा गांव में प्राचीन हनुमान मंदिर नाली बनने की राह देख रहा है। कई वर्षों से नाली का पानी मंदिर के सामने बह रहा है। ग्रामीणों में आक्रोश है। ग्रामीण व स्कूली बच्चों को आने-जाने में भारी परेशानी होती है। लोगों ने प्रधान पर विकास कार्यों में ध्यान न देने का आरोप लगाया है। रविवार को ग्रामीणों ने कहा कि प्रधान गांव के कार्यों में हीलाहवाली कर कार्यों में ध्यान नहीं देता। कई कार्यों में अनियमितता बरती है। ग्रामीणों ने जांच कराने की मांग की है। सवाल है कि गांव की बुनियादी समस्याओं पर प्रधान के ध्यान न देने पर किसी भी समस्या का निस्तारण नहीं होता। प्रधान हर कार्य में पल्ला झाड़ लेता है। हनुमान मंदिर के पास नाली निर्माण न होने से जलभराव रहता है। श्रद्धालुओं को भारी मशक्कत से मन्दिर तक पहुंचना पडता है। लोगों ने समस्या निदान की मांग की है।

गन्दे पानी से गुजरने पर पूजा-पाठ में होता व्यवधान

अखंड भारत संदेश

मऊ/चित्रकूट। प्राचीन हनुमान मंदिर छिवलहा गांव लोगों की आस्था का केंद्र है। गांव के बड़े-बुजुर्ग, महिला पूजापाठ करने हनुमान मंदिर जाते है। वे नाली में पैर रखकर मन्दिर पहुंचते हैं। गन्दा पानी पूजापाठ में व्यवधान पैदा करता है। बडे-बुजुर्ग गिर जाते हैं। नाली का निर्माण न होने पर ग्रामीण आन्दोलन को बाध्य होंगे। संतोष सिंह व सूर्यभान सिंह ने प्रधान से मन्दिर के रास्ते का जल्द निर्माण कराने की मांग की है। गांव के शुभम सिंह ने आरोप लगाया कि नाली निर्माण का कार्य बारिश के पहले नहीं होता तो बड़ी घटना हो सकती है। ये सड़क गांव के अंदर जाने का मुख्य सम्पर्क मार्ग है। जो पानी से लबालब भरा है। जिम्मेदार लोग आंख में पट्टी बांधे हैं। ग्रामीण पुष्पराज सिंह ने कहा कि कई वर्षों से मन्दिर के सामने पानी बह रहा है। छोटे-छोटे बच्चे बैग लेकर विद्यालय जाते समय गिरकर चुटहिल हो जाते हैं। अधिकारियों से मामले को संज्ञान में लेने की मांग की है।

इराक में हवाई हमले में 7 आईएस आतंकवादी ढेर

एजेंसी

बगदाद। इराकी सेना ने कहा कि बगदाद के उत्तर में सलाहुद्दीन प्रांत में उनके ठिकानों पर दो हवाई हमलों में सात इस्लामिक स्टेट (आईएस) आतंकवादी मारे गए। सुरक्षा मीडिया सेल के एक बयान के अनुसार, खुफिया रिपोर्टों के आधार पर इराकी युद्धक विमानों के संयुक्त अभियान ने प्रांत के उत्तरपूर्वी हिस्से में एक पहाड़ी इलाके में आईएस के ठिकानों और चरमपंथी आतंकवादियों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली सुरंग पर दो हवाई हमले किए। बयान में कहा गया कि प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, हवाई हमलों में सात आईएस आतंकवादी मारे गए, जिनमें एक प्रमुख व्यक्ति भी शामिल था, बयान में बमबारी का समय नहीं बताया गया।

दुकान में गोलीबारी में मरने वालों की संख्या बढ़कर चार हुयी

वाशिंगटन। अमेरिकी राज्य अर्कांसस में एक किराने की दुकान पर हुयी गोलीबारी में मरने वालों की संख्या बढ़कर चार हो गई है, जबकि नौ और लोग घायल हो गए हैं। सीबीएस न्यूज ब्रॉडकास्टर ने राज्य पुलिस के हवाले से यह जानकारी दी है। उल्लेखनीय है कि फोर्डिस में एक किराने की दुकान में गोलीबारी में दो लोगों की मौत हो गई थी। कथित तौर पर एक पुलिस अधिकारी को भी गोली मार दी गई और उसे गैर-जानलेवा चोटें आईं। गोली चलाने वाला गंभीर रूप से घायल हो गया और उसे हिरासत में ले लिया गया। रिपोर्ट में कहा गया कि गोलीबारी के वजह से दो पुलिस अधिकारी गंभीर रूप से घायल हो गये हालांकि उनकी जान को खतरा नहीं है।

भूमध्य सागर में इजरायल से जुड़े जहाजों पर किया हमला -हूती

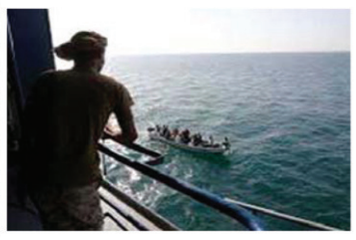

सना। यमन के विद्रोही अंसार अल्लाह आंदोलन, जिसे हूती के नाम से भी जाना जाता है, ने कहा कि इराक में इस्लामिक प्रतिरोध के रूप में जाने जाने वाले शिया आतंकवादी गठबंधन के साथ मिलकर हाइफ़ा और भूमध्य सागर के बंदरगाह में इज़रासल से जुड़े पांच जहाजों पर हमला किया। आंदोलन ने एक बयान में कहा, 'कब्जे वाले फिलिस्तीन के बंदरगाहों में प्रवेश पर प्रतिबंध उल्लंघन करने के लिए यमनी सशस्त्र बलों ने इराक में इस्लामिक प्रतिरोध के साथ मिलकर ड्रोन का उपयोग करते हुए दो ऑपरेशन किए, जिसमें हाइफ़ा के बंदरगाह और भूमध्य सागर में पांच जहाजों को निशाना बनाया गया। पहले ऑपरेशन के दौरान, हाइफ़ा के बंदरगाह में चार जहाजों पर हमला किया गया ... सभी जहाजों पर हमला किया गया था।

कोलंबिया में कार बम विस्फोट में 3 की मौत, 9 घायल

बोगोटा। कोलंबिया के शहर तमिनंगो में नारिनो के दक्षिणी विभाग में एक कार बम हमले में तीन लोगों की मौत हो गई और नौ अन्य घायल हो गए। स्थानीय अधिकारियों ने यह जानकारी दी। नारिनो के गवर्नर लुइस अल्फोंसो एस्कोबार ने एक बयान में पुष्टि की कि मारे गए दो नागरिक और एक युवा पुलिस अधिकारी थे, उन्होंने इस विक्षिप्त कृत्य के प्रति अपनी स्पष्ट अस्वीकृति व्यक्त की। राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने 'एक्स' पर अपने अकाउंट पर एक पोस्ट में शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और अपराधियों को चेतावनी दी कि जो शांति के बजाय युद्ध का रास्ता चुनते हैं उन्हें कानून का पूरा बोझ उठाना होगा।

केन्या में कर वृद्धि के विरोध प्रदर्शनों में दो की मौत

एजेंसी

नैरोबी। केन्या में कर वृद्धि के खिलाफ प्रदर्शनकारियों में मरने वालों की संख्या बढ़कर दो हो गई है। सिटीजन डिजिटल समाचार पोर्टल ने यह जानकारी दी। स्टार अखबार ने बताया कि केन्या में एक मसौदा बजट के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई और कम से कम 200 अन्य घायल हो गए। स्टार ने मंगलवार को बताया कि केन्या की राजधानी नैरोबी में कर वृद्धि के खिलाफ एक विरोध प्रदर्शन आयोजित किया गया था, जिसके कारण पुलिस को प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस का इस्तेमाल करना पड़ा। बाद में 'एएफपी' ने बताया कि केन्याई सरकार ने कई वस्तुओं और सेवाओं पर कर बढ़ाने की योजना को संशोधित किया था। अन्य बातों के अलावा, ब्रेड की खरीद, चीनी के

परिवहन, मोबाइल और वित्तीय सेवाओं के उपयोग और विदेशी मुद्रा के साथ लेनदेन पर 16 प्रतिशत मूल्य वर्धित कर की शुरूआत को रद्द करने के लिए मसौदा बजट में संशोधन किया गया था। उम्मीद है कि संसद 30 जून को मसौदा बजट के अंतिम संस्करण को अपनाएगी।

हज के दौरान मरने वाले ट्यूनीशियाई श्रद्धालुओं की संख्या 53 हुई

एजेंसी

ट्यूनिस। सऊदी अरब में हज के दौरान मौत की नींद सोये ट्यूनीशिया के हजयात्रियों की संख्या बढ़कर 53 हो गई है। सरकारी टेलीविजन 'वतनिया वन' ने यह जानकारी दी है। रिपोर्ट में कहा गया है, इस हज करते समय सऊदी अरब के पवित्र स्थानों में मरने वाले ट्यूनीशियाई तीर्थयात्रियों की संख्या 49 से बढ़कर 53 हो गई है। रिपोर्ट के अनुसार, रियाद में ट्यूनीशियाई राजनयिक मिशन और जेद्दा में महावाणिज्य दूतावास वर्तमान में सऊदी अरब में लापता, मृत या अस्पताल में भर्ती ट्यूनीशियाई तीर्थयात्रियों की स्थिति की निगरानी के लिए समन्वय कर रहे हैं। ट्यूनीशियाई राष्ट्रपति कैस सैयद ने बर्खास्तगी का कारण बताए बिना, धार्मिक मामलों के मंत्री इब्राहिम चैबी को बर्खास्त कर दिया। श्री चैबी ने सऊदी अरब के मक्का में इस वर्ष की हज यात्रा के दौरान सऊदी अरब के आधिकारिक

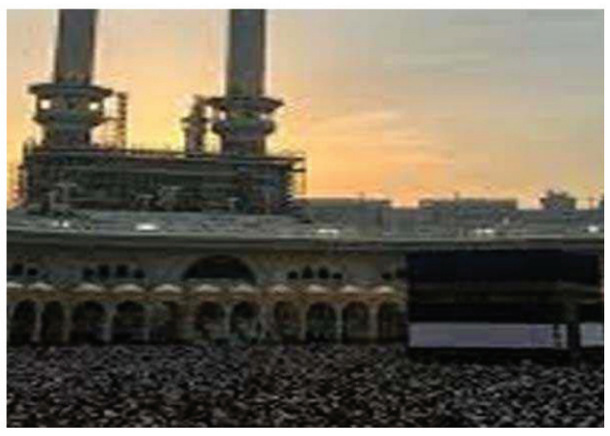

ट्यूनीशियाई प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। प्रतिनिधिमंडल को हज के दौरान ट्यूनीशियाई तीर्थयात्रियों की सहायता करने का काम सौंपा गया था। उन्होंने कहा कि हजयात्रियों की मौत का कारण 50 डिग्री सेल्सियस से अधिक तापमान, अधिक आयु, बीमारियां और भीड़ हो सकती हैं।

यूक्रेनी ड्रोन हमलों से ज़ापोरीज़िया परमाणु ऊर्जा संयंत्र की सुरक्षा को ख़तरा

एजेंसी

मॉस्को। ज़ापोरिज्जिया परमाणु ऊर्जा संयंत्र (जेडएनपीपी) के गृह शहर एनरगोडार पर यूक्रेनी सशस्त्र बलों द्वारा हाल ही में किए गए ड्रोन हमलों ने परमाणु सुविधा की सुरक्षा के बारे में गंभीर चिंताएं बढ़ा दी हैं। स्थानीय

अधिकारियों ने यह जानकारी दी। जेडएनपीपी के निदेशक यूरी चेर्निचुक ने कहा कि रेडुगा सबस्टेशन पर ड्रोन हमलों के कारण जेडएनपीपी के कई डिवीजनों में बिजली नहीं रही, जिसमें प्रिंटिंग हाउस, पीने के पानी की आपूर्ति करने वाले पंप स्टेशन और उत्पादन और तकनीकी उपकरण प्रबंधन शामिल हैं। श्री चेर्निचुक ने आरआईए नोवोस्ती समाचार एजेंसी को बताया, यह स्टेशन के संचालन के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर सीधा हमला है। यह कहा जा सकता है कि यह हमला जेडएनपीपी की सुरक्षा को प्रभावित करता है।

बारिश से घिरे मध्य चीन काउंटी में भूस्खलन के बाद 8 लोग लापत

एजेंसी

बीजिंग। मध्य चीन के हुनान प्रांत में रविवार तड़के हुए भूस्खलन के बाद आठ लोग लापता हैं। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि भूस्खलन हुआहुआ शहर के शिन्हुआंग डोंग स्वायत्त काउंटी के डौक्सी गांव में रविवार तड़के करीब चार बजे हुआ। काउंटी के आपातकालीन प्रतिक्रिया केंद्र को इसकी सूचना दी गई। समाचार एजेंसी ने बताया कि भूस्खलन के कारण चार घर ढह गए। घटनास्थल पर मौजूद अन्य सभी लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया गया है। बचाव कार्य जारी है। काउंटी में भारी बारिश हुई है। इस महीने सिचुआन बेसिन, गुइझोउ, हुनान, जियांग्शी, झेजियांग, फुजियान, गुआंग्शी, ग्वांगडोंग, हेनान, हुबेई और हेइलोंगजियांग के कुछ हिस्सों में भारी बारिश और आंधी-तूफान से बाढ़ के कारण व्यापक क्षति हुई है, और कई लोगों की मौत हो गई है।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में आतंकी हमले में पांच पाकिस्तानी सैनिक मारे गए

पख्तूनख्वा । पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में हुए आतंकी हमले में पांच पाकिस्तानी सैनिक मारे गए। अभी तक किसी भी आतंकी समूह ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। पाकिस्तानी सेना की मीडिया विंग इंटर-

सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस ने दी। उन्होंने बताया कि आतंकियों ने कुर्रम जिले में सुरक्षाबलों के एक वाहन पर विस्फोट किया। इसमें पांच सैनिकों की मौत हो गई। इन सैनिकों की उम्र 24 से 33 वर्ष के बीच है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पंजाब प्रांत की पुलिस ने 22 आतंकियों को गिरफ्तार किया है।

इटली के तट पर शरणार्थी जहाज़ दुर्घटनाग्रस्त, 34 की मौत

एजेंसी

रोम। इटली के दक्षिणी तट के पास आयोनियन सागर में 14 प्रवासियों के शव बरामद किए जाने के साथ ही मृतकों की संख्या बढ़कर 34 हो गई है। इस सप्ताह के शुरुआत में शरणार्थी को ले जा रही नाव दुर्घटनाग्रस्त हो गयी थी। इतालवी समाचार मीडिया ने तटीय रक्षक सेवाओं का हवाले से यह जानकारी दी। इससे पहले इतालवी मीडिया आउटलेट्स ने बताया था कि दुर्घटना में कम से कम 20 लोगों की मौत की पुष्टि की गई थी, जिनमें से आठ नाबालिग थे। शरणार्थियों से भरी एक नौका इटली के कैलाब्रिया क्षेत्र के तट से 120 मील दूर मंगलवार को दुर्घटनाग्रस्त हो गई। भूमध्य सागर में बचाव अभियान चलाने वाले एक गैर-

सरकारी संगठन द्वारा 11 लोगों को बचाया गया। बचाए गए लोगों ने गैर-सरकार संगठन (एनजीओ) को बताया कि दुर्घटनाग्रस्त नाव पर कुल 66 शरणार्थी सवार थे, जिनमें 26 बच्चे भी शामिल हैं।

तिब्बती आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा स्विट्जरलैंड पहुंचे, घुटने की सर्जरी के लिए अमेरिका होंगे रवाना

एजेंसी

ज्यूरिख। तिब्बती आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख पहुंच गए हैं। दलाई लामा अपने घुटने की सर्जरी करवाने के लिए ज्यूरिख से अमेरिका के लिए आज रवाना होंगे।

तिब्बती आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा घुटने की सर्जरी के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका जाने के लिए 21 जून को धर्मशाला से नई दिल्ली के लिए रवाना हुए थे। बड़ी संख्या में तिब्बती उन्हें शुभकामनाएं देने के लिए कांगड़ा एयरपोर्ट पहुंचे थे। एक दिन दिल्ली में रहने के बाद वे स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख पहुंच गए। यहां से आज अमेरिका के लिए रवाना होंगे। ज्यूरिख पहुंचने पर एक होटल में पारंपरिक तिब्बती तरीके से उनका स्वागत करते हुए गानों और नृत्य की प्रस्तुति दी गई। तिब्बती आध्यात्मिक गुरु को देखने के लिए होटल की लॉबी में उनके शुभचिंतकों बड़ी संख्या में पहुंचे। प्रतिनिधिमंडल ने धर्मशाला में दलाई लामा से मुलाकात की थी।

बड़ी संख्या में सड़कों पर उनके शुभचिंतक देखे गए। उल्लेखनीय है कि इसी हफ्ते की शुरुआत में माइकल मैककॉल के नेतृत्व में एक द्विदलीय अमेरिकी कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा रहीं पूर्व अमेरिकी सदन अध्यक्ष नैंसी पेलोसी ने तिब्बत के लोगों के लिए कांग्रेस के समर्थन की दृढ़ता से पुष्टि की।

नौकरों के शोषण का मामला: हिंदुजा परिवार बरी, शिकायतकर्ताओं ने वापस लिए आरोप

एजेंसी

लंदन। भारतीय मूल के बिजनेसमैन ब्रिटेन के सबसे अमीर हिंदुजा परिवार के 4 सदस्यों को नौकरों के शोषण मामले में सभी आरोपों से बरी कर दिया गया है। एक दिन पहले 21 जून को निचली अदालत ने हिंदुजा परिवार के चार सदस्यों को जेल की सजा सुनाई थी। अब ऊपरी अदालत ने 22 जून को इस परिवार के सदस्यों को सभी आरोपों से बरी कर दिया। निचली अदालत के फैसले में प्रकाश हिंदुजा

चुनौती दी थी। हिंदुजा परिवार के प्रवक्ता के मुताबिक उच्च अदालत शिकायतकर्ताओं ने आरोप वापस ले लिए हैं। अदालत को उन्होंने बताया कि उन्हें ऐसे बयानों पर साइन करने के लिए गुमराह किया गया था, जिन्हें वे नहीं समझते थे। उनका न तो ऐसा इरादा था और न उन्होंने ऐसी कार्यवाही शुरू की थी।

उल्लेखनीय है कि प्रकाश हिंदुजा, कमल, अजय और बहू नम्रता पर आरोप हैं कि उन्होंने स्विट्जरलैंड के जिनेवा स्थित अपने बंगले में काम करने वाले कामगारों का शोषण और गैरकानूनी तरीके से कर्मचारियों को काम पर रखा। उन्हें कम वेतन पर 18 घंटे तक काम कराया गया। उन्हें बहुत कम या बिल्कुल भी छुट्टी नहीं दी जाती थी तथा स्विस कानून के तहत अपेक्षित वेतन के दसवें हिस्से से भी कम था।

उत्तरी गाजा में इजराइली हमले में कम-से-कम 39 लोगों की मौत

एजेंसी

गाजा। उत्तरी गाजा में इजराइल के हमले में कम-से-कम 39 लोगों की मौत हो गई है। एकदिन पहले ही दक्षिणी शहर राफा के करीब शरणार्थी शिविर पर हुए हमले में कम-से-कम 25 लोगों की मौत हुई थी। इजराइल ने कहा कि मध्य और दक्षिणी गाजा में अपना अभियान जारी रखेगा।

फिलिस्तीनी और अस्पताल के अधिकारियों के अनुसार, उत्तरी गाजा में इजरायल के हमलों में कम से कम 39 लोग मारे गए हैं। गाजा सिटी में अल-अहली अस्पताल के निदेशक फादेल नईम के मुताबिक करीब 36 शव अस्पताल में पहुंचाए गए।

इजराइल ने कहा कि उसके लड़ाकू विमानों ने गाजा सिटी क्षेत्र में हमास के दो सैन्य ठिकानों पर हमला किया। हालांकि इन हमलों को लेकर इजराइल की तरफ से अधिक जानकारी नहीं दी गई। एक दिन पहले ही दक्षिणी शहर राफा के पास तम्बू शिविरों पर हुए हमलों में कम से कम 25 लोगों की मौत और 50 लोग घायल हो गए थे। उल्लेखनीय है कि 7 अक्टूबर को हमास आतंकियों ने दक्षिणी इजराइल पर हमला कर लगभग 1,200 लोगों की हत्या कर दी और लगभग 250 लोगों को बंधक बना लिया। इजराइल ने जवाबी कार्रवाई करते हुए गाजा क्षेत्र में व्यापक स्तर पर हमास आतंकियों के खात्मे के लिए अभियान शुरू कर दिया। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इजराइल के जवाबी हमलों में 37,400 से अधिक फिलिस्तीनियों की मौत हो चुकी है।

रूस के दागिस्तान में आतंकी हमला, सात लोगों की मौत

मॉस्को। रूस के दागिस्तान में रविवार रात बड़ा आतंकी हमला हुआ है। इस हमले में एक पादरी और पुलिस कर्मियों सहित कुल सात लोगों की मौत हुई है जबकि रूस के सुरक्षाबलों ने दो हमलावर आतंकियों को भी मार गिराया है। देश के आंतरिक मामलों के मंत्रालय ने यह जानकारी दी है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक प्रार्थना घर और चर्च दोनों ही दागिस्तान के डर्बेंट शहर में स्थित हैं। यह मुख्य रूप से मुस्लिम बहुल उत्तरी काकेशस का इलाका है, जहां प्राचीन यहूदी समुदाय के लोग रहते हैं।

आतंकियों ने दागिस्तान की राजधानी माखचकाला में पुलिस चौकी पर भी हमला बोला, जो यहां से लगभग 125 किलोमीटर (75 मील) दूर है। स्थानीय लोगों ने बताया कि हमले के बाद प्रार्थना घर में आग लग गई और चर्च से भी धुआं उठता हुआ दिखाई दिया। डर्बेंट में चर्च पर हुए हमले में 66 वर्षीय एक ऑर्थोडॉक्स पादरी की मौत हो गई है।

राजनीतिक अस्थिरता देश के विकास के लिए घातक: पोखरेल

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल में सत्तारूढ़ गठबंधन के सबसे बड़े दल नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एमाले) के महासचिव शंकर पोखरेल ने देश में राजनीतिक स्थिरता के लिए दो दलीय व्यवस्था की वकालत की है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक अस्थिरता देश के विकास के लिए घातक है। पोखरेल ने पार्टी के एक कार्यक्रम में कहा कि देश में राजनीतिक अस्थिरता का सबसे बड़ा कारण बहुदलीय व्यवस्था है। उन्होंने कहा कि यह भी दुर्भाग्यपूर्ण है कि संसद में सबसे बड़ी पार्टी विपक्ष में है और दूसरी सबसे बड़ी पार्टी भी सरकार में होते हुए भी नेतृत्व नहीं कर पा रही है। पोखरेल ने कहा कि जब तक छोटी-छोटी पार्टियां रहेंगी तब तक देश में राजनीतिक स्थिरता आ ही नहीं सकती है। पोखरेल ने कहा कि राजनीतिक अस्थिरता देश के विकास में बाधक होती है। राजनीतिक अस्थिरता के लिए बहुदलीय व्यवस्था जिम्मेदार है। राजनीतिक स्थिरता के बिना देश का विकास नहीं हो सकता है। उनका तर्क है कि देश में दो दलीय व्यवस्था रहने पर एक दल सत्ता में और दूसरा दल विपक्ष में रहेगा तो कई राजनीतिक समस्याओं का समाधान आसानी से हो सकता है। पोखरेल ने कहा कि संविधान संशधन के जरिए दो से चार सदस्यों वाले छोटे दलों की व्यवस्था को खत्म किया जाना चाहिए। उल्लेखनीय है कि नेपाल की 275 सदस्यीय प्रतिनिधि सभा में मुख्य विपक्षी दल नेपाली कांग्रेस के 88 सदस्य हैं, जबकि नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एमाले) के 79 सदस्य हैं। प्रधानमंत्री पुष्पकमल दाहाल 'प्रचंड' की पार्टी नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी केंद्र) के सदस्यों की संख्या 32 है।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर
योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित।
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
RNI No: UPHIN/2001/09025
ऑफिस मो.:
9565333000
Email:-
akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र
प्रयागराज होगा।